CMYK

अधिकतम : 19°C
न्यूनतम : 07°C

खबरें छुपाता नहीं, छापता है

शाह टाइम्स

देहरादून, गुरुवार 22 जनवरी 2026 देहरादून संस्करण: वर्ष 25 अंक 166 पृष्ठ 12 मूल्य रुपये 5.00

विस्तृत खबरों के लिए QR कोड स्कैन करें। मुफ्त पढ़ें E-paper

shahtimes2015@gmail.com माघ शुक्ल पक्ष 3 विक्रमी सम्वत् 2082 3 शाबान 1447 हिजरी नई दिल्ली, मुजफ्फरनगर, देहरादून, हल्द्वानी, मुरादाबाद, बरेली, मेरठ व लखनऊ से प्रकाशित

विधायिका समाज को दिशा देती है: योगी पेज 2

बांग्लादेश को भारत में खेलो या बाहर होने का अल्टीमेटम खेल टाइम्स

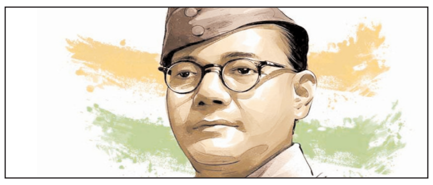

नेताजी सुभाष की मृत्यु: आयोग, फाइलें और अधूरा सत्य सम्पादकीय

अमेरिकी दबदबे वाली व्यवस्था का अंत हुआ: मार्क कार्नी पेज 12

पाक सोशल मीडिया अकाउंट से पोस्ट हुआ सेना प्रमुख का वीडियो फर्जी: सरकार

शाह टाइम्स ब्यूरो

नई दिल्ली। सरकार ने सोशल मीडिया पर पाकिस्तान के दुष्प्रचार पर आधारित सेना प्रमुख जनरल उपेन्द्र द्विवेदी के उस कथित वीडियो को फर्जी करार दिया है जिसमें दावा किया गया है कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पाकिस्तान और चीन द्वारा इस्तेमाल की गई प्रौद्योगिकी तक पहुंचने में भारत को कम से कम 50 साल लगेंगे।

सूचना और प्रसारण मंत्रालय के पत्र सूचना कार्यालय ने बुधवार को एक फैक्ट चेक पोस्ट में कहा कि सोशल मीडिया पर सेना प्रमुख से जुड़ा एक डिजिटल रूप से छेड़छाड़ किया गया वीडियो सामने आया है। यह वीडियो गलत जानकारी फैलाने और सशस्त्र बलों की विश्वसनीयता को कमजोर करने की कोशिशों के तहत जारी किया गया है। इस कथित वीडियो में जनरल द्विवेदी को यह कहते हुए सुना जा सकता है कि भारत सैन्य प्रौद्योगिकी के मामले में अपने

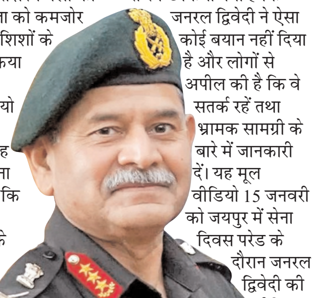

विरोधियों से काफी पीछे है। सरकार ने कहा है कि यह बयान पूरी तरह से मनगढ़ंत और फर्जी है। सरकार की ओर से स्पष्ट किया गया है कि जनरल द्विवेदी ने ऐसा कोई बयान नहीं दिया है और लोगों से अपील की है कि वे सतर्क रहें तथा भ्रामक सामग्री के बारे में जानकारी दें। यह मूल वीडियो 15 जनवरी को जयपुर में सेना दिवस परेड के दौरान जनरल द्विवेदी की मीडिया ब्रीफिंग का है। मूल बयान में सेना प्रमुख ने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारतीय सेना की तेज और प्रभावी प्रतिक्रिया की सराहना की थी। उन्होंने बेहतर समन्वय, सटीक कार्रवाई और भविष्य के संघर्षों के लिए तैयारियों पर जोर दिया था। उन्होंने कहा था कि इस ऑपरेशन ने भारतीय सेना की त्वरित प्रतिक्रिया, बेहतर तालमेल और सटीक अभियान चलाने की क्षमता को दर्शाया है। उन्होंने कहा था कि सेना की सोच में बदलाव आया है और वह मौजूदा चुनौतियों के साथ-साथ भविष्य के युद्धों की तैयारी पर भी काम कर रही है।

पाकिस्तान ने तोड़ा सीजफायर कुपवाड़ा बॉर्डर पर की फायरिंग

■ भारतीय सेना ने इलाके की घेराबंदी की और सर्च ऑपरेशन किया शुरू

कुपवाड़ा। जम्मू-कश्मीर के कुपवाड़ा में बॉर्डर पर पाकिस्तान की ओर से 2 राउंड फायरिंग की गई। घटना केरन सेक्टर में मंगलवार देर रात हुई। सेना के सूत्रों के मुताबिक 6 राष्ट्रीय राइफल्स के जवान केरन बाला इलाके में हाईटेक सीसीटीवी कैमरे लगा रहे थे। इसी दौरान फायरिंग की गई। सीजफायर उल्लंघन पर भारतीय सेना ने भी जवाब दिया।

फायरिंग के बाद सेना ने इलाके की घेराबंदी की और सर्च ऑपरेशन शुरू किया। सूत्रों का कहना है कि पाकिस्तान की ओर से की गई फायरिंग घुसपैठियों की मदद के लिए की गई होगी। वहीं, जम्मू-कश्मीर के कठुआ में मंगलवार रात भारत-पाकिस्तान बॉर्डर के पास पाकिस्तानी ड्रोन नजर आया था। भारतीय सेना ने भी जवाबी कार्रवाई करते हुए अपने एंटी ड्रोन सिस्टम एक्टिवेट किए थे। इसके अलावा रामगढ़ सेक्टर में भी ड्रोन देखा गया था। सेना की जवाबी कार्रवाई के बाद ड्रोन पाकिस्तान की ओर लौट गया। 11 जनवरी को जम्मू-कश्मीर के सांबा, राजौरी और पुंछ में 5 ड्रोन देखे गए थे।

गणतंत्र दिवस से पहले दिल्ली समेत प्रमुख शहर हाई अलर्ट पर

■ संवेदनशील इलाकों में निगरानी हुई तेज

नई दिल्ली। गणतंत्र दिवस से पहले देश की खुफिया एजेंसियों ने खालिस्तानी आतंकी संगठनों और बांग्लादेश स्थित आतंकवादी समूहों से संभावित खतरों के मद्देनजर 'हाई अलर्ट' जारी किया है।

अलर्ट के मुताबिक दिल्ली और देश में कई अन्य प्रमुख शहर संभावित निशाने पर हो सकते हैं। इस इनपुट के बाद सुरक्षा एजेंसियों को हाई अलर्ट पर रखा गया है और संवेदनशील इलाकों में निगरानी तेज कर दी गई है। खुफिया सूत्रों से पता चला है कि पंजाब के कुछ गैंगस्टर कथित तौर पर खालिस्तानी और अन्य कट्टरपंथी विदेशी आकाओं के लिए 'फुट सोल्जर' के रूप में काम कर रहे हैं। आरोप है कि विदेश में बैठे ये आका देश की आंतरिक सुरक्षा को बिगाड़ने और अपने मंसूबों को अंजाम देने के लिए इन आपराधिक नेटवर्कों का इस्तेमाल कर रहे हैं। सूत्रों के अनुसार ये गैंगस्टर हरियाणा, दिल्ली-एनसीआर, उत्तर प्रदेश और राजस्थान में सक्रिय हैं तथा खालिस्तानी आतंकवादी तत्वों के साथ उनके संबंध धीरे-धीरे मजबूत हो रहे हैं, जिससे सुरक्षा एजेंसियों की चिता बढ़ गई है।

संक्षिप्त समाचार

उप्र राजभवन का नाम बदलकर जन भवन किया गया

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के राज्यपाल के आधिकारिक आवास 'राजभवन' का नाम परिवर्तित कर 'जन भवन' किया गया है। बुधवार को यहां जारी एक आधिकारिक विज्ञप्ति के अनुसार 'गृह मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली द्वारा राज्यपाल के आधिकारिक आवासों के नामकरण के मानकीकरण के संबंध में निर्गत निर्देशों के अनुपालन में उत्तर प्रदेश के राज्यपाल के आधिकारिक आवास का नाम परिवर्तन किया गया है। विज्ञप्ति के अनुसार पूर्व में 'राज भवन' के नाम से ज्ञात राज्यपाल के आधिकारिक आवास को अब 'जन भवन' नाम दिया गया है।

ईरान में फंसे भारतीय छात्रों का दूसरा बैच भारत लौटा

श्रीनगर। ईरान में फंसे भारतीय छात्रों का दूसरा बैच मंगलवार रात को सुरक्षित भारत लौट आया है। जम्मू-कश्मीर स्टूडेंट्स एसोसिएशन (जेकेएसए) के मुताबिक, मौजूदा हालात के बीच यह वापसी छात्रों और उनके परिवारों के लिए बड़ी राहत लेकर आई है। जेकेएसए ने बताया कि छात्र दुबई और शारजाह के रास्ते एयर इंडिया की फ्लाइट एआई-996 और एआई-930 से दिल्ली के इंदिरा गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट पहुंचे। सभी छात्र अपने खर्च पर भारत लौटे हैं। अब तक 200 से अधिक भारतीय छात्र ईरान से भारत लौट चुके हैं, जिनमें बड़ी संख्या जम्मू-कश्मीर के छात्रों की है।

तीन फरवरी से आम लोगों के लिए खुल जाएगा अमृत उद्यान

नई दिल्ली। राष्ट्रपति भवन का अमृत उद्यान आगामी तीन फरवरी से 31 मार्च तक आम लोगों के लिए खुला रहेगा। राष्ट्रपति सचिवालय ने बुधवार को बताया कि आगंतुक सप्ताह में छह दिन सुबह 10 बजे से शाम 6 बजे तक (अंतिम प्रवेश 5.15 बजे) उद्यान में घूमने आ सकते हैं। उद्यान सोमवार को रखरखाव के लिए और 4 मार्च को होली के कारण बंद रहेगा। अमृत उद्यान के लिए पंजीकरण और प्रवेश नि:शुल्क है। बुकिंग अपेपज-तींजतंचंजपईंअंद-हव अ-पद/ पर की जा सकती है। आगंतुक प्रवेश द्वार के बाहर बने स्वयं सेवा कियोस्क से सीधे टिकट भी ले सकते हैं।

अवैध खनन से ऐसा नुकसान जिसकी भरपाई असंभव: सुप्रीम कोर्ट

अरावली पर्वतमाला मामले में शीर्ष अदालत ने की अहम टिप्पणी

शाह टाइम्स ब्यूरो

■ अपना पुराना आदेश बरकरार रखा
■ अरावली क्षेत्र में खनन आदि की व्यापक जांच के लिए एक विशेषज्ञ समिति गठित करने का फैसला
■ कहा: अरावली जैसे संवेदनशील क्षेत्र में अवैध खनन केवल पर्यावरण ही नहीं, बल्कि भविष्य की पीढ़ियों के लिए भी गंभीर खतरा है

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने अरावली पर्वतमाला में अवैध खनन को लेकर गंभीर चिंता जताते हुए कहा है कि इससे पर्यावरण को अपूरणीय क्षति पहुंच सकती है। इस मुद्दे पर सख्त रुख अपनाते हुए अदालत ने अरावली क्षेत्र में खनन और उससे जुड़े सभी पहलुओं की व्यापक जांच के लिए एक विशेषज्ञ समिति गठित करने का फैसला किया है।

मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची तथा न्यायमूर्ति विपुल एम. पंचोली की पीठ ने कहा कि अरावली जैसे संवेदनशील क्षेत्र में अवैध खनन केवल पर्यावरण ही नहीं, बल्कि भविष्य की पीढ़ियों के लिए भी गंभीर खतरा है। अदालत ने अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल ऐश्वर्या भाटी और एमिकस क्यूरी के. परमेश्वर को निर्देश दिए हैं कि वे चार सप्ताह के भीतर खनन से संबंधित मामलों में विशेषज्ञता रखने वाले पर्यावरणविदों और वैज्ञानिकों के नाम सुझाएं, ताकि एक उच्चस्तरीय विशेषज्ञ समिति का गठन किया जा सके। यह समिति सुप्रीम कोर्ट की निगरानी और मार्गदर्शन में कार्य करेगी। सुनवाई के दौरान कोर्ट को बताया गया कि अरावली क्षेत्र के विभिन्न हिस्सों में अवैध खनन की गतिविधियां सामने आ रही हैं। इस पर राजस्थान सरकार की ओर से पेश अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल केएम नटराज ने अदालत को आश्वस्त किया कि राज्य में किसी भी तरह का अवैध खनन नहीं होने दिया जाएगा। इस बीच सुप्रीम कोर्ट ने अरावली पहाड़ियों और श्रेणियों की एक समान परिभाषा को लेकर 20 नवम्बर को दिए गए अपने आदेश को फिलहाल स्थगित रखने का निर्णय भी बरकरार रखा है। अदालत ने इससे पहले कहा था कि नई परिभाषा में कुछ गंभीर अस्पष्टताएं हैं, जिनका समाधान किया जाना आवश्यक है। उल्लेखनीय है कि सुप्रीम कोर्ट ने 20 नवम्बर को दिल्ली, हरियाणा, राजस्थान और गुजरात में फैली अरावली पर्वतमाला में नई खनन लीज जारी करने पर रोक लगा दी थी। यह रोक विशेषज्ञों की रिपोर्ट आने तक लागू की गई थी। यह निर्णय पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय की समिति की सिफारिशों के आधार पर लिया गया था, जिसका उद्देश्य दुनिया की सबसे प्राचीन पर्वतमालाओं में से एक अरावली का संरक्षण करना है। अब सुप्रीम कोर्ट द्वारा गठित की जाने वाली विशेषज्ञ समिति की रिपोर्ट के आधार पर ही अरावली क्षेत्र में खनन और संरक्षण से जुड़े आगे के निर्णय लिए जाएंगे।

सनातन पर उदयनिधि का बयान हेट स्पीच: मद्रास हाईकोर्ट

चेन्नई, वार्ता

■ कहा: तमिलनाडु के डिप्टी सीएम का यह बयान नरसंहार या संस्कृतिक नरसंहार का संकेत देता है

मद्रास हाईकोर्ट ने बुधवार को कहा कि तमिलनाडु के डिप्टी सीएम उदयनिधि स्टालिन की सनातन के खिलाफ की गई बातें हेट स्पीच के दायरे में आती हैं। कोर्ट ने यह टिप्पणी स्टालिन के तीन साल पुराने बयान को लेकर की। साल 2023 में उदयनिधि ने सनातन धर्म की तुलना डेंगू और मलेरिया से करते हुए कहा था कि इसे मिटा देना चाहिए। इस बयान का काफी विरोध हुआ।

भाजपा आईटी विभाग के हेड अमित मालवीय ने स्टालिन के भाषण का वीडियो सोशल मीडिया पर डाला। उन्होंने सवाल उठाया कि क्या यह बयान देश के 80 फीसदी सनातन धर्म मानने वालों के खिलाफ है। हालांकि स्टालिन की डीएमके पार्टी के एक नेता ने उल्टा मालवीय के खिलाफ केस कर दिया। आरोप लगाया कि मालवीय ने स्टालिन के बयान को तोड़-मरोड़ के पेश किया। मालवीय ने एफआईआर के खिलाफ कोर्ट में याचिका लगाई। तीन साल बाद मद्रास हाईकोर्ट की मदुरै बेंच ने अब एफआईआर को रद्द कर दिया है। जस्टिस एस. श्रीमथी ने कहा कि मालवीय ने स्टालिन के बयान पर केवल प्रतिक्रिया दी थी। ऐसी प्रतिक्रिया पर केस चलाना कानूनी प्रक्रिया का दुरुपयोग होगा। हाईकोर्ट ने कहा कि दुख की बात यह है कि हेट स्पीच देने वाले पर कोई केस नहीं, जबकि उस पर प्रतिक्रिया देने वाले पर एफआईआर दर्ज कर दी गई। आज की स्थिति में हेट स्पीच शुरू करने वाले बच जाते हैं और सवाल उठाने वालों को कानून का सामना करना पड़ता है। सनातन को खत्म करने जैसे शब्दों का अर्थ सिर्फ विरोध नहीं, बल्कि उसे मानने वालों के अस्तित्व पर सवाल उठाने जैसा है, जो हेट स्पीच की श्रेणी में आता है। स्टालिन का यह बयान नरसंहार या संस्कृतिक नरसंहार का संकेत देता है।

वायुसेना का ट्रेनी विमान तालाब में गिरा, दोनों पायलट सुरक्षित

■ दोनों पायलटों ने पैराशूट खोलकर विमान से छलांग लगाई

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में बुधवार को भारतीय वायुसेना का एक ट्रेनी विमान तकनीकी खराबी के चलते दुर्घटनाग्रस्त होकर अचानक एक तालाब में गिर गया।

विमान में सवार दोनों पायलटों ने समय रहते पैराशूट खोलकर विमान से छलांग लगा दी। जिससे उनकी जान बच गई। तेज धमाके की आवाज सुनकर आसपास के लोग तुरंत मौके पर पहुंचे और तालाब में उतरकर दोनों पायलटों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों पायलटों को इलाज के लिए नजदीकी अस्पताल भेजा गया।

सोना-चांदी में रिकॉर्ड तोड़ उछाल जारी

■ सोना 1.57 लाख के पार, चांदी भी 3.34 लाख की नई ऊंचाई पर

नई दिल्ली। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोना बुधवार को पहली बार 1.57 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया।

एक्सचेंज से मिली जानकारी के अनुसार, शाम 4.30 बजे सोना वायदा पिछले दिवस की तुलना में 7,132 रुपये (4.75 प्रतिशत) की तेजी के साथ 1,57,697 रुपये प्रति दस ग्राम बोला गया। यह सोने का अब तक का उच्चतम स्तर है। चांदी ने भी 10,228 रुपये (3.16 प्रतिशत) की तेजी के साथ पहली बार 3,33,900 रुपये प्रति किलोग्राम पर पहुंचकर नया रिकॉर्ड बनाया। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की ग्रीनलैंड मुद्दे पर की गई कार्रवाई और दिए गए बयानों से विदेशों में भी निवेशकों ने सुरक्षित धातु की शरण ली जिससे सोने में तेजी देखी गई। अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर सोना वायदा 2.12 प्रतिशत उछलकर 4,867 डॉलर प्रति औंस बोला गया। यह पहली बार 4,800 डॉलर पर पहुंचा है। यह लगातार तीसरी तेजी है। चांदी में विदेशों में 0.42 प्रतिशत का उछाल आया और यह 0.394 डॉलर चढ़कर 95.03 डॉलर प्रति औंस पर पहुंच गई।

अनुज चौधरी पर FIR का आदेश देने वाले सम्भल जज का ट्रांसफर

शाह टाइम्स ब्यूरो

■ उप्र में 14 और जजों के ट्रांसफर किए गए, कुछ जजों की जगह अदला- बदली भी की गई

लखनऊ/ सम्भल। उत्तर प्रदेश का सम्भल पिछले कई महीनों से लगातार चर्चा में बना हुआ है। चर्चा में होने की कई वजहें रही हैं। पहले यहां हुई हिंसा और बाद में हुई कार्रवाई भी चर्चा की वजह बनी रही है। अब यहां मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट (सीजेएम) विभांशु सुधीर का ट्रांसफर हो गया है। यही वजह है कि एक बार फिर सम्भल फिर चर्चा में आ गया है।

खास बात यह है कि विभांशु सुधीर वही जज हैं, जिन्होंने 9 जनवरी को एएसपी अनुज चौधरी समेत 20 पुलिसकर्मियों पर एफआईआर दर्ज करने का आदेश दिया था। अब सम्भल का नया सीजेएम आदित्य सिंह को बनाया गया है। इलाहाबाद हाईकोर्ट की तरफ से एक लिस्ट जारी की गई थी। इस लिस्ट में 14 जजों के ट्रांसफर किए गए हैं। कुछ जजों की जगह अदला-बदली भी की गई है। सबसे चौंकाने वाला नाम इस लिस्ट में सम्भल के सीजेएम का था। ऐसा इसलिए क्योंकि वह 9 जनवरी के बाद से ही चर्चा में बने हुए थे। सीजेएम विभांशु सुधीर ने 9 जनवरी को मामले की सुनवाई के दौरान आदेश दिया था कि एएसपी अनुज चौधरी समेत अन्य 20 अन्य पुलिसकर्मियों पर केस दर्ज किया जाए।

सम्भल में वकीलों का प्रदर्शन

सम्भल में सीजेएम विभांशु सुधीर के ट्रासफर के बाद वकीलों का गुस्सा फूट पड़ा है। बुधवार को दर्जनों वकीलों ने कोर्ट के बाहर जमकर नारेबाजी करते हुए प्रदर्शन किया। इस दौरान वकीलों ने सीजेएम साहब को वापस लाओ के नारे लगाए।

मॉडर्न वॉर में एयर पावर निर्णायक: वायुसेना चीफ

शाह टाइम्स ब्यूरो

■ कहा: मजबूत सैन्य ताकत बनने को इस पर फोकस जरूरी
■ ऑपरेशन सिंदूर में पाक घुटनों पर आया

नई दिल्ली। भारतीय वायुसेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल एपी सिंह ने आधुनिक युद्ध में वायुसेना की बढ़ती भूमिका पर जोर दिया है। उन्होंने कहा कि आतंकवाद के खिलाफ कार्रवाई हो या संघर्ष क्षेत्रों में ऑपरेशन, एयरफोर्स ने तेज और निर्णायक नतीजे दिए हैं।

नई दिल्ली में आयोजित 22वें सुब्रतो मुखर्जी सेमिनार को संबोधित करते हुए उन्होंने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पाकिस्तान में कई ठिकानों पर कुछ ही घंटों में हमले की क्षमता का जिक्र किया। चीफ मार्शल ने आगे कहा कि यदि हमें एक प्रभावशाली शक्ति बनना है तो इस हिस्से पर ध्यान केंद्रित करना बेहद जरूरी है। चाहे वह संघर्ष क्षेत्र से लोगों को सुरक्षित निकालने की बात हो, आतंकवादी ढांचे और उनके अपराधियों पर प्रहार करना हो। या फिर कुछ ही घंटों में पाकिस्तान के ठिकानों पर हमला कर यह संदेश देना हो कि अब बहुत हो चुका है और उन्हें घुटनों पर लाया जा सके। हर जगह वायु शक्ति ने ही निर्णायक भूमिका निभाई है। ऑपरेशन सिंदूर सैन्य सटीकता और रणनीतिक संघर्ष समाधान का एक महत्वपूर्ण उदाहरण रहा। यह अभियान 7 मई 2025 को शुरू किया गया था। ऑपेशन का मकसद 22 अप्रैल 2025 को कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद पाकिस्तान के कब्जे वाले क्षेत्रों में मौजूद आतंकवादी ढांचे को नष्ट करना था। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारतीय वायुसेना ने पाकिस्तान के 12 से 13 लड़ाकू विमान मार गिराए थे। इनमें जमीन पर मौजूद चार से पांच एफ-16 और हवा में पांच एफ-16 एवं जेएफ-17 शामिल थे। इसके अलावा दो जासूसी विमान भी तबाह किए गए। इससे पहले वायुसेना दिवस के अवसर पर प्रेस कॉन्फ्रेंस में एयर चीफ ने बताया था कि एस-400 ट्रायम्फ 'सुदर्शन चक्र' लंबी दूरी की सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइल प्रणाली का इस्तेमाल कर पाकिस्तान के पांच लड़ाकू विमान गिराए गए थे।

संक्षिप्त समाचार

महंत नृत्य गोपाल दास की तबियत बिगड़ी मेदांता में भर्ती

लखनऊ। श्रीरामजन्मभूमि ट्रस्ट के अध्यक्ष एवं मणिराम छावनी के महंत नृत्य गोपाल दास की तबीयत अचानक फिर बिगड़ने पर बुधवार को इलाज के लिए उन्हें लखनऊ के मेदांता अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां पर विशेषज्ञों की देख रेख में उनका उपचार चल रहा है। बताया जा रहा है कि महंत ने पिछले 36 घंटे से कुछ भी नहीं खाया है। उल्टी दस्त की समस्या के बाद महंत नृत्य गोपाल दास को लगातार कमजोरी महसूस होने पर चिकित्सक की निगरानी में रखा गया, लेकिन वह कुछ भी अन्न ग्रहण नहीं कर पा रहे हैं। अस्पताल के निदेशक डा. राकेश कपूर ने उनके भर्ती होने की पुष्टि करते हुए कहा कि अभी आधे घण्टे पूर्व आए हैं। इमरजेंसी में महंत नृत्य गोपाल दास की जांच चल रही है। जांच के आधार पर इलाज की दिशा तय की जाएगी।

पर्यावरण मंत्रालय में 'वंदे मातरम' का सामूहिक गायन

नई दिल्ली। पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय ने राष्ट्रीय गीत के 150 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में बुधवार को यहां वंदे मातरम के सामूहिक गायन का आयोजन किया। मंत्रालय में सचिव तन्मय कुमार के नेतृत्व में इस कार्यक्रम में वरिष्ठ अधिकारी और कर्मचारी राष्ट्र गीत की भावपूर्ण प्रस्तुति में शामिल हुए और यहां इंदिरा पर्यावरण भवन में मंत्रालय के परिसर में राष्ट्रीय गीत के सामूहिक गायन की ध्वनि गूंजी। सामूहिक गायन का आयोजन देश के विभिन्न हिस्सों में मंत्रालय के क्षेत्रीय कार्यालयों में किया जा रहा है। यह कार्यक्रम सोमवार 19 जनवरी से रविवार 26 जनवरी तक राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम के 150 वर्ष के स्मरणोत्सव के चरण-2 के हिस्से के रूप में मनाया जा रहा है।

न्याय, समता और बंधुता भारतीय संविधान की आत्मा

विधायिका समाज को दिशा देती है : योगी

शाह टाइम्स ब्यूरो

- मुख्यमंत्री ने कहा: न्याय कैसे प्राप्त किया जाए, इसका मार्ग विधायिका तय करती है
- भव्य जनोत्सव के रूप में मनाया जाएगा इस वर्ष उत्तर प्रदेश दिवस-2026: सीएम

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को कहा कि न्याय, समता और बंधुता भारतीय संविधान की आत्मा हैं और इन्हीं मूल्यों के आधार पर देश की विधायिका समाज को दिशा देने का कार्य करती है। मुख्यमंत्री ने यह बात लखनऊ में आयोजित अखिल भारतीय पीठासीन अधिकारी सम्मेलन के समापन सत्र को संबोधित करते हुए कही।

योगी आदित्यनाथ ने कहा कि उत्तर प्रदेश की राजधानी इस महत्वपूर्ण राष्ट्रीय आयोजन की साक्षी बनी है। उन्होंने कहा कि जो लोग इस सम्मेलन से सीधे जुड़े हैं, वे अपने अनुभवों के माध्यम से इसकी गंभीरता और उपयोगिता को महसूस कर रहे हैं, जबकि अन्य लोग मीडिया के जरिए इसकी जानकारी प्राप्त कर रहे हैं। मुख्यमंत्री ने सम्मेलन में शामिल सभी पीठासीन अधिकारियों, जनप्रतिनिधियों और अतिथियों का स्वागत किया। उन्होंने कहा कि यह मंच केवल संवाद का अवसर नहीं है, बल्कि यह तय करने का भी माध्यम है कि लो. कतांत्रिक संस्थाओं का उपयोग कैसे किया जाए और वे किस दिशा में आगे बढ़ें।

मुख्यमंत्री ने कहा कि न्याय कैसे प्राप्त किया जाए, इसका मार्ग विधायिका तय करती है, क्योंकि वही ऐसे कानूनों का निर्माण करती है, जो समाज के प्रत्येक वर्ग को न्याय दिलाने में सहायक होते हैं। उन्होंने कहा कि विधायिका समतामूलक समाज की स्थापना का माध्यम है। उन्होंने कहा कि बंधुता का अर्थ यह है कि सहमति और असहमति के बावजूद हम सब एक साथ आगे बढ़ते हैं और लोकतांत्रिक मर्यादाओं का सम्मान करते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि सशक्त विधायिका ही सशक्त लोकतंत्र की आधारशिला है और ऐसे आयोजनों से देश में बेहतर संसदीय परंपराओं को मजबूती मिलती है। दूसरी ओर उत्तर प्रदेश दिवस-2026 को इस वर्ष व्यापक जनभागीदारी के साथ भव्य जनोत्सव के रूप में मनाया जाएगा। 24 से 26 जनवरी तक आयोजित होने वाले इस तीन दिवसीय आयोजन में प्रदेश की संस्कृति, शिल्प, व्यंजन और विकास यात्रा को एक साथ प्रस्तुत किया जाएगा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को उत्तर प्रदेश दिवस की तैयारियों की समीक्षा करते हुए यह निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश दिवस केवल औपचारिक आयोजन नहीं, बल्कि प्रदेश की पहचान, उपलब्धियों और संभावनाओं को जनसहयोग के साथ सामने लाने का अवसर है। इस वर्ष केन्द्रीय गृह एवं सहका. रिता मंत्री अमित शाह उत्तर प्रदेश दिवस-2026 के मुख्य अतिथि होंगे, जिससे आयोजन को राष्ट्रीय स्तर पर विशेष पहचान मिलेगी।

मुख्यमंत्री योगी ने मेघालय, मणिपुर और त्रिपुरा के स्थापना दिवस पर दी शुभकामनाएं

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मेघालय, मणिपुर और त्रिपुरा के स्थापना दिवस के अवसर पर इन राज्यों के नागरिकों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। मुख्यमंत्री ने इन पूर्वोत्तर राज्यों की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, परंपराओं और विकास की निरंतर प्रगति की कामना की। योगी आदित्यनाथ ने मेघालय राज्य के स्थापना दिवस पर शुभकामनाएं देते हुए कहा कि पुरातन परंपराओं के अनुपम प्रतीक मेघालय की पहचान उसकी प्रकृति, संस्कृति, संस्कार और लोक आस्था से है। उन्होंने ईश्वर से प्रार्थना की कि यह राज्य उन्नति और प्रगति के नए-नए आयाम गढ़ते हुए विकास की नवीन ऊंचाइयों को स्पर्श करता रहे।

खड़गे-राहुल मनरेगा श्रमिकों से करेंगे सीधा संवाद

नई दिल्ली, वार्ता

- कार्यक्रम में देश के 25 राज्यों से 400 से अधिक मनरेगा श्रमिक तथा कार्यकर्ता हिस्सा लेंगे

कांग्रेस ने गुरुवार को यहां महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार योजना-मनरेगा पर एक राष्ट्रीय संवाद का आयोजन किया है, जिसमें देश के करीब 25 राज्यों से 400 से अधिक मनरेगा श्रमिक तथा कार्यकर्ता हिस्सा लेंगे और मनरेगा को खत्म करने से हो रहे नुकसान पर व्यापक चर्चा करेंगे।

कांग्रेस रचनात्मक विभाग के प्रमुख संदीप दीक्षित ने बुधवार को यहां पार्टी मुख्यालय में संवाददाता सम्मेलन में कहा कि मनरेगा लोगों को अधिकार के रूप में मिला है, लेकिन भाजपा सरकार ने इस अधिकार को छीना है और कांग्रेस इसका विरोध कर रही है और इसकी बहाली के लिए देशव्यापी आंदोलन चला रही है। उन्होंने कहा कि जिन लोगों ने मनरेगा में काम किया है उनके विचार से रू ब रू होने के मद्देनजर गुरुवार को यहां जवाहर भवन में संवाद कार्यक्रम रखा गया है, जिसमें मनरेगा से जुड़े देशभर से आए लोग चर्चा करेंगे और आगे के लिए रणनीति बनाएंगे। इस कार्यक्रम में करीब 25 राज्यों से मनरेगा के रूप में काम करने वाले श्रमिकों के साथ ही मनरेगा के लिए काम करने वाले लोग भी शामिल होंगे और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे तथा लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी मनरेगा श्रमिकों के साथ सीधा संवाद करेंगे। उन्होंने कहा कि मनरेगा को बदलकर भाजपा जिस नए एक्ट (वीबी-जी राम जी) को लाई है, उसका कांग्रेस लगातार विरोध कर रही है। कई राज्यों और जिलों में 'मनरेगा बचाओ अभियान' चलाया जा रहा है। आखिर सरकार ने श्रमिकों के अधिकारों पर हमला किया है। पंचायत के लोग इस कार्यक्रम में बताएंगे कि किस तरह से मनरेगा ने उनकी मदद की है और उनके गांवों में विकास कार्य हुआ है इन सब मुद्दों पर इसमें चर्चा की जाएगी। कांग्रेस नेता ने कहा कि मनरेगा योजना कोविड के समय में करोड़ों लोगो के लिए एक संजीवनी बनी थी। मनरेगा ने लोगों के मन में अपनी जगह बना ली थी। ऐसे में हमने तमाम ऐसी संस्थाओं से संवाद किया, जो किसानों और मजदूरों के अधिकारों के लिए काम करते रहे हैं। संवाद और चर्चाओं में एक ही बात निकल कर आई है कि लोगों के अधिकार छीने जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि इस कार्यक्रम में मनरेगा पर संवाद होगा और जो कार्यकर्ता हैं वे अपने विचार रखेंगे। ये वो लोग हैं, जिन्होंने

खड़गे ने केरल कांग्रेस के नेताओं की दिल्ली में बुलाई बैठक

नई दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने केरल विधानसभा चुनाव को देखते हुए प्रदेश कांग्रेस के नेताओं की दिल्ली में बैठक बुलाई है। पार्टी सूत्रों ने बताया कि यह बैठक पार्टी मुख्यालय इंदिरा भवन में 23 जनवरी को होगी। आगामी विधानसभा चुनाव की तैयारियों में जुटा कांग्रेस नेतृत्व एक के बाद एक चुनावी राज्यों के नेताओं के साथ दिल्ली में बैठक कर रहा है। इस वर्ष विधानसभा चुनाव वाले राज्य पश्चिम बंगाल, असम, तमिलनाडु, केरल और पुड्डुचेरी के नेताओं के साथ बैठक का दौर जारी है।कांग्रेस नेतृत्व ने 23 जनवरी को केरल कांग्रेस के अध्यक्ष, प्रभारी और राज्य के वरिष्ठ नेताओं को दिल्ली बुलाया है।

क्षमा याचना से मन हल्का होता है: अखिलेश यादव

शाह टाइम्स ब्यूरो

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री एवं सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने बीते दिनों प्रयागराज में शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद के साथ घटित घटना को लेकर भाजपा सरकार को नसीहत दी है।

अखिलेश ने कहा कि किसी अन्य की गलती के लिए भी यदि कोई व्यक्ति अप्रत्यक्ष रूप से जुड़ा हो, तो भी क्षमा मांगने से कोई छोटा नहीं हो जाता। बल्कि क्षमा याचना से मन हल्का होता है और वातावरण में सकारात्मकता आती है। उन्होंने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर पोस्ट करते हुए कहा कि महान और विवेकशील लोग जानते हैं कि किसी धृष्टता या अनुचित व्यवहार के पीछे कई बार किसी अन्य व्यक्ति का व्यक्तिगत कारण अथवा स्वार्थ छिपा होता है। ऐसे में बड़े मन से क्षमा स्वीकार करना और स्नेह-आशीर्वाद देना ही महानता का प्रतीक है। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी संस्कृति ने सदियों से क्षमा के महत्व को सर्वोच्च स्थान दिया है और इसी भावना को दर्शाते हुए कहा गया है- 'क्षमा वीरस्य भूषणम।' उन्होंने कहा कि समाज में शांति, सद्भाव और सम्मान बनाए रखना सबसे बड़ी जिम्मेदारी है।

लखनऊ बना उप्र का पहला 'शत प्रतिशत कचरा संशोधित' शहर

शाह टाइम्स ब्यूरो

नई दिल्ली/लखनऊ। शहरी स्वच्छता और पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ ने ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की है और वह राज्य का पहला 'शत प्रतिशत कचरा संशोधित' (जीरो फ्रेश वेस्ट डंप) शहर बन गया है।

लखनऊ ने यह उपलब्धि 'स्वच्छ भारत मिशन- शहरी' के अंतर्गत लखनऊ नगर निगम (एलएमसी) द्वारा शहर के 100 प्रतिशत ठोस अपशिष्ट (कचरा) के वैज्ञानिक प्रसंस्करण के साथ हासिल की है। इस उपलब्धि की नींव शिवारि ठोस कचरा प्रबंधन संयंत्र (सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट प्लांट) के शुभारंभ के साथ रखी गई, जिसकी प्रसंस्करण क्षमता 700 मीट्रिक टन प्रतिदिन है। इस प्लांट के शुरू होने के बाद लखनऊ नगर निगम के पास अब कुल तीन आधुनिक कचरा प्रसंस्करण संयंत्र हो गए हैं, जिनकी संयुक्त क्षमता 2,100 मीट्रिक टन प्रतिदिन है। इससे शहर में उत्पन्न होने वाले संपूर्ण दैनिक कचरे का वैज्ञानिक तरीके से निपटान संभव हो गया है और खुले में कचरा डंप करने की आवश्यकता समाप्त हो गई है। लखनऊ करीब 40 लाख की आबादी और 7.5 लाख से अधिक प्रतिष्ठानों वाला एक तेजी से बढ़ता शहरी केंद्र है। बढ़ती आबादी के साथ कचरा प्रबंधन एक बड़ी चुनौती रहा है, जिसे नगर निगम ने वैज्ञानिक अपशिष्ट निपटान, संसाधन पुनर्प्राप्ति और सतत शहरी विकास की बहु-आयामी रणनीति के माध्यम से प्रभावी ढंग से प्रबंधन किया है। नगर निगम और भूमि ग्रीन एनर्जी के सहयोग से स्थापित तीनों संयंत्रों में प्रतिदिन उत्पन्न लगभग 2,000 मीट्रिक टन कचरे का प्रसंस्करण किया जा रहा है। कचरे का 55 प्रतिशत जैविक और 45 प्रतिशत अजैविक वर्गों में बांटा जाता है। जैविक कचरे से कंपोस्ट और बायोगैस का उत्पादन होता है, जबकि अजैविक कचरे को पुनर्चक्रित अथवा रिफ्यूज डिराइव्ड फ्यूल (आरडीएफ) में बदलकर सीमेंट और कागज उद्योगों में उपयोग किया जा रहा है।

सेंसेक्स 84695.54
निफ्टी 25942.10

सोना रु. 138161
प्रति 10 ग्राम (24 कैरेट)

अर्थ व्यापार

चांदी रु. 243883
प्रति किलो

शेयर बाजार लगातार तीसरे दिन टूटा सेंसेक्स में 1282 अंक का उतार-चढ़ाव

मुंबई, वार्ता

ग्रीनलैंड को लेकर जारी वैश्विक अनिश्चितता के बीच घरेलू शेयर बाजारों में बुधवार को लगातार तीसरे दिन गिरावट रही और बीएसई के 30 शेयरों वाले संवेदी सूचकांक सेंसेक्स में 1,282 अंक का उतार-चढ़ाव देखा गया। घरेलू स्तर पर रुपये पर जारी दबाव का असर भी देखा जा रहा है।

रुपया फिलहाल मंगलवार के मुक. ाबले 74 पैसे नीचे 91.71 रुपये प्रति डॉलर पर है। भारतीय मुद्रा पहली बार इस स्तर तक टूटी है। सेंसेक्स सुबह 386 अंक नीचे खुला। यह दोपहर से पहले 81,124. 45 अंक तक उतरने के बाद दोपहर बाद 82,407.05 अंक तक चढ़ा। इस प्रकार सूचकांक ने एक ही दिन में 1,282 अंक का उतार-चढ़ाव देखा। अंत में पिछले कारोबारी दिवस की तुलना में 270.84 अंक (0.33 प्रतिशत) नीचे 81,909.63 अंक पर बंद हुआ, जो 08 अक्टूबर 2025 के बाद का निचला स्तर है। इससे पहले, मंगलवार को सेंसेक्स 1,066 अंक गिरा था। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी-50 सूचकांक एक समय 312 अंक तक टूटने के बाद अंत में 75 अंक यानी 0.30 प्रतिशत नीचे 25,157.50 अंक पर बंद हुआ। यह सूचकांक का 14 अक्टूबर 2025 के बाद का निचला स्तर है। मझौली और छोटी कंपनियों में ज्यादा गिरावट रही। निफ्टी मिडकैप-50 सूचक. ांक 1.10 अंक और स्मॉलकैप-100 सूचकांक 0.90 अंक लुढ़क गया। धातु (0.57 प्रतिशत) और तेल एवं गैस (0. 27 प्रतिशत) समूहों के सूचकांकों में तेजी रही, जबकि अन्य सभी सेक्टरों के सूचकांक लुढ़क गए। सेंसेक्स की कंपनियों में आईसी आईसीआई बैंक का शेयर दो प्रतिशत के करीब टूटा। ट्रेंट, बीईएल, एचडीएफसी बैंक और एलएंडटी में एक से दो प्रतिशत की गिरावट रही। भारतीय स्टेट बैंक, मारुति सुजुकी, एक्सिस बैंक, कोटक महिंद्रा बैंक, आईटीसी, एशियन पेंट्स, एचसीएल टेक्नोलॉजीज और हिंदुस्तान यूनीलिवर के शेयर भी लाल निशान में रहे। इटरनल का शेयर पांच प्रतिशत चढ़ा। अल्ट्राटेक सीमेंट और इंडिगो में भी एक से दो प्रतिशत की तेजी रही। रिलायंस इंडस्ट्रीज, अडानी पोर्ट्स, पावरग्रिड, टाटा स्टील, टीसीएस, बजाज फिनसर्व और टेक महिंद्रा के शेयरों में भी तेजी रही।

आने वाले समय में होगा अधिक विद्युत क्षेत्र का विस्तार: मनोहर लाल

नई दिल्ली। केंद्रीय विद्युत मंत्री मनोहर लाल ने कहा कि बढ़ती अर्थव्यवस्था को आज की कल्पना से कहीं अधिक एक समृद्ध विद्युत क्षेत्र की आवश्यकता है आने वाले समय में विद्युत क्षेत्र का अधिक विस्तार होने वाला है। खट्टर से बुधवार को यहां विद्युत वितरण उद्योग सम्मेलन (ईडीकॉन) 2026 के उद्घाटन के बाद कहा कि बढ़ती अर्थव्यवस्था को आज की कल्पना से कहीं अधिक एक समृद्ध विद्युत क्षेत्र की आवश्यकता है। ऐसे में, हमारे डीएससीओ का मजबूत, समृद्ध और आर्थिक रूप से सशक्त होना अत्यंत महत्वपूर्ण है। मजबूत डीएससीओ का अर्थ बेहतर सेवाएं और उपभोक्ताओं की जरूरतों के प्रति अधिक संवेदनशीलता है। उन्होंने राज्य विद्युत नियामक आयोगों से लागत के अनुरूप टैरिफ की दिशा में आगे बढ़ने का आग्रह किया। उन्होंने साथ ही विद्युत अधिनियम के प्रावधानों के अनुसार जरूरतमंद उपभोक्ताओं के लिए लक्षित सब्सिडी सुनिश्चित करने का भी आग्रह किया। खट्टर ने इस दौरान छह अलग-अलग श्रेणियों में 12 वितरण कंपनियों को स्वर्ण और रजत पुरस्कार प्रदान किए।

चावल, गेहूं, खाद्य तेलों में तेजी दालों में रही घट-बढ़

नई दिल्ली, वार्ता

घरेलू थोक जिंस बाजारों में बुधवार को चावल के औसत भाव बढ़ गए। गेहूं और खाद्य तेलों में भी तेजी रही, जबकि चीनी की कीमत स्थिर बनी रही। दालों में उतार-चढ़ाव का रुख रहा।

औसत दर्जे के चावल की औसत कीमत दो रुपये बढ़कर 3,856 रुपये प्रति क्विंटल पर पहुंच गई। गेहूं तीन रुपये महंगा हुआ और 2,856 रुपये प्रति क्विंटल बोला गया। वहीं आटे की कीमत 10 रुपये घटी। दाल-दलहनों में मिश्रित रुख रहा। तुअर दाल और उड़द दाल औसतन छह रुपये प्रति क्विंटल चढ़ी। चना दाल और मूंग दाल पांच-पांच रुपये प्रति क्विंटल महंगी हुई। वहीं मसूर दाल में 17 रुपये प्रति क्विंटल की गिरावट रही। विदेशों में मलेशिया के बुरसा मलेशिया डेरिवेटिव एक्सचेंज में पाम ऑयल का अप्रैल वायदा 60 रिंगिट की मजबूती के साथ 4,154 रिंगिट प्रति टन पर पहुंच गया। अमेरिकी सोया तेल का मार्च वायदा 0.61 प्रतिशत चढ़कर 52. 87 सेंट प्रति पौंड बोला गया। स्थानीय बाजारों में सरसों तेल औसतन 63 रुपये प्रति क्विंटल महंगा हुआ। वनस्पति में 72 रुपये और सूरजमुखी तेल में 41 रुपये की तेजी रही। पाम ऑयल 37 रुपये मजबूत हुआ। सोया तेल 29 रुपये और मूंगफली तेल 28 रुपये प्रति क्विंटल महंगा हो गया। मीठे के बाजार में आज गुड़ के औसत भाव तीन रुपये प्रति क्विंटल बढ़े। चीनी कमोबेश पिछले दिवस के स्तर पर ही रही। सरकारी वेबसाइट पर जारी खाद्यान्नों के दिन के औसत थोक भाव इस प्रकार रहे: दाल-दलहन : दाल चना 7785. 27 रुपये, मसूर काली 8127.73 रुपये, मूंग दाल 10103.95 रुपये, उड़द दाल 10433.24 रुपये, तुअर दाल 10637.48 रुपये प्रति क्विंटल। अनाज: (भाव प्रति क्विंटल) गेहूं दड़ा 2859.32 रुपये और चावल 3855.86 रुपये प्रति क्विंटल। आटा (गेहूं) 3296. 16 रुपये प्रति क्विंटल। चीनी-गुड़: चीनी एस 4292.49 रुपये और गुड़ 4989.41 रुपये प्रति क्विंटल बोले गए।

अविमुक्तेश्वरानंद ने मेला प्राधिकरण को नोटिस का जवाब भेजा

प्रयागराज, वार्ता

उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ने प्रयागराज मेला प्राधिकरण के नोटिस का जवाब उच्चतम न्यायालय के अधिवक्ता ए के मिश्रा के माध्यम से भेज दिया है।

अधिवक्ता की तरफ से कल रात आठ पन्नों का प्रयागराज मेला प्राधिकरण को भेजे गए है इस विस्तृत जवाब में मेला प्राधिकरण के आरोपों को सिरे से नकार दिया गया है। नोटिस के जवाब में कहा गया है कि ब्रह्मलीन शंकराचार्य स्वामी स्वरूपानंद सरस्वती जी ने जीवनकाल में ही अविमुक्तेश्वरानंद को उत्तराधिकारी नियुक्त किया था। 11 सितम्बर 2022 को ब्रह्मलीन हुए थे शंकराचार्य स्वामी स्वरूपानंद सरस्वती महाराज 12 सितम्बर 2022 को वैदिक विधिविधान के साथ स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद का विधिवत अभिषेक किया गया एवं सार्वजनिक समारोह में शंकराचार्य पद पर प्रतिष्ठापन किया गया था। उच्चतम न्यायालय के संज्ञान में लाया गया कि अभिषेक पहले ही हो चुका था, 14 अक्टूबर 2022 के आदेश में यह तथ्य दर्ज है शंकराचार्य पद पर बने रहने को लेकर किसी भी न्यायालय से कोई स्थगन आदेश नहीं है। श्रृंगेरी, द्वारका और पुरी पीठ के शंकराचार्यों का समर्थन होने का दावा किया गया है। भारत धर्म महामंडल द्वारा भी मान्यता का उल्लेख किया गया है। ब्रह्मलीन शंकराचार्य स्वामी स्वरूपानंद सरस्वती की पंजीकृत वसीयत को वैध बताया गया है। गुजरात उच्च न्यायालय ने वसीयत को चुनौती देने वाली याचिका खारिज की थी। यह जानकारी नोटिस के जवाब में दी गई है। विरोधी पक्ष के बयानों को लेकर दिल्ली उच्च न्यायालय में मानहानि वाद दायर किया गया था, लेकिन विरोधी द्वारा दायर आवेदन बाद में वापस लिया गया कुछ व्यक्तियों पर उच्चतम न्यायालय में गलत जानकारी देने का आरोप भी लगा था। फर्जी दस्तावेज पेश करने और भ्रम फैलाने का दावा किया गया है। इस नोटिस में प्रयागराज मेला प्राधिकरण के पत्र को अधिकार क्षेत्र से बाहर बताया गया है। इस प्रशासनिक हस्तक्षेप को असंवैधानिक करार दिया है मामला उच्चतम न्यायालय में विचाराधीन तीसरे पक्ष के बयान को न्यायाधीन बताया गया है। शंकराचार्य पद को लेकर भ्रम फैलने से सामाजिक और प्रतिष्ठा की क्षति का दावा किया गया है नोटिस के जवाब में यह कहा गया है कि अगर 24 घंटे में अगर मेला प्रशासन ने नोटिस वापस नहीं लेता है तो न्यायालय की अवमानना और शंकराचार्य परंपरा एवं स्वामी जी की छवि धूमिल करने के लिए विधिक कार्यवाही की जाएगी। नोटिस का जवाब प्राधिकरण उपाध्यक्ष को मेल के जरिए भी भेजा गया है।

कीटनाशकों के ई-कॉमर्स के लिए बनें कड़े कानून: संगठन

नई दिल्ली, वार्ता

कीटनाशक बनाने वाली 17 बड़ी कंपनियों के संगठन 'क्रॉपलाइफ इंडिया' ने ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर इनकी बिक्री के लिए कड़े कानून बनाने की मांग की है, ताकि घटिया या नकली उत्पादों से किसानों को संभावित नुकसान की स्थिति में जवाबदेही तय की जा सके।

क्रॉपलाइफ इंडिया के अध्यक्ष और क्रिस्टल क्रॉप प्रोटेक्शन के कार्यकारी अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक अंकुर अग्रवाल ने बुधवार को यहां ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म पर फसलों की सुरक्षा से संबंधित उत्पादों पर आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन से इतर संवाददाताओं से बात करते हुए कहा कि मौजूदा समय में कीटनाशकों का विनियमन इनसेक्टिसाइड्स एक्ट, 1968 के तहत होता है। सरकार ने साल 2022 में इसमें संशोधन कर ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर आम उत्पादों की तरह कीटनाशकों की बिक्री के लिए भी अनुमति प्रदान की थी। अब सरकार पेस्टिसाइड मैनेजमेंट विधेयक लाने की तैयारी कर रही है, जिसका प्रारूप तैयार हो चुका है। सरकार ने संगठन से 04 फरवरी तक अपने सुझाव सौंपने के लिए कहा है। विधेयक के प्रारूप का स्वागत करते हुए श्री अग्रवाल ने कहा कि जिस प्रकार विक्रेता को लाइसेंस की जरूरत होती है उसी तरह ऑनलाइन प्लेटफॉर्मों के लिए भी लाइसेंस या मान्यता अनिवार्य की जानी चाहिए। वर्तमान समय में यह सुनिश्चित करने का कोई तरीका नहीं है कि ऑनलाइन बिक रहा पेस्टिसाइड असली है या नकली। उन्होंने कहा कि यदि कोई कंपनी बिना लाइसेंस के कीटनाशक बेच रही है, तो उस पर भी नकली उत्पाद की तरह ही कार्रवाई होनी चाहिए। कार्यक्रम को केंद्रीय कृषि आयुक्त पीके सिंह और केंद्रीय कीटनाशक बोर्ड एवं पंजीकरण समिति के सचिव सुभाष चंद ने भी संबोधित किया। अग्रवाल के अनुसार इस समय देश का घरेलू कीटनाशक बाजार लगभग 26 हजार करोड़ रुपये का है और निर्यात 40 हजार करोड़ रुपये है।

उन्होंने कहा कि घरेलू बिक्री में एक प्रतिशत से कुछ कम हिस्सेदारी ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म की है। इसमें कई बार नकली और घटिया कीटनाशकों की खबरें भी आती हैं। ऑनलाइन प्लेटफॉर्म की जिम्मेदारी तय करने के लिए कोई नियम नहीं होने के कारण उसके माध्यम से नकली उत्पादों की बिक्री और आसान हो जाती है। ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर कीटनाशकों पर भारी छूट के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा कि जरूरी नहीं है कि उत्पाद घटिया हों, कंपनियों की बाजार पर कब्जे की कोशिश भी एक कारण हो सकता है।

उन्होंने कहा कि वे किसी अधिकतम या न्यूनतम मूल्य का समर्थन नहीं करते। विधेयक के प्रारूप में प्रावधान है कि कंपनियों को आवेदन के 12 महीने के भीतर लाइसेंस नहीं मिलने पर उसे मंजूर मान लिया जाएगा। अग्रवाल ने इसे उचित बताते हुए इससे सेफ्टी के साथ समझौते की आशंकाओं को खारिज कर दिया। उन्होंने बताया कि आज भी देश में कीटनाशकों का इस्तेमाल काफी कम होता है। यह करीब 500 ग्राम प्रति हेक्टेयर है, जबकि कई विकसित देशों में यह औसत चार-पांच हजार ग्राम प्रति हेक्टेयर है। अग्रवाल ने बताया कि अगले 10 साल में कीटनाशक उद्योग में औसतन 8.10 प्रतिशत सालाना की दर से वृद्धि की उम्मीद है।

23 जनवरी को बारिश व बर्फबारी का ऑरेंज अलर्ट

सचिव आपदा प्रबंधन ने जनपदों को दिए आवश्यक दिशा-निर्देश

■ मुख्यमंत्री के निर्देश पर जनपदों के साथ बैठक

शाह टाइम्स ब्यूरो

देहरादून। मौसम विभाग ने 23 जनवरी को उत्तराखंड में बारिश एवं बर्फबारी की चेतावनी जारी की गई है। मौसम विभाग द्वारा जारी अलर्ट के अनुसार उत्तरकाशी, रुद्रप्रयाग, चमोली, बागेश्वर एवं पिथौरागढ़ जनपदों के लिए ऑरेंज अलर्ट, जबकि देहरादून, टिहरी, हरिद्वार, पौड़ी, अल्मोड़ा एवं नैनीताल जनपदों के लिए येलो अलर्ट जारी किया गया है। चेतावनी को दृष्टिगत रखते हुए आपदा प्रबंधन विभाग ने एहतियाती कदम उठाने शुरू कर दिए हैं।

मौसम विभाग की चेतावनी को गंभीरता से लेते हुए मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के निर्देश पर सचिव आपदा प्रबंधन एवं पुनर्वास विनोद कुमार सुमन ने बुधवार को सभी संबंधित जनपदों के जिला आपदा प्रबंधन अधिकारियों तथा संबंधित विभागों के अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। बैठक में संभावित बारिश, बर्फबारी, पाला, शीतलहर एवं उससे उत्पन्न होने वाली परिस्थितियों के मद्देनजर जनपदों की तैयारियों की विस्तृत समीक्षा की गई तथा किसी भी आपात स्थिति से निपटने हेतु पूर्व तैयारी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।

सचिव सुमन ने सभी जनपदों को निर्देशित किया कि मौसम खराब रहने की संभावना के दौरान अत्यधिक सतर्कता बरती जाए तथा सभी कार्यदायी एजेंसियों को अलर्ट मोड पर रखा जाए। विशेष रूप से पुलिस, स्वास्थ्य, लोक निर्माण, विद्युत, पेयजल, पशुपालन एवं नगर निकाय विभागों को तैयार रहने के निर्देश दिए

गए। गर्भवती महिलाओं एवं नवजात शिशुओं की सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए सचिव ने निर्देश दिए कि संवे. दनशील, दूरस्थ एवं उच्च पर्वतीय क्षेत्रों में सुरक्षित प्रसव के लिए पूर्व से ही सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जाएं। आवश्यकता पड़ने पर समय रहते गर्भवती महिलाओं को नजदीकी स्वास्थ्य केंद्रों तक पहुंचाने की व्यवस्था की जाए तथा एंबुलेंस सेवाओं को पूरी तरह सक्रिय रखा जाए।

बर्फबारी के कारण मार्ग अवरुद्ध होने की आशंका को देखते हुए उन्होंने निर्देश दिए कि संवेदनशील एवं उच्च हिमालयी मार्गों पर जेसीबी, स्नो कटर एवं अन्य आवश्यक मशीनरी की अग्रिम तैनाती सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि आपात स्थिति में मार्गों को प्राथमिकता के आधार पर शीघ्र खोलना सुनिश्चित किया जाए, ताकि राहत एवं बचाव कार्यों में कोई बाधा न आए।

फिसलन एवं दुर्घटनाओं की संभावना को कम करने के लिए सुमन ने पाला प्रभावित क्षेत्रों में नमक एवं चूने के छिड़काव के निर्देश दिए। साथ ही उन्होंने कहा कि सभी जनपद संवेदनशील सड़कों, पुलों एवं पैदल मार्गों की पहचान कर वहां अतिरिक्त सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करें तथा आवश्यकता पड़ने पर यातायात को नियंत्रित या अस्थायी रूप से प्रति. बंधित किया जाए।

ठंड से बचाव के लिए सचिव ने निर्देश दिए कि सार्वजनिक स्थलों एवं जरूरतमंद क्षेत्रों में अलाव की पर्याप्त व्यवस्था की जाए। उन्होंने कहा कि विशेष रूप से शहरी क्षेत्रों एवं अधिक ठंड प्रभावित इलाकों में रेनबसेरों में बिजली, पेयजल, पर्याप्त बिस्तर, हीटर तथा पानी गर्म करने की रॉड जैसी सभी मूलभूत सुविधाएं अनिवार्य रूप से उपलब्ध कराई जाएं, ताकि ठंड के दौरान कोई भी व्यक्ति असुरक्षित न रहे।

पशुधन की सुरक्षा पर जोर देते हुए सचिव ने निर्देश दिए कि पशुओं को ठंड, बर्फबारी एवं पाले से सुरक्षित रखने के लिए आवश्यक इंतजाम किए जाएं। इसके अंतर्गत पशुओं के लिए सुरक्षित आश्रय, चारे एवं पेयजल की पर्याप्त व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए, ताकि ग्रामीण एवं पर्वतीय क्षेत्रों में पशुपालकों को किसी प्रकार की कठिनाई न हो।

इस अवसर पर संयुक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी मो. ओबैदुल्लाह अंसारी तथा यूएसडीएमए के विशेषज्ञ आदि मौजूद थे।

मानदेय बढ़ोतरी के लिए जताया कृषि मंत्री जोशी का आभार

■ कृषि सहायकों के पदाधिकारियों ने की मुलाकात

मुख्य संवाददाता शाह टाइम्स

देहरादून। प्रदेश के कृषि मंत्री गणेश जोशी से आज उनके शासकीय आवास पर प्रदेश की न्याय पंचायतों में तैनात कृषि सहायकों के मानदेय में हुई उल्लेखनीय वृद्धि के बाद कृषि सहायकों के पदाधिकारियों के एक प्रतिनिधिमंडल ने भेंट की। इस दौरान प्रतिनिधिमंडल ने कृषि मंत्री गणेश जोशी का फूलों की माला एवं पुष्प गुच्छ भेंट कर उनका आभार जताया।

गौरतलब हो कि कृषि मंत्री गणेश जोशी के निर्देशों के बाद कृषि सहायकों का मानदेय ₹8300 से बढ़ाकर 12391 कर दिया गया। इस अवसर पर कृषि मंत्री गणेश जोशी ने सभी को बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए कहा कि कृषि सहायक लंबे समय से मानदेय बढ़ोतरी की मांग कर रहे थे। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में हमारी सरकार पूरी संवदेहनशीलता के साथ

कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि अभी उपनल कर्मचारियों को समान वेतन समान कार्य लाभ दिया गया। कृषि मंत्री गणेश जोशी ने भरोसा जताया कि मानदेय में वृद्धि से कृषि सहायकों को आर्थिक संबल मिलेगा और वे और अधिक उत्साह के साथ किसानों की सेवा कर सकेंगे। इस दौरान प्रतिनिधिमंडल ने विभागीय मंत्री को कृषि सहायकों को आकस्मिक अवकाश के संबंध में भी ज्ञापन सौंपा। कृषि मंत्री गणेश सभी को सकारात्मक आश्वासन देते हुए मामले में शीघ्र कार्यवाही का भरोसा दिलाया।

इस अवसर पर प्रदेश अध्यक्ष कुशला सेमवाल, प्रदेश उपाध्यक्ष दिनेश प्रसाद उखियाल, प्रदेश सचिव मनोज भट्ट, कोषाध्यक्ष बलिराम भट्ट, जिलाध्यक्ष सुभाष तोमर, मंगला उनियाल, खजान सिंह, दिनेश पयाल, गिरीश थपलियाल, प्रकाश राणा, श्याम सिंह चौहान आदि उपस्थित रहे।

क्या अब शंकराचार्य भी भाजपा तय करेगी: हरीश

■ पूर्व मुख्यमंत्री रावत ने सरकार पर बोला बड़ा हमला

शाह टाइम्स प्रमुख संवाददाता

देहरादून। उत्तराखंड के पूर्व मुख्यमंत्री और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता हरीश रावत ने शंकराचार्य पद को लेकर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और सरकार पर गंभीर सवाल खड़े किए हैं। उन्होंने कहा है कि अब ऐसा प्रतीत हो रहा है मानो शंकराचार्य की वैधता भी भाजपा तय करेगी, जिसे सत्ता मान्यता देगी वही शंकराचार्य कहलाएगा और सम्मान पाएगा।

हरीश रावत ने तीखे शब्दों में कहा कि शंकराचार्य कोई सरकारी पद नहीं, बल्कि सनातन परंपरा की सर्वोच्च और प्राचीन संस्था है। उसका निर्धारण न तो किसी राजनीतिक दल का अधिकार है और न ही किसी सत्ता का।उन्होंने कहा, शंकराचार्य सनातन परंपरा है। यह संस्था सनातन धर्म की सबसे महत्वपूर्ण संस्थाओं में से एक है। इसके अवमूल्यन का अधिकार

किसी भी सत्ता को नहीं दिया जा सकता। पूर्व मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि सत्ता से जुड़े सूत्रों के हवाले से यह प्रचारित किया जा रहा है कि ज्योतिष पीठ क्षेत्र में जिन्हें पूरा समाज शंकराचार्य मानता आया है, जिनके चरणों में श्रद्धालु नतमस्तक होते हैं, वे शंकराचार्य हैं ही नहीं। हरीश रावत ने इसे सनातन परंपरा में सीधा हस्तक्षेप बताया।उन्होंने कहा कि यदि सरकार या कोई राजनीतिक दल यह तय करने लगे कि कौन वैध शंकराचार्य है और कौन अवैध, तो यह धार्मिक स्वतंत्रता और परंपरा पर सीधा हमला है। हरीश ने इस पूरे घटनाक्रम को लेकर अपना विरोध शांतिपूर्ण तरीके से दर्ज कराने की घोषणा भी की। उन्होंने कहा, मैं कल 22 जनवरी को अपने आवास पर एक घंटे का मौन व्रत रखूंगा और भाजपा की सद्बुद्धि के लिए प्रार्थना करूंगा। राजनीतिक हलकों में हरीश रावत के इस बयान को शंकराचार्य विवाद पर भाजपा सरकार के खिलाफ एक बड़े वैचारिक और धार्मिक प्रतिरोध के रूप में देखा जा रहा है। उनका कहना है कि सनातन की परंपराओं को सत्ता के तराजू पर तौलना न केवल अनुि. चत है, बल्कि खतरनाक भी है, क्योंकि इससे धर्म और राजनीति की सीमाएं पूरी तरह धुंधली हो जाती हैं।

अमित शाह ने किया कल्याण पत्रिका के शताब्दी अंक का विमोचन

शाह टाइम्स ब्यूरो

ऋषिकेश। स्वर्गाश्रम के गीताभवन में आयोजित कार्यक्रम में बुधवार को कल्याण पत्रिका के शताब्दी महोत्सव आयोजित किया जा रहा है। इस दौरान केंद्रीय गृहमंत्री शाह और सीएम भी पहुंचे।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह बुधवार को स्वर्गाश्रम जौंक स्थित गीताभवन (नंबर सात) में गीताप्रेस गोरखपुर की सुप्रसिद्ध कल्याण पत्रिका के शताब्दी महोत्सव में पहुंचे। वेद निकेतन हेलीपैड पर उनका स्वागत किया गया। इसके बाद वह गीताभवन में आयोजित कार्यक्रम में शामिल हुए।

इस दौरान उन्होंने कल्याण पत्रिका के शताब्दी अंक का विमोचन किया।बताया गया कि अब तक कल्याण पत्रिका की 17 करोड़ पचास लाख प्रतियां प्रकाशित हो चुकी हैं।

इसके साथ ही आरोग्य अंक का भी विमोचन किया गया। आरोग्य अंक की दो दो लाख 22 प्रतियां प्रकाशित हो चुकी हैं।गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि मैं कल्याण पत्रिका के 100वें अंक के विमोचन के शुभ अवसर पर मौजूद रहने का मौका देने के लिए गीता प्रेस का दिल से आभार व्यक्त करना चाहता हूं। भारत में हर वह व्यक्ति जिसकी सनातन धर्म में आस्था है, दुनिया में हर वह व्यक्ति जो दुनिया की समस्याओं के समाधान के लिए भारतीय संस्कृति की ओर देख रहा है, और हर वह व्यक्ति जो इस भूमि से प्यार करता है, वह गीता प्रेस से अनजान नहीं हो सकता।

आत्मनिर्भर राष्ट्र बनाने की दिशा में निरंतर कार्य कर रही केंद्र सरकार : सीएम

सीएम पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि केंद्र सरकार आत्मनिर्भर राष्ट्र बनाने की दिशा में निरंतर कार्य कर रही है। आज देश में आतंकवाद और नक्सलवाद जैसी विकटकारी शक्तियां सिर उठाने का साहस नहीं कर पा रही हैं। आपके अथक प्रयासों का प्रतिफल है कि आज देश सहकारिता के क्षेत्र में भी अद्वितीय प्रगति कर रहा है जिसका समग्र विकास की दिशा में एक मजबूत संस्था का ढांचा तैयार हो रहा है।

गीता प्रेस पिछले सौ वर्षों से हमारी सनातन संस्कृति, धर्मग्रंथों और भारतीय ज्ञान परंपरा के संरक्षण और संवर्धन में अतुलनीय योगदान देती आ रही है। प्राचीन भारत में जब विदेशी शक्तियां वैचारिक भ्रम उत्पन्न कर रही थी, समाज को दिग्भ्रमित करने का काम कर रही थी, तब गीता प्रेस परिवार ने श्रीमद्भगवद्गीता, श्रीरामचरितमानस, उपनिषदों, पुराणों आदि का हमारे महान सनातनी ग्रंथों का जो सूक्ष्म मूल्य में शुद्ध और प्रमाणिक प्रकाशन कर भारतीय जनमानस को जागृत करने का ऐतिहासिक कार्य किया है।

रक्षा मंत्रालय ने अनिल चांदना का कार्यकाल एक वर्ष के लिए फिर बढ़ाया

शाह टाइम्स संवाददाता

चकराता। रक्षा मंत्रालय ने देश की 56 छावनी परिषदों के मनोनीत सदस्यों का कार्यकाल एक बार फिर एक वर्ष के लिए बढ़ा दिया है। 19 जनवरी को जारी गजट अधिसूचना के अनुसार चकराता छावनी परिषद में अनिल चांदना को सातवीं बार सदस्य मनोनीत किया गया है, जो अपने आप में एक रिकॉर्ड है। इससे पूर्व किसी भी मनोनीत सदस्य का कार्यकाल इतनी बार नहीं बढ़ा है।

अक्टूबर 2021 में निर्वाचित कैंट बोर्डों का कार्यकाल समाप्त होने के बाद चकराता कैंट में अनिल चांदना को दिसंबर 2021 में पहली बार छह माह के लिए सदस्य मनोनीत किया

गया था। इसके बाद लगातार उनका कार्यकाल बढ़ाया जाता रहा है। मुख्य अधिशासी अधिकारी रिपुदमन ने गजट प्राप्त होने की पुष्टि की है। अनिल चांदना का कार्यकाल बढ़ने पर जनप्रतिनिधियों, व्यापार मंडल और सामाजिक संगठनों के पदाधिकारियों ने उन्हें बधाई दी है।

मनरेगा में भ्रष्टाचार की दुकान बंद होने पर है विपक्षी विरोध: भट्ट

मुख्य संवाददाता शाह टाइम्स

देहरादून। भाजपा ने बीबी जी राम जी योजना को सशक्त और आत्मनिर्भर गांव से विकसित भारत निर्माण का रोड मैप बताया है। प्रदेश अध्यक्ष एवं राज्यसभा सांसद महेंद्र भट्ट आरोप लगाया कि विपक्ष दुष्प्रचार कर रहा है क्योंकि इससे उनकी सरकारों में जारी भ्रष्टाचार की दुकान बंद हो जाएगी। इसलिए उनकी विरोध की कमेटियां बनती रह जाएंगी और देश राम जी से विकास पर आगे बढ़ जाएगा।

उन्होंने विभिन्न माध्यमों से मीडिया द्वारा पूछे सवालों का जबाब देते हुए कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में राजनीतिक इच्छाशक्ति के कारण राम मंदिर का सपना साकार हुआ और अब 'विकसित भारत' के

■ वीबी जी राम जी योजना, आत्मनिर्भर गांव से विकसित भारत निर्माण का रोड मैप

संकल्प को भी पूरा किया जा रहा है। जिसमें 'जी राम जी' जैसे विचार सशक्त गांवों के निर्माण में आस्था और विकास का अदभुत संगम हैं। उन्होंने कहा कि विकसित भारत के लक्ष्य में यह योजना प्रभु श्रीराम के विचारों के साथ देश के पुनर्जागरण का प्रतीक है। यह योजना गांवों को आत्मनिर्भर बनाते हुए देश को विक. सित बनाने का विजनरी रोडमैप है। उन्होंने दावा किया कि वीबी-जी राम जी योजना के कार्यान्वयन से पारदर्शिता आएगी और एक ईमानदार प्रणाली बनेगी। यह योजना अब निरस्त हो चुके महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम मनरेगा की तुलना में मजदूरों को अधिक लाभ प्रदान करेगी। वीबी-जी राम जी अधिनियम के तहत कार्यदिवसों की संख्या 100 से बढ़ाकर 125 कर दी गई है।

उन्होंने कहा कि इस योजना को जल संरक्षण, बुनियादी ढांचे, जलवायु परिवर्तन और आजीविका से जुड़ी अन्य योजनाओं के साथ जोड़ा गया है। जिसमें आपदा से बचाव विषय को भी जोड़ा गया है जो उत्तराखंड जैसे प्राकृतिक आपदाग्रस्त राज्य के लिए बहुत मददगार साबित होगा। अब इसके तहत होने वाले विकास कार्यों पर "ग्राम पंचायतें निर्णय लेंगी। इसे 'पीएम गति शक्ति' जैसे बड़े कार्यक्रमों से जोड़ा गया है, ताकि गांवों के लोगों को उनके गांव के आसपास हो रही विकास गति. विधियों के बारे में पता चल सके। योजना के पूरे डिजिटलकरण से रोजगार का भुगतान 15 दिन में होगा अन्यथा ब्याज दिया जाएगा। इसमें बजट को भी पहले से अधिक 1.5 लाख करोड़ किया जा रहा है, यानी पहले से बहुत विकास कार्य इस योजना से होंगे।

उत्तराखंड आगमन पर केंद्रीय गृह और सहकारिता मंत्री अमित शाह का स्वागत करते हुए मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी

जमरानी एवं सौंग बांध परियोजनाओं को समय पर करें पूरा : सीएस

■ मुख्य सचिव ने दोनों महत्त्वपूर्ण प्रोजेक्ट्स पर विस्तार से चर्चा कर दिए दिशा-निर्देश

शाह टाइम्स ब्यूरो

देहरादून। मुख्य सचिव आनन्द बर्द्धन ने बुधवार को सचिवालय में सिंचाई विभाग की निर्माणाधीन जमरानी एवं सौंग बांध परियोजनाओं की समीक्षा की। मुख्य सचिव ने दोनों महत्त्वपूर्ण प्रोजेक्ट्स पर विस्तार से चर्चा की एवं दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि दोनों प्रोजेक्ट्स को समय पर पूर्ण किया जाना सुनिश्चित किया जाए।

मुख्य सचिव ने जमरानी बांध बहुद्देश्यीय परियोजना सौंग बांध पेयजल परियोजना पर विस्तार से चर्चा करते हुए सिंचाई विभाग को परियोजना निर्धारित समय-सीमा के

अंतर्गत पूर्ण किए जाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि इस सम्बन्ध सभी निविदा एवं आवश्यक अन्य प्रक्रियाएं समय पर पूर्ण कर लिए जाएं। उन्होंने कहा कि सम्पूर्ण परियोजना का फ्लो चार्ट तैयार कर प्रत्येक चरण को निर्धारित समय पर पूर्ण कराया जाए। मुख्य सचिव ने निर्माण कार्यों में तेजी लाए जाने हेतु आवश्यक सामग्री की उपलब्धता को बढ़ाए जाने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि कार्यों की गुणवत्ता पर जोर देते हुए आवश्यक फर्स्ट पार्टी, सेकंड पार्टी एवं थर्ड पार्टी क्वालिटी कंट्रोल एवं मूल्यांकन भी नियमित तौर पर कराया जाना सुनिश्चित किया जाए।

मुख्य सचिव ने कहा कि परियोजनाओं से प्रभावितों के पुनर्वास कार्य पर समयबद्धता एवं तत्परता के साथ पूर्ण किया जाए। उन्होंने प्रभावितों को मुआवजा, पुनर्वास और आबंटन का कार्य आपसी तालमेल और विश्वास में लेकर किया जाए इसके लिए लगातार संवाद जारी रखे जाने के निर्देश दिए।

इस अवसर पर सचिव सिंचाई युगल किशोर पंत ने बताया कि जमरानी बांध बहुद्देशीय परियोजना की कुल लागत 3678.23 करोड़ है। इस परियोजना को जून 2029 तक पूर्ण कर लिया जाएगा। उन्होंने कहा कि सौंग बांध परियोजना 130.60 मीटर ऊंचा, 150 एमएलडी की गुरुत्व आधारित पेयजल परियोजना है, जिसकी लागत ₹2524.42 करोड़ है। इसके निर्माण कार्य नवम्बर 2029 तक पूर्ण कर लिया जाएगा।

इस अवसर पर विभागाध्यक्ष सिंचाई सुभाष चंद्र सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

ऋषिकेश में केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने की गंगा पूजा

ऋषिकेश। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने उत्तराखंड दौरे के पहले दिन ऋषिकेश में मोक्षदायिनी मां गंगा के दर्शन-पूजन किए।

इस दौरान केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने लिखा ' शाश्वत, सनातन और अविरल मा गंगा हमारी संस्कृति के साथ-साथ सभ्यता और जीवन का मूल आधार हैं। माँ गंगा से सभी के कल्याण की कामना है।

इसके साथ ही केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने ऋषिकेश के गीता भवन स्थित लक्ष्मी नारायण मंदिर में पूजा-अर्चना कर भगवान विष्णु एवं मां लक्ष्मी से सभी की सुख-समृद्धि की प्रार्थना की। केंदीय ग्रहमंत्री ने कल्याण पत्रिका के कार्यक्रम में भी प्रतिभाग किया।

नितिन के राष्ट्रीय अध्यक्ष बनने से कार्यकर्ताओं में उत्साह: पुंडीर

मुख्य संवाददाता शाह टाइम्स

देहरादून । क्रीड़ा भारती उत्तराखंड के प्रदेश अध्यक्ष एवं वरिष्ठ भाजपा नेता जोगिंदर सिंह पुंडीर ने कहा कि नितिन नबीन के भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष बनने पर पार्टी कार्यकर्ताओं में उत्साह और जश्न का माहौल है।

पुंडीर ने कहा कि नबीन का नेतृत्व उत्तराखंड में कार्यकर्ताओं में युवा जोश और चुनावी जीत की नई इबारत लिखेगा। उन्होंने कहा कि 20 आज अमन27 के उत्तराखंड विधानसभा चुनाव में भी पार्टी विजयी हैट्रिक पूरा करेगी।

क्रीड़ा भारती उत्तराखंड के प्रदेश अध्यक्ष ने नए राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन के नेतृत्व में भाजपा को नई ऊंचाई पर ले जाने का विश्वास जताया। पुंडीर ने कहा कि नितिन

■ नए राष्ट्रीय अध्यक्ष के नेतृत्व में उत्तराखंड में जीत की हैट्रिक लगाएगी भाजपा

नबीन के राष्ट्रीय अध्यक्ष बनने पर पार्टी और अधिक नई ऊंचाईयों छूएगी। उन्होंने कहा कि यह भाजपा में ही मुमकिन है , जहां एक कार्यकर्ता अपने समर्पण और मेहनत के दम पर पार्टी के शीर्ष पर पहुंच सकता है। पुंडीर ने भरोसा जताते हुए कहा कि पार्टी के नए रष्ट्रीय अध्यक्ष की राजनीतिक यात्रा का अनुभव एवं कौशल करोड़ों कार्यकर्ताओं और समर्थकों में नए उत्साह का संचार करेगा। नबीन के नेतृत्व में भाजपा उत्तराखंड में भी प्रचंड जीत के साथ 2027 में हैट्रिक लगाएगी। उन्होंने कहा कि युवा राष्ट्रीय अध्यक्ष के नेतृत्व में पार्टी नवीन ऊंचाईयों को छूने जा रही है।

क्रीड़ा भारती उत्तराखंड के प्रदेश अध्यक्ष पुंडीर ने कहा कि नितिन नबीन की उनकी ऊर्जा और समर्पण आने वाले समय में हमारी पार्टी को मजबूती प्रदान करेंगे। उन्होंने विश्वास जताते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के प्रेरक नेतृत्व में वे भाजपा को सफलता की नई बुलंदियों तक ले जाने में अवश्य सफल होंगे।

अटल आयुष्मान: अब तक 34 सौ करोड़ से अधिक का नि:शुल्क इलाज

■ अब तक बनाए जा चुके करीब 61 लाख लोगों के आयुष्मान कार्ड

मुख्य संवाददाता शाह टाइम्स

देहरादून। प्रदेश में अटल आयुष्मान उत्तराखंड योजना गरीब और जरूरतमंद परिवारों के लिए वास्तविक संजीवनी साबित हो रही है। राज्य में अब तक 17 लाख से अधिक मरीजों को इस योजना के तहत नि:शुल्क इलाज मिल चुका है, जबकि जरूरतमंदों के उपचार पर 3400 करोड़ से अधिक की राशि खर्च की जा चुकी है।

राज्य सरकार ने 25 दिसंबर 2018 को प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के अनुरूप अटल आयुष्मान योजना लागू की थी। इसके तहत प्रत्येक परिवार को प्रतिवर्ष 5 लाख तक का नि:शुल्क स्वास्थ्य सुरक्षा कवर दिया जा रहा है। अब तक करीब 61 लाख लोगों के आयुष्मान कार्ड बनाए जा चुके हैं।

योजना का सबसे बड़ा लाभ गंभीर बीमारियों से जूझ रहे मरीजों को मिल रहा है, जिन्हें महंगे इलाज के कारण अक्सर उपचार से वंचित रहना पड़ता था। अब वे बिना आर्थिक चिंता के इलाज करा पा रहे हैं।

स्वास्थ्य मंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने बताया कि जिन परिवारों में 70 वर्ष या उससे अधिक आयु के बुजुर्ग हैं, उन्हें परिवार के ₹5 लाख के कवर के अतिरिक्त बुजुर्गों के लिए अलग से 5 लाख रुपए तक की नि:शुल्क उपचार सुविधा दी जा रही है। यह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की जनकल्याणकारी सोच का परिणाम है।

उन्होंने बताया कि उत्तराखंड में 279 सरकारी और 222 निजी अस्पताल आयुष्मान योजना से सूचीबद्ध हैं, जबकि देशभर में 31 हजार से अधिक अस्पताल इस योजना से जुड़े हुए हैं।

स्वास्थ्य मंत्री ने स्पष्ट किया कि यदि किसी अस्पताल द्वारा आयुष्मान इलाज के दौरान मरीज से भुगतान की मांग की जाती है तो इसकी शिकायत प्राधिकरण में की जा सकती है।

"आयुष्मान योजना ने गरीबों को बीमारी के साथ-साथ आर्थिक चिंता से भी मुक्त किया है। यह योजना न केवल इलाज देती है, बल्कि परिवारों का मनोबल भी बचाती है।"यह योजना न केवल मरीजों को बेहतर इलाज उपलब्ध करा रही है, बल्कि बीमारी के कारण परिवारों पर पड़ने वाले आर्थिक दबाव को भी कम कर रही है। आयुष्मान योजना आज लाखों जरूरतमंदों के लिए जीवनदान साबित हो रही है।

-डॉ. धन सिंह रावत, स्वास्थ्य मंत्री

महंगे इलाज भी नि:शुल्क, लाखों को मिला जीवनदान

देहरादून। अटल आयुष्मान उत्तराखंड योजना ने राज्य में महंगे और जटिल इलाज को आमजन की पहुंच में ला दिया है। योजना के तहत अब तक लाखों मरीजों को बिना किसी आर्थिक बोझ के उपचार मिला है। खासकर डायलिसिस, हृदय रोग, कैंसर, न्यूरोसर्जरी, नेत्र रोग और जोड़ों के प्रत्यारोपण जैसे खर्चीले इलाज आयुष्मान के माध्यम से नि:शुल्क कराए जा रहे हैं।

आंकड़ों के अनुसार, डायलिसिस के 2.67 लाख से अधिक मामलों में 177 करोड़ रुपये से ज्यादा खर्च किए गए हैं। हृदय रोगों के इलाज में 39 हजार से अधिक मरीजों को लाभ मिला, जिस पर 345 करोड़ रुपये से अधिक की राशि व्यय हुई। कैंसर के 79 हजार से ज्यादा मरीजों का कीमोथेरेपी, रेडियोथेरेपी और सर्जरी के माध्यम से इलाज किया गया, जिस पर 221 करोड़ रुपये से अधिक खर्च हुए।इसके अलावा न्यूरोसर्जरी के 11 हजार से अधिक मामलों में करीब 59 करोड़ रुपये, नेत्र रोगों की सर्जरी में 119 करोड़ रुपये, प्रसूति एवं स्त्री रोग उपचार में 60 करोड़ रुपये से अधिक की राशि खर्च की गई है।

हिप और नी रिप्लेसमेंट जैसे महंगे ऑपरेशन भी आयुष्मान योजना के तहत नि:शुल्क किए गए, जिससे सैकड़ों परिवारों को बड़ी राहत मिली है।

1086 से अधिक लाभार्थियों को मिला सेवाओं का लाभ

■ शिविर में दर्ज 29 में से अधिकांश शिकायतें मौके पर निस्तारित

शाह टाइम्स संवाददाता

देहरादून। प्रदेश सरकार की महत्वाकांक्षी पहल 'जन-जन की सरकार, जन-जन के द्वार, प्रशासन गांव की ओर' अभियान के तहत बुधवार को चकराता ब्लॉक की सुदूरवर्ती क्षेत्र राजकीय इंटर कॉलेज कथियान में उप जिलाधिकारी प्रेम लाल की अध्यक्षता में जनसेवा शि. विर का आयोजन किया गया। शिविर में ग्रामीणों की समस्याओं का मौके पर निस्तारण किया गया तथा विभागीय योजनाओं के माध्यम से 1086 से अधिक लोगों को लाभान्वित किया गया।

उप जिलाधिकारी ने कहा कि जन-जन की सरकार, जन-जन के द्वार अभियान से सरकार का उद्देश्य है कि लोगों को इन शिविरों में जनकल्याणकारी योजनाओं से मौके पर ही लाभान्वित किया जाए। शिविर में ग्रामीणों द्वारा कुल 29 शिकायतें दर्ज कराई गईं, इनमें से अधिकांश शिकायतों का मौके पर ही निस्तारण कर दिया गया, जबकि शेष शिकायतों को संबंधित विभागों को अग्रसारित करते हुए समयबद्ध ढंग से निस्तारण के निर्देश दिए गए। शिविर में खंड विकास अधिकारी राकेश विष्ट,, नायब तहसीलदार सरदार सिंह राणा, खंड शिक्षा अधिकारी और क्षेत्र पंचायत सदस्य, ग्राम प्रधान एवं अन्य जनप्रतिनिधि तथा बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे।

जल संरक्षण सतत विकास की आधारशिला: महाराज

सतपुली में राज्य स्तरीय जलागम महोत्सव 2025-26 का आयोजन

शाह टाइम्स संवाददाता

पौड़ी। नगर पंचायत सतपुली में प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजनाखजलागम विकास घटक के अंतर्गत जलागम महोत्सव 2025-26 का आयोजन कैबिनेट मंत्री एवं चौबट्टाखाल विधायक सतपाल महाराज की अध्यक्षता में संपन्न हुआ।

कैबिनेट मंत्री ने विभागीय स्टॉलों के निरीक्षण के बाद बीरोंखाल के मैठाणाघाट, स्यूंसी व फरसाड़ी में बनी जलवायु अनुकूल बारानी कृषि परियोजना यूनिट कार्यालयों का शुभारंभ किया। इस अवसर पर जलागम महोत्सव 2025-26 के अंतर्गत प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजनाखजलागम विकास घटक 2.0, उत्तराखंड जलवायु अनुकूल बारानी कृषि परियोजना, स्प्रिंग एंड रिवर रिजुवेनेशन अथॉरिटी (सारा), हरित कृषि परियोजना व जैफ-6 परियोजना के अंतर्गत संचालित गति. विधियों की विस्तृत जानकारी दी गयी।

चौबट्टाखाल विधायक एवं जलागम मंत्री सतपाल महाराज ने कहा कि जल संरक्षण और जल संसाधनों का समुचित प्रबंधन उत्तराखंड जैसे पर्वतीय राज्य के सतत विकास के लिए अत्यंत आवश्यक है। जलागम योजनाओं के माध्यम से वर्षा जल संचयन, जल स्रोतों का पुनर्जीवन, सिंचाई सुविधाओं का विस्तार और ग्रामीण क्षेत्रों में आजीविका के नए अवसर सृजित हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना के तहत जलागम विकास घटक से सूखे क्षेत्रों में हरियाली लौट रही है, किसानों की आय बढ़ रही है और गांवों को जल-सुरक्षित बनाने की दिशा में ठोस कदम उठाए जा रहे हैं।

सचिव जलागम दिलीप जावलकर ने कहा कि जलागम विकास घटक 2.0 के अंतर्गत वैज्ञानिक, सहभागी और परिणाम- आधारित दृष्टिकोण से योजनाओं का क्रियान्वयन किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि जलागम परियोजनाओं का उद्देश्य केवल संरचनाएं बनाना नहीं है, बल्कि पानी को रोकना, मिट्टी को बचाना और लोगों की आय में वृद्धि करना है। इन कार्यों से भू-जल स्तर में सुधार, भूमि की उत्पादकता में वृद्धि और प्राकृतिक आपदाओं के जोखिम में कमी आयी है।

प्रोजेक्ट डायरेक्टर जीईएफ-6 कहकशा नसीम ने कहा कि जलागम परियोजनाओं को जलवायु परिवर्तन को ध्यान में रखते हुए डिजाइन एवं क्रियान्वित किया जा रहा है। जीईएफ-6, ग्रीन एग्रीकल्चर तथा स्प्रिंग एंड रिवर रिजुवेनेशन परियोजनाओं के माध्यम से सूखते नौले-धारे पुनर्जीवित किए जा रहे हैं, मृदा संरक्षण हो रहा है और पर्यावरण-अनुकूल कृषि को बढ़ावा मिल रहा है। इन प्रयासों से ग्रामीण समुदायों की जलवायु सहनशीलता मजबूत हो रही है।

जलागम महोत्सव 2025-26 के माध्यम से जल संरक्षण एवं जल स्रोतों के पुनर्जीवन, कृषि एवं ग्रामीण आजीविका सुदृढ़ीकरण, पर्यावरण संरक्षण एवं जलवायु परिवर्तन के अनुरूप अनुकूलन, तथा जन सहभागिता के माध्यम से स्थानीय विकास पर विशेष जोर दिया गया। कार्यक्रम के तहत वर्षा जल संचयन, स्प्रिंग रिवा. इवल, मृदा संरक्षण एवं ग्रीन एग्रीकल्चर को बढ़ावा देने के साथ-साथ किसानों को आय वृद्धि और गांवों को जल-सुरक्षित बनाने की दिशा में किए जा रहे प्रयासों की जानकारी साझा की गयी। इस अवसर पर जलागम के तहत उत्कृष्ट कृषकों व ग्रामों को स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम में नगर पंचायत अध्यक्ष सतपुली जितेंद्र चौहान, डीएफओ महातिम यादव, संयुक्त निदेशक जलागम अनुज कुमार डिमरी, उप निदेशक, जलागम डॉ. डी.एस. रावत, ब्लॉक प्रमुख पौड़ी अस्मिता नेगी, ब्लॉक प्रमुख कल्जीखाल गीता देवी, जिलाध्यक्ष भाजपा कमल किशोर रावत सहित बड़ी संख्या में लाभार्थी एवं स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे।

पुलिस ने ब्लैकमेल करने पर युवक को किया गिरफ्तार

श्रीनगर। कोतवाली श्रीनगर पुलिस ने एक युवक को दुष्कर्म एवं फोटो, वीडियो वायरल करने के नाम पर फिरौती मांगने के मामले में गिरफ्तार किया है।

जानकारी के अनुसार युवक ने सोशल मीडिया पर हिंदू काल्पनिक नाम बनाकर युवती से दोस्ती कि और उसके बाद उससे शारिरिक संबंध बनाने का प्रयास किया गया। जब युवती को पता चला कि उक्त युवक अन्य समुदाय का है तो इसकि जानकारी पुलिस को दी गई। कोतवाली प्रभारी निरीक्षक श्रीनगर कुलदीप ने बताया कि ब्लैकमेल और जान से मारने के मामले में एक युवती ने कोतवाली श्रीनगर में तहरीर दी है। तहरीर में युवती ने बताया कि युवक हिन्दू नाम समीर द्विवेदी बनकर दोस्ती करने व बहला-फुसला कर कमरे में ले जाकर जबरदस्ती शारी. रिक सम्बन्ध बनाने का प्रयास किया गया। मामलो को गंभीरता से लेते हुए पुलिस ने समीर जाफरी पुत्र शमशेर अली निवासी हाल पता अलकनन्दा विहार श्रीनगर मूल पता ग्राम व पोस्ट जटपुरा थाना मंडावली जिला बिजनौर उत्तरप्रदेश को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया जा रहा है।

ग्राम चौकी में पांच दिवसीय प्रबंधन विकास कार्यक्रम सम्पन्न

■ **महिलाओं ने सीखे उत्पाद विकास पैकेजिंग, ब्रांडिंग के गुर**

शाह टाइम्स संवाददाता

श्रीनगर। विकासखंड कीर्तिनगर के ग्राम चौकी में आयोजित पांच दिवसीय प्रबंधन विकास कार्यक्रम का बुधवार को समापन हुआ। कार्यक्रम में सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्रालय भारत सरकार की उद्यमिता एवं कौशल विकास कार्यक्रम योजना के तहत आयोजित किया गया था। जिसमें बड़ी संख्या में महिला स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी महिलाओं ने प्रतिभाग किया। कार्यक्रम का क्रियान्वयन भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान अहमदाबाद द्वारा किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्र की महिला उद्यमियों को उत्पाद विकास, पैकेजिंग, ब्रांडिंग एवं बाजार-उन्मुख उद्यमिता के लिए सक्षम बनाना रहा। प्रशिक्षण कार्यक्रम में क्षेत्र की 26 महिला उद्यमियों ने सक्रिय रूप से भागीदारी की। प्रशिक्षण के दौरान विशेषज्ञ प्रशिक्षकों दिलीप सिंह कुशवाह, मुकेश देव, सुरुचि नेगी, हिम्मत सिंह रौतेला, सुदेश, विपिन रतूड़ी एवं अंजना नेगी ने प्रतिभागियों को उद्यमिता की मूल अवधारणा, स्वरोजगार एवं उद्यमिता के अंतर, सफल उद्यमी के गुण, नेतृत्व क्षमता, निर्णय निर्माण एवं जोखिम प्रबंधन की जानकारी व्यवहारिक उदाहरणों के माध्यम से दी। प्रोडक्ट डेवलपमेंट सत्र में विजनेस आइडिया जनरेशन, आइडिया चयन, ग्राहक आवश्यकता के अनुसार उत्पाद डिजाइन से अवगत कराया गया। कार्यक्रम में वित्तीय साक्षरता, बैंक ऋण, एमएसएमई योजनाएं, स्टार्टअप इंडिया, मुद्रा योजना, पीएमईजीपी, उद्यम पंजीकरण एवं जीएसटी से संबंधित आधारभूत जानकारी भी प्रतिभागियों को प्रदान की गई। समापन अवसर पर विधायक विनोद कंडारी ने महिलाओं को अपने उत्पादों की पैकेजिंग और प्रस्तुति पर विशेष ध्यान देने का सुझाव दिया, ताकि उनके उत्पाद बाजार में प्रतिस्पर्धा कर सकें।

जनपद रुद्रप्रयाग में मनाया जा रहा समान नागरिक संहिता दिवस

■ **व्यापक जन-जागरूकता कार्यक्रमों की होगी श्रृंखला**

शाह टाइम्स संवाददाता

रुद्रप्रयाग। समान नागरिक सं. हता दिवस को जनपद रुद्रप्रयाग में व्यापक स्तर पर मनाया जाएगा। शासन से प्राप्त दिशा-निर्देशों के अनुरूप जिलेभर में जनभागीदारी सुनिश्चित करते हुए विविध जनजागरूकता एवं सहभागिता आधारित कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा।

समान नागरिक संहिता से संबंधित विषयों पर 20 से 25 जनवरी तक जन-जागरूकता कार्यक्रम, परामर्श शिविर तथा विद्यालय एवं महाविद्यालय स्तर पर निबंध एवं वाद-विवाद प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जा रहा है। महाविद्यालय स्तर पर समान नागरिक संहिता के सकारात्मक लाभों पर केंद्रित प्रतियोगिताओं के माध्यम से युवाओं को इस विषय से जोड़ने का विशेष प्रयास किया जाएगा। इसके अतिरिक्त, विकासखंड स्तर पर जनजागरूकता गोष्ठियों का आयोजन किया जाएगा। वहीं, स्थानीय नगर निकाय क्षेत्रों में जनजागरूकता रैलियां एवं सभाएं आयोजित कर आमजन को समान नागरिक संहिता से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारियां प्रदान की जाएंगी।

ग्राम पंचायत स्तर पर महिला मंगल दल, युवक मंगल दल एवं स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से जनजागरूकता रैलियां निकालकर समाज के प्रत्येक वर्ग तक संदेश पहुंचाया जाएगा। आमजन को सरल, प्रभावी एवं रोचक तरीके से समान नागरिक संहिता की जानकारी देने के उद्देश्य से प्रत्येक विकासखंड में नुक्कड़ नाटकों का भी आयोजन किया जाएगा।

कीर्तिनगर पुल से व्यक्ति ने मारी छलांग, सर्च ऑपरेशन जारी

श्रीनगर। कीर्तिनगर पुल से एक व्यक्ति द्वारा नदी में छलांग लगा दी। स्थानीय लोगों की सूचना पाकर मौके पर पुलिस ने खोजबीन शुरू की, लेकिन अभी तक युवक का कोई भी सुराग नहीं मिल पाया है। कीर्तिनगर कोतवाली प्रभारी निरीक्षक संजय मिश्रा ने बताया कि बुधवार करीब दो बजे कीर्तिनगर पुल से एक व्यक्ति के अलकनंदा नदी में छलांग मराने की सूचना मिली। मौके पर पहुंची पुलिस और एसडीआरएफ की टीम ने अलकनंदा नदी में सर्च ऑपरेशन चलाया गया। मौके पर जल पुलिस को भी बुलाया गया, लेकिन अभी तक कोई भी सुराग नहीं मिल पाया है। बताया कि पुल के किनारे एक बैग प्राप्त हुआ है, जिसमें से एक पहचान पत्र/आईडी प्राप्त हुई है। प्राप्त आईडी के आधार पर व्यक्ति का नाम राजेश, निवासी जखंड कीर्तिनगर पाया गया है।

सीटीसी श्रीनगर ने पेश किया राष्ट्रगीत वंदे मातरम

■ **स्थानीय गोला पार्क में आयोजित हुआ भव्य डिस्प्ले कार्यक्रम**

शाह टाइम्स संवाददाता

श्रीनगर। केंद्रीयकृत प्रशिक्षण केंद्र सशस्त्र सीमा बल श्रीनगर ने स्थानीय गोला पार्क में राष्ट्रगीत वंदे मातरम की रचना के 150 वर्ष पूर्ण होने के ऐतिहासिक एवं गौरवशाली अवसर पर एक भव्य डिस्प्ले कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

एसएसबी के उप-महानिरीक्षक सुभाष चन्द नेगी के कुशल मार्गदर्शन एवं नेतृत्व में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। कार्यक्रम में स्थानीय नागरिकों ने भी कार्यक्रम में सहभागिता कर राष्ट्रभक्ति की भावना का प्रदर्शन किया। एसएसबी बैंड द्वारा प्रस्तुत राष्ट्र प्रेम से परिपूर्ण धुनों ने पूरे गोला मार्केट क्षेत्र को देशभक्ति के रंग में रंग दिया। विशेष रूप से राष्ट्रगीत वंदे मातरम की भावपूर्ण प्रस्तुति ने उपस्थित जनसमूह को भावविभोर कर दिया तथा स्वतंत्रता संग्राम के गौरवशाली इतिहास की स्मृतियों को जीवंत कर दिया।

कार्यक्रम के दौरान अनुशासन, समर्पण एवं सांस्कृतिक चेतना का सुंदर समन्वय देखने को मिला। इस अवसर पर उपस्थित अधिकारियों ने राष्ट्रगीत वंदे मातरम के ऐतिहासिक महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि यह गीत न केवल स्वतंत्रता संग्राम की प्रेरणा रहा है, बल्कि आज भी देशवा. सियों में एकता, अखंडता एवं राष्ट्र के प्रति समर्पण की भावना को सशक्त करता है। कार्यक्रम के माध्यम से सशस्त्र सीमा बल ने यह संदेश दिया कि वह न केवल देश की सीमाओं की सुरक्षा के लिए प्रतिबद्ध है, बल्कि राष्ट्रीय विरासत, संस्कृति एवं देशभक्ति की भावना को जन-जन तक पहुँचाने में भी अग्रणी भूमिका निभा रहा है। समापन अवसर पर उपस्थित नागरिकों ने सशस्त्र सीमा बल के इस सराहनीय प्रयास की भूरि-भूरि प्रशंसा की तथा ऐसे कार्यक्रमों के निरंतर आयोजन की अपेक्षा व्यक्त की।

एक नजर ....

चार पेटी अवैध अंग्रेजी शराब बरामद

रुद्रप्रयाग। जिलाधिकारी प्रतीक जैन के निर्देशन एवं जिला आबकारी अधिकारी रमेश बंग. वाल के मार्ग-दर्शन में जनपद रुद्रप्रयाग में अवैध शराब के विरुद्ध चलाए जा रहे सघन अभियान के तहत आबकारी विभाग को बड़ी सफलता मिली है।

बुधवार को आबकारी विभाग की टीम ने भीरी रोड़ पर नियमित रोड चेकिंग के दौरान एक सैंट्रो कार संख्या यूके 07 एल 5353 को रोका। वाहन की तलाशी लेने पर उसमें से अंग्रेजी शराब की चार पेटियां बरामद की गईं, जिनमें 192 पव्वे एवं 48 अद्धे शामिल हैं।

मौके से मुन्ना नामक अभियुक्त को गिरफ्तार कर लिया गया, जिसे नियमानुसार हिरासत में लेकर आगे की वैधानिक कार्रवाई की जा रही है। यह कार्रवाई आबकारी निरीक्षक अजय के नेतृत्व में प्रधान आबकारी सिपाही रीना, किरण तथा आबकारी सिपाही सुंदर द्वारा संयुक्त रूप से की गई। जिला प्रशासन ने स्पष्ट किया कि जनपद में अवैध शराब के कारोबार पर सख्त कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी, ताकि कानून-व्यवस्था बनाए रखने के साथ-साथ समाज को नशे से मुक्त किया जा सके।

सड़क दुर्घटना में चालक की मौत

थराली। विकास खंड थराली के अंतर्गत कुलसारी- ढालु- मालबज्वाड़ मोटर सड़क पर एक कार दुर्घटनाग्रस्त हो गई है। जिसमें सवार चालक की मौत हो गई हैं।

मिली जानकारी के अनुसार बुधवार की दोपहर कुलसारी-ढालु-मालबजवाड़ मोटर सड़क पर नैलढालु के पास कार नंबर यूके 11ए 3154 को वाहन चालक विकास खंड देवाल के उलंग्रा गांव निवासी चालक एवं मालिक 65 वर्षीय प्राणी दत्त कुनियाल पुत्र मथुरा दत्त कुनियाल जब कार को मोड़ रहे थें कि अचानक वाहन अनियंत्रित होकर ऊपर की सड़क से नीचे की सड़क करीब डेढ़ सौ मीटर दूर आ कर गिरी, जिससे चालक बुरी तरह से घायल हो गया। थराली के थानाध्यक्ष विनोद चौरसिया ने बताया कि घायल को उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र थराली लाया गया जहां पर चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मृतक का पंचनामा भर पोस्टमार्टम के लिए भेजे जाने की कार्यवाही की जा रही हैं।

धरातल पर हवा हवाई साबित हो रहे दावे

थराली। सरकार भले ही शिक्षा प्रणाली में सुधार लाने और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लिए जरूरी संसाधनों की पूर्ति के लाख दावे करे लेकिन ये दावे धरातल पर हवा हवाई ही साबित नजर आ रहे हैं कल्पना कीजिये कि बिना भवन ,बिना संसाधन कैसे सरकार गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के दावे कर सकती है जबकि बदहाली का आलम ये है कि ढाई साल पहले क्षतिग्रस्त भवन के सामने गिरे मलबे को हटवाने का तक साहस भर सूबे का शिक्षा महकमा नहीं कर पाया।

थराली विधानसभा के तहसील मुख्यालय के सबसे निकटवर्ती राजकीय आदर्श इंटर कॉलेज के मुख्य भवन की है जिसका एक बड़ा हिस्सा 12 सितंबर 2023 को विद्यालय की छुट्टी होने के बाद भरभरा कर गिर गया गनीमत रही कि घटना से पूर्व ही स्कूल की छुट्टी हो गयी थी और कोई भी स्कूली छात्र इस घटना की चपेट में नहीं आया आनन फानन में शिक्षा विभाग के आला अधिकारियों और लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों ने क्षतिग्रस्त भवन का निरीक्षण कर इसे स्कूली बच्चो की सुरक्षा को बड़ा खतरा बताते हुए इस भवन को निष्प्रयोज्य घोषित करने की पत्रावली तैयार कर दी अब सरक. ारी सिस्टम की हीलाहवाली,और लापरवाही देखिए कि ढाई साल बीत जाने के बाद भी पत्रावली फाइलो में दौड़ ही रही है और मलबा जस का तस पड़ा है ढाई साल बाद भी बच्चे कक्षाओं के अभाव में खुले आसमान के नीचे पठन पाठन को मजबूर हैं और अध्यापक अध्यापन कार्य से ज्यादा इस चिंता में शिक्षक की बजाय चौकीदार बने बैठे हैं कि कहीं कोई स्कूली छात्र क्षतिग्रस्त भवन के इर्दगिर्द न जा सके।

अभिभावक संघ से लेकर विद्यालय के प्रधानाचार्य तक कई बार इस मुख्य भवन को निष्प्रयोज्य घोषित कर नए भवन के निर्माण की मांग को लेकर आला अधिकारियों और शिक्षा मंत्री से तक गुहार लगा चुके हैं लेकिन निष्प्रयोज्य की कार्यवाही महज फाइलों तक सिमट कर रह गयी ,न तो भवन को डिस्मेंटल किया जा सका और न ही इस क्षतिग्रस्त भवन के मलबे को हटाया जा सका।

तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ

उत्तरकाशी। जिला कार्यालय के सभागार में डॉ. आर.एस. टोलिया उत्तराखंड प्रशासन अकादमी नैनीताल के प्रशिक्षण कार्यक्रम के तहत एवं डीएम प्रशांत आर्य के निर्देशों के क्रम में तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया है। बुधवार को कार्यक्रम में पहले दिन पदोन्नति चयन वेतनमान, वेतन निर्धारण, प्रोन्नत वेतनमान, समयमान वेतनमान, एसीपी, एमएसीपी, आईएफएमएस इत्यादि विषय पर जनपदीय अधिकारियों को एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें लगभग 70 अधिकारियों द्वारा प्रतिभाग किया गया है।

न्याय पंचायत ढाबखाल में बहुउद्देशीय शिविर आयोजित

■ **शिविर में 87 लाभार्थी हुए लाभान्वित**

शाह टाइम्स संवाददाता

पौड़ी। "जन-जन की सरकार, जन-जन के द्वार" कार्यक्रम के अंतर्गत विकासखंड रिखणीखाल की न्याय पंचायत ढ़ाबखाल में बहुउद्देशीय शिविर का आयोजन किया गया। शिविर के माध्यम से प्रशासन ने ग्रामीणों की समस्याओं को उनके द्वार पर ही सुनते हुए त्वरित समाधान किया।

शिविर में कुल 11 शिकायतें प्राप्त हुईं, जिनमें से 10 का मौके पर ही निस्तारण कर दिया गया। विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए स्टॉलों के माध्यम से 87 लोगों को सरकारी योजनाओं का लाभ प्रदान किया गया। साथ ही 13 लोगों द्वारा विभिन्न प्रकार के प्रमाण पत्र बनाए जाने हेतु आवेदन पत्र प्राप्त किए गए।

शिविर की अध्यक्षता वन क्षेत्राधिकारी रमेश चंद्र नेगी ने की। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि "जनखजन की सरकार, जनखजन के द्वार" कार्यक्रम के माध्यम से शासन-प्रशासन जनता के बीच पहुंचकर उनकी समस्याओं का त्वरित एवं प्रभावी समाधान कर रहा है, जिससे आमजन को सरकारी योजनाओं का सीधा लाभ मिल रहा है। नोडल अधिकारी/उपखंड अधिकारी नवीन मैंदोला ने बताया कि विभागीय स्टॉलों के माध्यम से ग्रामीणों को न केवल विभिन्न सरक. ारी योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी जा रही है, बल्कि पात्र लाभार्थियों को तत्काल लाभ भी उपलब्ध कराया जा रहा है।

उन्होंने कहा प्राप्त शिकायतों का गंभीरता से संज्ञान लेते हुए उनका समयबद्ध, पारदर्शी एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण किया जा रहा है, जिससे आमजन का शासन पर विश्वास और अधिक सुदृढ़ हो सके।

शिविर में कृषि, उद्यान, स्वास्थ्य, आयुष (आयुर्वेदिक एवं यूनानी), समाज कल्याण, पंचायतीराज, खाद्य पूर्ति, राजस्व विभाग सहित कुल 23 विभागों द्वारा स्टॉल लगाए गए। शिविर में बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने सहभागिता करते हुए विभिन्न विभागों से संबंधित अपनी समस्याएं एवं मांगें अधिकारियों के समक्ष रखीं।

कार्यक्रम का संचालन सहायक विकास अधिकारी (पंचायत) सुनील कोटनाला द्वारा किया गया।

इस अवसर पर कनिष्ठ उप प्रमुख रिखणीखाल निशा रावत, खंड विकास अधिकारी देवेश पंत, सहायक खंड विकास अधिकारी पी. सी. असवाल, प्रधान खनेता रोशन नेगी, प्रधान घोटला निक्की सहित अन्य जनप्रतिनिधि, अधिकारी एवं स्थानीय ग्रामीण उपस्थित रहे।

बेस अस्पताल श्रीनगर में कार्डियो ओपीडी में 45 मरीज पहुंचे

श्रीनगर। बेस अस्पताल श्रीनगर में बुधवार को आयोजित कार्डियोलॉजी ओपीडी में हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ. संदीप मालविया ने मरीजों का स्वास्थ्य परीक्षण कर आवश्यक परामर्श दिया। ओपीडी के दौरान कुल 45 मरीजों की जांच की गई, जिनमें हृदय संबंधी विभिन्न समस्याओं से ग्रसित मरीज शामिल रहे। डॉ. संदीप मालविया ने बताया कि जांच के दौरान चार मरीजों की स्थिति को देखते हुए उन्हें आगे की जांच एवं उपचार के लिए दून कोरा. ेनेशन अस्पताल, देहरादून बुलाया गया है।

मशरूम और मधुमक्खी पालन से मिलेगा लाभ ही लाभ: पुण्डीर

■ **पांच दिवसीय वन उपज से आजीविका संवर्धन कार्यशाला सम्पन्न**

शाह टाइम्स संवाददाता

रुद्रप्रयाग। वन प्रभाग के दक्षिणी जखोली रेंज अंतर्गत रौठिया गांव में वन उपज से आजीविका संवर्धन विषय पर आयोजित पांच दिवसीय कार्यशाला सफलतापूर्वक सम्पन्न हो गई है। यह प्रशिक्षण शि. विर 17 जनवरी से आयोजित किया गया, जिसमें ग्रामीणों को मशरूम उत्पादन एवं वैज्ञानिक पद्धति से मधुमक्खी पालन की व्यवहारिक जानकारी दी गई।

कार्यशाला का आयोजन मैसर्स अनंत हिमलयाज जखोली एवं मैसर्स ग्रीनहट ऑर्गेनिक ग्लोबल पहाड़ी के तकनीकी सहयोग से किया गया। प्रशिक्षण के दौरान स्थानीय महिलाओं और युवाओं को मशरूम उत्पादन के साथ-साथ मशरूम का अचार बनाने, सुखाकर संरक्षण करने तथा विपणन की तकनीकें भी सिखाई गईं। विशेषज्ञों ने बताया कि मशरूम की खेती एवं मधुमक्खी पालन ऐसे कृषि आधारित लघु उद्योग हैं, जिन्हें भूमिहीन किसान, महिलाएं एवं बुजुर्ग भी कम लागत में अपनाकर अपनी आय में उल्लेखनीय वृद्धि कर सकते हैं।

कार्यक्रम में रेंज अधिकारी हरीश थपलियाल, वन दरोगा गोविंद चौहान सहित ग्रामीण विजयपाल, बलबीर, काजल देवी, कमला देवी, अमारी देवी, योगिता देवी, सुशीला देवी सहित अन्य प्रतिभागी उपस्थित रहे।

प्रभारी मंत्री सौरभ बहुगुणा पहुंचे शहीद के गांव

शाह टाइम्स संवाददाता

रुद्रप्रयाग। अरुणाचल प्रदेश में मातृभूमि की रक्षा करते हुए सर्वोच्च बलिदान देने वाले वीर सपूत शहीद हवलदार रविन्द्र सिंह के आगर-दशज्यूला गांव पहुंचकर उत्तराखंड सरकार के प्रभारी मंत्री सौरभ बहुगुणा ने शहीद के परिजनों से भेंट कर उन्हें ढांढस बंधाया। इस दौरान उन्होंने कहा कि शहीद का बलिदान कभी भुलाया नहीं जा सकता और केन्द्र व राज्य सरकार शहीद परिवार के साथ हर परिस्थिति में मजबूती से खड़ी है।

प्रभारी मंत्री ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने अपने शोक संद. ेश में शहीद के परिवार के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करते हुए बाबा केदार से इस दु:ख की घड़ी में परिवार को शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना की है। उन्हीं के निर्देशों तथा शहीद परिवार के प्रति भावनात्मक जुड़ाव के चलते वे स्वयं आगर गांव पहुंचे हैं। उल्लेखनीय है कि जनपद रुद्रप्रयाग के आगर-दशज्यूला क्षेत्र के निवासी शहीद हवलदार रविन्द्र सिंह 15 गढ़वाल राइफल्स में तैनात थे। अरुणाचल प्रदेश के अलोंग (।सवदह) क्षेत्र में देश सेवा के दौरान उन्होंने वीरता का परिचय देते हुए अपने प्राणों की आहुति दे दी। उनका यह बलिदान न केवल क्षेत्र बल्कि पूरे प्रदेश के लिए गर्व का विषय है। शहीद अपने पीछे एक पुत्र और एक पुत्री सहित पूरा परिवार छोड़ गए हैं। बीते मंगलवार को रुद्रप्रयाग संगम पर पूरे सैन्य सम्मान के साथ उनका अंतिम संस्कार किया गया, जहां हजारों लोगों ने नम आंखों से अपने वीर सपूत को अंतिम विदाई दी। बुधवार सुबह प्रभारी मंत्री सौरभ बहुगुणा जब आगर गांव पहुंचे तो वहां शोकाकुल माहौल था। उन्होंने शहीद के परिजनों से मुलाकात कर कहा कि इस अपूरणीय क्षति से पूरा देश मर्माहत है। उन्होंने कहा, "रविन्द्र सिंह जैसे वीर सपूतों के बलिदान से ही देश सुरक्षित है। उनकी शहादत व्यर्थ नहीं जाएगी। सरकार शहीद परिवार की हर संभव सहायता करेगी और उनके बच्चों के भविष्य की चिंता सरकार की प्राथमिकता है। प्रभारी मंत्री ने यह भी कहा कि शहीद की वीरगाथा आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा बनेगी।

इस अवसर पर केदारनाथ विधायक आशा नौटियाल, भाजपा नेता सुमंत तिवारी, भाजपा जिलाध्यक्ष भारत भूषण भट्ट, जिला पंचायत सदस्य जयवर्द्धन कांडपाल, गंभीर बिष्ट सहित अनेक जनप्रतिनिधि, पार्टी पदाधिकारी एवं स्थानीय ग्रामीण मौजूद रहे। सभी ने शहीद को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त की।

रुद्रप्रयाग के इंटर कॉलेजों में चला सीयूईटी जागरूकता अभियान

शाह टाइम्स संवाददाता

रुद्रप्रयाग। पर्वतीय क्षेत्रों के छात्र-छात्राओं को केंद्रीय विश्वविद्यालयों में उच्च शिक्षा के अवसरों से जोड़ने की दिशा में हेम. वती नंदन बहुगुणा गढ़वाल विश्व. विद्यालय द्वारा सीयूईटी (कॉमन यूनिवर्सिटी एंट्रेंस टेस्ट) प्रवेश परीक्षा को लेकर विशेष जागरूकता अभियान संचालित किया जा रहा है।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. प्रकाश सिंह के निर्देशानुसार एवं अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो ओपी गुसाईं के नेतृत्व में चल रहे इस अभियान का उद्देश्य कक्षा 12वीं में अध्ययनरत विद्यार्थियों को सीयूईटी परीक्षा की संपूर्ण प्रवेश प्रक्रिया से अवगत कराना है, जिससे वे केंद्रीय विश्वविद्यालयों में प्रवेश के लिए आत्मविश्वास के साथ आवेदन कर सकें।

इसी क्रम में जनपद के विभिन्न राजकीय एवं निजी इंटर कॉलेजों में सीयूईटी जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। कार्यक्रमों के दौरान विश्वविद्यालय के शिक्षकों द्वारा विद्यार्थियों को सीयूईटी परीक्षा की प्रकृति, ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया, विषय चयन, परीक्षा पैटर्न, मेरिट निर्धारण प्रणाली तथा केंद्रीय विश्वविद्यालयों में उपलब्ध विभिन्न पाठ्यक्रमों की जानकारी विस्तार पूर्वक दी गई। कार्यक्रमों में विश्व. विद्यालय की टीम के सदस्यों डॉ. कपिल पंवार, डॉ. गंभीर सिंह कठैत एवं डॉ वरुण बर्तवाल ने पीएमश्री राजकीय इंटर कॉलेज रुद्रप्रयाग, राजकीय इंटर कॉलेज तिलक नगर तथा राजकीय इंटर कॉलेज मयाली में छात्र-छात्राओं से सीधा संवाद किया गया। इस दौरान विद्यार्थियों द्वारा पूछे गए प्रश्नों का सरल समाधान किया गया, जिससे छात्रों में सीयूईटी को लेकर उत्साह एवं आत्मविश्वास देखने को मिला। वहीं विश्वविद्यालय की एक अन्य टीम, जिसमें डॉ अनूप सेमवाल एवं डॉ बालकृष्ण बधानी शामिल रहे, द्वारा राजकीय इंटर कॉलेज मयाकोटी, डायट रतूड़ा तथा राजकीय इंटर कॉलेज चोपता में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। कार्यक्रमों में विद्यार्थियों को समय रहते आवेदन करने, सही विषय चयन तथा प्रभावी परीक्षा तैयारी की रणनीतियों के संबंध में मार्गदर्शन प्रदान किया गया।

गढ़वाल विवि की ईसी की बैठक 28 जनवरी को

श्रीनगर। हेमवती नंदन बहुगुणा गढ़वाल विश्वविद्यालय कार्य परिषद् की 32वीं बैठक आगामी 28 जनवरी को आयोजित की जाएगी।

बैठक सुबह 11:30 बजे से प्रारंभ होगी। गढ़वाल विवि के कुलसचिव अनीस उज जमाल ने नोटिफिकेशन जारी करते हुए बताया कि कुलपति एवं कार्यपरिषद् के अध्यक्ष की अनुमति से यह बैठक आयोजित की गई है। बैठक का आयोजन कुलपति सचिवालय सभागार से हाइब्रिड मोड में किया जाएगा। जिसमें सदस्य प्रत्यक्ष एवं वर्चुअल दोनों माध्यमों से प्रतिभाग कर सकेंगे। बैठक में विश्वविद्यालय से संबंधित विभिन्न महत्वपूर्ण शैक्षणिक, प्रशासनिक एवं विकासात्मक विषयों पर चर्चा व निर्णय लिए जाने की संभावना है।

उत्तराखंड में नहीं हो रही बारिश बर्फबारी

■ **वैज्ञानिकों ने बताई रूठे मौसम की डराने वाली पूरी सच्चाई**

शाह टाइम्स संवाददाता

उत्तरकाशी। आखिर उत्तराखंड में क्यों नहीं हो रही बारिश और बर्फबारी एक्सपर्ट ने रूठे मौसम की डराने वाली पूरी सच्चाई बताई है कि हिमालय में इस साल बर्फबारी और बारिश दोनों ही गायब है । इस बात की चर्चा हर तरफ जोरों पर है।

साल 2025 का नवम्बर, दिसम्बर का महीना बिना बारिश के ही गुजर गया। 2026 का जनवरी आधे से ज्यादा गुजर चूका है, लेकिन बारिश और बर्फबारी का कुछ अता पता नहीं है। हालत इस कदर है कि सर्दियों में जो पहाड़ बर्फ से लदे हुए रहते थे वहां इस बार जंगलों की आग पहुंच रही हैं।

पर्यावरण विद, वैज्ञानिक और विशेषज्ञ और आम लोग यही चर्चा कर रहे हैं की आखिर उत्तराखंड में बारिश और बर्फ कब होगी किसान आसमान में टकटकी लगाए बैठे हैं।

उत्तराखंड के ऊंचाई वाले क्षेत्रों की अगर बात करे। जिनमे, ओम, पर्वत आदि कैलाश केदारनाथ बदरीनाथ, गंगोत्री, यमुनोत्री, गौमुख , केदारकांठा, हरकिदून,जोशीमठ, बंदर, पुच, नैनीताल, अलमोड़ा, मुंशियारी आते हैं। यहाँ पर इस बार बर्फ पड़ी नहीं पहाड़, बिना बर्फ के दिख रहे हैं और बारिश भी नहीं हुई। बर्फबारी और बारिश के न होने से इसका असर सीधे बागवानी और खेती पर पड़ रहा है। वहीं पर्यटकों का बर्फ देखने का इंतजार सर्फ इंतजार ही रह गया। नय साल में उत्तरकाशी के पर्यटन स्थलों पर सैलानी जरूर पहुंचे लेकिन बर्फबारी न होने से मायूस होकर वापस लौटें है। ये ही वजह है कि उत्तराखंड के पर्यटन स्थल बिना पर्यटकों के सूने पड़े हैं।

मौसम के बदलते पैटर्न से इसका सीधा असर यहां पर्यटन, कृषि बागवानी पर बडेगा । गौरतलब है कि उत्तराखंड की आर्थिक स्थिति पर्यटन, कृषि, बागवानी और पशुपालन पर टिकी हुई है। हर साल जनवरी में इन क्षेत्रों में भारी बर्फबारी होती थी, जिससे यहाँ पर्यटकों की भीड़ लगी रहती थी। सब सुना पड़ा हुआ है। सवाल यह उठ रहा है कि क्या जलवायु परिवर्तन की वजह तापमान में बढ़ोतरी और मौसमी चक्र में बदलाव है?

मानचित्र स्वीकृति प्रक्रिया होगी और अधिक सरल :डॉ. राजेश

आवास सचिव ने ली प्राधिकरण की समीक्षा बैठक, विकास कार्यों में तेजी लाने के दिए निर्देश, चल रही परियोजनाओं की गहन समीक्षा

मुख्य संवाददाता शाह टाइम्स

देहरादून। आवास सचिव डॉ. आर. राजेश कुमार ने पदभार ग्रहण करने के बाद मसूरी–देहरादून विकास प्राधिकरण (एमडीडीए) की पहली समीक्षा बैठक ली।

सचिवालय स्थित अपने कक्ष में आयोजित इस बैठक में उन्होंने प्राधिकरण की विभिन्न योजनाओं, निर्माणाधीन परियोजनाओं और विकास कार्यों की प्रगति की विस्तार से समीक्षा की और अधिकारियों को समयबद्ध, पारदर्शी एवं गुणवत्तापूर्ण कार्य सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।समीक्षा बैठक में मसूरीख्रदेहरादून विकास प्राधिकरण (एमडीडीए) की सभी गतिमान परियोजनाओं पर विस्तार से चर्चा की गई। इसमें पार्किंग निर्माण, पार्कों का विकास, आवासीय योजनाएं, बाजार पुनर्विकास और अन्य शहरी विकास से जुड़े कार्य शामिल रहे। समीक्षा बैठक में मानचित्र स्वीकृति प्रक्रिया की भी समीक्षा की गई। आवास सचिव डॉ. आर. राजेश कुमार ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि मानचित्र स्वीकृति प्रणाली को और अधिक सरल, पारदर्शी और समयबद्ध बनाया जाए, ताकि आम नागरिकों और निवेशकों को अनावश्यक परेशानियों का सामना न करना पड़े। उन्होंने कहा कि तेज और सुगम प्रक्रिया से शहरी विकास को बढ़ावा मिलेगा और अवैध निर्माण की प्रवृत्ति पर भी अंकुश लगेगा।

मास्टर प्लान और लैंड पूलिंग नीति पर बनेगी विशेष कार्ययोजना

आवास सचिव डॉ. राजेश ने कहा कि आवास विभाग सभी विकास प्राधिकरणों के साथ समन्वय बनाकर काम करेगा। प्राधिकरण स्तर पर शासन में लंबित महत्वपूर्ण योजनाओं को प्राथमिकता पर निस्तारित किया जाएगा। उन्होंने बताया कि सभी विकास प्राधिकरणों के साथ माहवार समीक्षा बैठकें आयोजित की जाएंगी। प्रदेश के कई शहरों के मास्टर प्लान लंबे समय से लंबित हैं, जिन्हें समयबद्ध रूप से पूरा करने के लिए विशेष कार्ययोजना बनाई जाएगी। साथ ही लैंड पूलिंग नीति के तहत लैंड बैंक बढ़ाने पर भी विशेष जोर दिया जाएगा, ताकि सरकारी आवासीय योजनाओं के लिए भूमि की उपलब्धता सुनिश्चित हो सके।

स्थलीय निरीक्षण कर खुद करेंगे परियोजनाओं की निगरानी

आवास सचिव ने यह भी कहा कि वे स्वयं सभी महत्वपूर्ण और निर्माणाधीन परियोजनाओं का स्थलीय निरीक्षण करेंगे। उन्होंने कहा कि मौके पर जाकर कार्यों की वास्तविक स्थिति का आकलन करने से समस्याओं की पहचान आसान होती है और समय रहते उनका समाधान किया जा सकता है। इससे परियोजनाओं की गुणवत्ता और समयबद्धता दोनों सुनिश्चित की जा सकेगी।

आवास सचिव ने स्पष्ट निर्देश दिए कि सभी परियोजनाओं को तय समयसीमा के भीतर पूर्ण किया जाए और निर्माण गुणवत्ता से किसी भी प्रकार का समझौता न किया जाए। उन्होंने कहा कि विकास कार्यों की गति के साथ-साथ गुणवत्ता और पारदर्शिता सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

आवास सचिव डॉ राजेश ने एमडीडीए द्वारा विकसित और संचालित पार्कों के रखरखाव पर भी सख्त रुख अपनाया। उन्होंने निर्देश दिए कि पार्कों में गंदगी फैलाने या सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचाने वालों पर पेनल्टी की प्रभावी व्यवस्था लागू की जाए।

प्राधिकरण सचिव ने दी परियोजनाओं की विस्तृत जानकारी

एमडीडीए सचिव मोहन सिंह बर्निया ने प्राधिकरण की प्रमुख योजनाओं और परियोजनाओं की विस्तृत जानकारी दी। बैठक में वित्त नियंत्रक संजीव कुमार, अधिशासी अभियंता सुनील कुमार, सहायक अभियंता अजय मलिक, सहायक अभियंता सुनील गुप्ता, लेखपाल नजीर अहमद तथा वास्तुविद दृष्टि जैन सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

ऋषिकेश, देहरादून, आढ़त बाजार व इंदिरा मार्केट परियोजनाएं प्राथमिकता में शामिल

समीक्षा बैठक में मसूरीख्रदेहरादून विकास प्राधिकरण (एमडीडीए) ऋषिकेश, देहरादून तहसील क्षेत्र, आढ़त बाजार और इंदिरा मार्केट से जुड़ी परियोजनाओं की वर्तमान स्थिति की जानकारी ली गई। आवास सचिव ने इन सभी परियोजनाओं को प्राथमिकता के आधार पर शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि बाजारों और सार्वजनिक स्थलों का सुव्यवस्थित विकास न केवल शहर की सुंदरता बढ़ाता है, बल्कि आमजन को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने के साथ स्थानीय व्यापार को भी मजबूती देता है।

छेड़छाड़ मामले में पुलिस की कार्रवाई पर उठे सवाल

देहरादून। नेहरू कॉलोनी थाना क्षेत्र में महिला से छेड़छाड़ के एक मामले में कार्रवाई न होने को लेकर पीड़िता ने जिला प्रशासन का दरवाजा खटखटाया है। पीड़िता की शिकायत के अनुसार पुलिस कांस्टेबल प्रदीप जुयाल पर छेड़छाड़ का आरोप है, लेकिन शिकायत दर्ज होने के बाद भी अब तक गिरफ्तारी नहीं की गई।पीड़िता ने आरोप लगाया कि घटना के बाद स्वाति नेगी उर्फ स्वाति सिंह और आशीष नैथानी ने साजिश के तहत उसके घर पर आकर परिजनों के साथ मारपीट की। इस संबंध में नेहरू कॉलोनी थाने में मारपीट का मुकदमा दर्ज किया गया है, जबकि छेड़छाड़ के आरोप में सख्त कार्रवाई नहीं हुई। पीड़िता का कहना है कि हमले का वीडियो साक्ष्य के रूप में पुलिस को सौंपा जा चुका है।मामले में पीड़िता ने जिला मजिस्ट्रेट से हस्तक्षेप कर आरोपी पुलिसकर्मी प्रदीप जुयाल की गिरफ्तारी और निष्पक्ष जांच की मांग की है। पुलिस का कहना है कि प्रकरण की जांच जारी है।

घर के भेदी ने ही डाला बुजुर्ग महिला के घर पर डाका, पूर्व ड्राइवर समेत 3 गिरफ्तार

देहरादून। दून पुलिस ने राजपुर क्षेत्र में एक बुजुर्ग महिला के साथ हुई सनसनीखेज लूट का खुलासा करते हुए मुख्य साजिशकर्ता (पूर्व ड्राइवर) सहित तीन अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से शत–प्रतिशत माल बरामद कर लिया है, जिसमें 8 लाख रुपये की ज्वेलरी और 1.5 लाख से अधिक की नगदी शामिल है।पकड़ा गया मुख्य आरोपी शफात अली (निवासी उत्तर प्रदेश, बाराबंकी) पहले पीड़ित भुवन गांधी के घर पर ड्राइवर था। उसे पता था कि घर में सीसीटीवी कैमरे नहीं हैं। 17 जनवरी की रात जब भुवन गांधी दिल्ली गए हुए थे, तब शफात ने अपने साले नदीम और रिश्तेदार इश्तियाक (दोनों निवासी अमेठी, उत्तर प्रदेश) के साथ मिलकर पिछली खिड़की से घर में प्रवेश किया और बुजुर्ग महिला को डरा–धमकाकर लूटपाट की।एसएसपी देहरादून के नेतृत्व में गठित राजपुर पुलिस और एसओजी की टीम ने बुधवार को चेकिंग के दौरान किरसाली चौक के पास से तीनों को वैगन–आर कार सहित दबोच लिया। इनके पास से लूटा गया आईफोन भी बरामद हुआ है।

एक करोड़ की रंगदारी मांगने पर प्रॉपर्टी डीलर के खिलाफ मुकदमा

शाह टाइम्स संवाददता

देहरादून। शहर के एक प्रतिष्ठित बिल्डर और श्आर.ए. कंस्ट्रक्शनश के पार्टनर को सोशल मीडिया के जरिए बदनाम करने और भारी रकम वसूलने की धमकी देने का सनसनीखेज मामला सामने आया है।

डालनवाला थाना पुलिस ने पीड़ित की तहरीर पर आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।राजेंद्र अग्रवाल निवासी नवयुग एन्क्लेव, ने पुलिस को दी गई शिकायत में बताया कि व्योम शर्मा (निवासी प्रेमनगर, मूल निवासी सहारनपुर) खुद को रियल एस्टेट एजेंट बताकर उन्हें लंबे समय से प्रताड़ित कर रहा है। आरोप है कि व्योम शर्मा ने पीड़ित की व्यावसायिक छवि खराब करने के नाम पर अब तक लगभग 17 लाख रुपये वसूले हैं। अब वह 1 करोड़ रुपये की अतिरिक्त अवैध मांग कर रहा है।पीड़ित का आरोप है कि पैसे न देने पर आरोपी इंस्टाग्राम और फेसबुक जैसे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर उनके और उनकी फर्म के खिलाफ अपमानजनक वीडियो और संदेश पोस्ट कर रहा है। आरोपी ने कथित तौर पर पीड़ित को जान से मारने की धमकी भी दी है।डालनवाला पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए धारा 384 (रंगदारी) और अन्य सुसंगत धाराओं में मुकदमा पंजीकृत कर लिया है। मामले की जांच उप–निरीक्षक विजेंद्र सिंह कुमई को सौंपी गई है। पुलिस अब आरोपी के सोशल मीडिया रिकॉर्ड्स और बैंक ट्रांजेक्शन की जांच कर रही है।

हाकिम सिंह को हाईकोर्ट से राहत

देहरादूनः उत्तराखंड हाईकोर्ट ने कथित नकल माफिया गिरोह के सरगना के नाम से चर्चित हाकम सिंह की जमानत प्रार्थना पत्र पर सुनवाई की। न्यायमूर्ति आलोक महरा की कोर्ट ने हाकम सिंह को जमानत पर रिहा करने के आदेश दे दिए हैं। हाकम सिंह के सहयोगी पंकज गौड़ की जमानत पहले ही 14 जनवरी को न्यायमूर्ति आशीष नैथानी की एकलपीठ में मंजूर कर दी थी. हाईकोर्ट के अवकाशकालीन जज न्यायमूर्ति आलोक महरा की एकलपीठ के समक्ष बुधवार को हाकम सिंह की जमानत अर्जी सुनवाई पेश हुई। याचिकाकर्ता की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता अवतार सिंह रावत ने कोर्ट को बताया कि हाकम सिंह खिलाफ नकल कराने के साक्ष्य नहीं हैं। पुलिस ने हामक को उसे पूर्व के रिकॉर्ड के आदार पर गिरफ्तार किया था।

एमडीडीए की अवैध निर्माण व प्लॉटिंग पर सख्त कार्रवाई लगातार जारी

हरभजवाला व मेहुवाला क्षेत्र में अवैध प्लॉटिंग ध्वस्त

मुख्य संवाददाता शाह टाइम्स

देहरादून। मसूरी–देहरादून विकास प्राधिकरणद्वारा प्राधिकरण क्षेत्रान्तर्गत किए जा रहे अवैध निर्माणों एवं अवैध प्लॉटिंग के विरुद्ध सख्त कार्रवाई लगातार जारी है। एमडीडीए द्वारा नियमों का उल्लंघन व अवैध गतिविधियों पर निरंतर निगरानी रखते हुए सीलिंग एवं ध्वस्तीकरण की कार्रवाई की जा रही है।

बुधवार को प्राधिकरण क्षेत्र में चिन्हित अवैध प्लॉटिंग पर नियमानुसार ध्वस्तीकरण की कार्रवाई की गई। एमडीडीए की टीम द्वारा देहरादून के निकट हरभजवाला पुल क्षेत्र में हितबद्ध व्यक्ति/भू–स्वामी द्वारा लगभग 08 बीघा भूमि में की जा रही अवैध प्लॉटिंग को ध्वस्त किया गया। बिना स्वीकृति विकसित की जा रही इस प्लॉटिंग को विकास प्राधिकरण के नियमों के विपरीत पाया गया, जिस पर तत्काल कार्रवाई करते हुए जेसीबी के माध्यम से ध्वस्तीकरण किया गया।इसके अलावा अरुण चौहान द्वारा तुन्तोवाला रोड, मेहुवाला माफी क्षेत्र में लगभग 04 से 05 बीघा भूमि पर की जा रही अवैध प्लॉटिंग पर भी एमडीडीए द्वारा कार्रवाई की गई। संबंधित स्थल पर बिना लेआउट स्वीकृति एवं आवश्यक अनुमति के प्लॉट काटे जा रहे थे। ध्वस्तीकरण की यह कार्रवाई संयुक्त सचिव गौरव चटवाल के आदेशों के अनुपालन में सहायक अभियंता विजय सिंह रावत, अवर अभियंता अभिजीत सिंह थलवाल तथा सुपरवाइजर सहित प्राधिकरण की प्रवर्तन टीम की मौजूदगी में गई। कार्रवाई के दौरान किसी भी प्रकार की अप्रिय स्थिति से निपटने के लिए आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गई थीं। भविष्य में भी अवैध निर्माणों और प्लॉटिंग के विरुद्ध इसी प्रकार सख्त कार्रवाई जारी रहेगी और नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कोई ढील नहीं दी जाएगी।

शहरी विकास को नियोजित और सुरक्षित बनाना है प्राधिकरण का उद्देश्य : तिवारी

उपाध्यक्ष एमडीडीए बंशीधर तिवारी ने कहा कि मसूरी, देहरादून विकास प्राधिकरण क्षेत्र में अवैध निर्माण और अवैध प्लॉटिंग के खिलाफ अभियान चलाया जा रहा है। प्राधिकरण का उद्देश्य शहरी विकास को नियोजित और सुरक्षित बनाना है। अवैध प्लॉटिंग से न केवल शहर का स्वरूप बिगड़ता है, बल्कि आम नागरिकों की मेहनत की कमाई भी जोखिम में पड़ जाती है। एमडीडीए अवैध गतिविधियों के प्रति जीरो टॉलरेंस की नीति पर काम कर रहा है। हम सभी नागरिकों से अपील करते हैं कि किसी भी प्रकार की भूमि खरीदने से पहले उसकी वैधता की जांच अवश्य करें। भविष्य में भी नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कठोर कार्रवाई जारी रहेगी और किसी को भी कानून से ऊपर नहीं माना जाएगा।

अवैध गतिविधियों के विरुद्ध भविष्य में भी नियमित अभियान जारी रहेगा:बर्निया

सचिव एमडीडीए मोहन सिंह बर्निया ने कहा कि प्राधिकरण द्वारा अवैध प्लॉटिंग एवं निर्माण पर नियमानुसार सख्त कार्रवाई की जा रही है। आज की कार्रवाई भी उसी क्रम में की गई है। एमडीडीए का प्रयास है कि क्षेत्र में नियोजित विकास सुनिश्चित हो और आमजन को किसी प्रकार की परेशानी न हो। सभी निर्माण कार्य प्राधिकरण की स्वीकृति के बाद ही किए जाएं, यह सुनिश्चित करना भू–स्वामियों की जिम्मेदारी है। अवैध गतिविधियों के विरुद्ध भविष्य में भी नियमित अभियान जारी रहेगा।

जिला चिकित्सालय में स्वास्थ्य सुविधओं को रखें दुरुस्तः डॉ. शर्मा

मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने ली जिला चिकित्सालय की समीक्षा बैठक, आपात चिकित्सा सेवाओं सहित ओपीडी एवं आईपीडी सेवाओं का भी जायजा लिया

मुख्य संवाददाता शाह टाइम्स

देहरादून।स्वास्थ्य मंत्री डॉ धन सिंह रावत के दिशा निर्देशानुसार बुधवार को जिला चिकित्सालय देहरादून में मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ मनोज कुमार शर्मा की अध्यक्षता में स्वास्थ्य सेवाओं, सुविधाओं एवं कार्यक्रमों की समीक्षा बैठक की गयी।बैठक में प्रमुख चिकित्सा अधीक्षक डॉ मनु जैन, वरिष्ठ चिकित्साधिकारी डॉ नरेंद्र त्यागी, चिकित्सालय के वरिष्ठचिकित्सक, विशेषज्ञ चिकित्सक, समस्त विभागों के इंचार्ज, नर्सिंग इंचार्ज, सहित मुख्य प्रशासनिक अधिकारी, जन संपर्क अधिकारी सहित अन्य कर्मचारी उपस्थित रहे।बैठक में सीएमओ ने निर्देश दिये कि चिकित्सालय में 24 घंटे ड्यूटी रोस्टर के अनुसार चिकित्सकों एवं कर्मचारियों की उपलब्धता सुनिश्चित की जाये। चिकित्सालय परिसर, प्रतीक्षा स्थल एवं वार्डों में साफ सफाई का विशेष ध्यान दें। वार्डों में हीटर एवं गर्म पानी की व्यवस्था के साथ–साथ स्वच्छ बेड शीट, कंबल आदि की व्यवस्था रहे। मरीजों के लिए भोजन की गुणवत्ता पर ध्यान दें। इस अवसर पर डॉ मनोज कुमार शर्मा ने आपात चिकित्सा सेवाओं सहित ओपीडी एवं आईपीडी सेवाओं का भी जायजा लिया।

केदारपुरम नारी निकेतन में अब दर्द नहीं, नई मुस्कान का बसेरा

डीएम सविन बंसल की पहल,1 वर्ष के रिकॉर्ड समय में बुजुर्गों के लिए 30 बेड का भवन तैयार

शाह टाइम्स संवाददाता

देहरादून। केदारपुरम स्थित राजकीय नारी निकेतन और बाल गृह की तस्वीर अब पूरी तरह बदल चुकी है। माननीय मुख्यमंत्री की प्रेरणा और जिलाधिकारी सविन बंसल की नियमित मॉनिटरिंग का परिणाम है कि आज यहाँ रहने वाली महिलाओं और बच्चों को न केवल सुरक्षित आश्रय मिला है, बल्कि एक आत्मीय परिवार जैसा माहौल भी मिल रहा है।अकेली रह गई बुजुर्ग महिलाओं के लिए डीएम की पहल पर 30 बेड का दो मंजिला भवन रिकॉर्ड एक वर्ष में पूर्णता की ओर है। जिला योजना एवं खनिज न्यास से बजट आवंटित कर यहाँ सीवर लाइन, डोरमेट्री और आवास जैसी सुविधाओं को सुदृढ़ किया गया है।कौशल विकास से आत्मनिर्भरता की ओर कदम

निकेतन में केवल रहने की व्यवस्था ही नहीं, बल्कि भविष्य संवारने के अवसर भी दिए जा रहे हैं। बच्चों को शैक्षणिक ज्ञान के साथ कंप्यूटर शिक्षा दी जा रही है।महिलाओं को क्राफ्ट डिजाइन, सिलाई और ऊनी वस्त्रों की कढ़ाई–बुनाई सिखाई जा रही है। योग, संगीत और खेलों (खो–खो, कबड्डी) के माध्यम से मानसिक व शारीरिक स्वास्थ्य पर जोर दिया जा रहा है।संस्थान में वर्तमान में 178 महिलाएँ, 21 बालिकाएँ और 23 बच्चे रह रहे हैं। इनकी सुरक्षा के लिए अतिरिक्त होमगार्ड और स्वास्थ्य देखभाल हेतु दो नर्सों की तैनाती के साथ डॉक्टरों की नियमित विजिट सुनिश्चित की गई है।परिसर की दीवारों पर बनी पेंटिंग और पुष्प वाटिका यहाँ सकारात्मक ऊर्जा का संचार कर रही हैं।

कबाड़ बीनने के बहाने रैकी कर उड़ाए थे 9 लाख के जेवर

शाह टाइम्स संवाददाता

डोईवाला। एसएसपी अजय सिंह के निर्देश पर अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत क्षेत्राधिकारी डोईवाला के निर्देशन डोईवाला पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी है। पुलिस ने अठूरवाला क्षेत्र में हुई बड़ी नकबजनी का खुलासा करते हुए दो शातिर चोरों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के पास से चोरी किए गए शत–प्रतिशत जेवरात बरामद कर लिए गए हैं।जिनकी बाजार में कीमत लगभग 9 लाख रुपये आंकी गई है।बीते 13 जनवरी को अठूरवाला निवासी पवन चन्द ने पुलिस को तहरीर दी थी कि उनके परिवार के गांव जाने के दौरान अज्ञात चोरों ने घर के ताले तोड़कर लाखों की ज्वैलरी चोरी कर ली है।

पुलिस ने मु0अ0स0– 16/2026 के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू की।

क्षेत्राधिकारी डोईवाला विवेक कुटियाल ने बताया कि सीसीटीवी फुटेज और मुखबिर तंत्र की मदद से पुलिस ने मंगलवार को एयरपोर्ट तिराहा, जौलीग्रांट के पास से दो संदिग्धों को घेराबंदी कर दबोच लिया। पुलिस ने पकड़े गए बदमाशों के नाम जचिन्द्र नाथ व गुड्डू नाथ पुत्र राजेन्द्र नाथ निवासी सपेरा बस्ती भानियावाला बताएं।वही उनके कब्जे से चोरी के जेवरात को भी बरामद किया हैकबाड़ी बनकर करते थे रैकी

पूछताछ में आरोपियों ने खुलासा किया कि वे कबाड़ बीनने का काम करते हैं।

इसी बहाने वे दिन में बंद पड़े घरों की रैकी करते थे। मौका मिलते ही उन्होंने पवन चन्द के घर में चोरी को अंजाम दिया। आरोपी बरामद जेवरात बेचने की फिराक में थे, लेकिन पुलिस ने उन्हें पहले ही पकड़ लिया।सफलता दिलाने वाली टीम में चौकी प्रभारी जौलीग्रांट नवीन डंगवाल, शहबान अली, सचिन राणा, सचिन सैनी और कुलदीप कुमार शामिल रहे

जोशी ने ऋषिकेश में किया गृहमंत्री शाह का स्वागत एवं अभिनंदन

देहरादून। कृषि मंत्री गणेश जोशी ने बुधवार को ऋषिकेश में देश के केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह का देवभूमि उत्तराखण्ड आगमन पर स्वागत एवं अभिनंदन किया।

नियम तोड़ने वाले 28 वाहनों का चालान

बागेश्वर। जनपद पुलिस द्वारा यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ अभियान चलाया। नियम तोड़ने वाले 28 वाहनों पर कार्यवाही की गई। एक वाहन सीज तथा 3 वाहनो का कोर्ट का चालान किया गया। पुलिस कप्तान के निर्देशन में जनपद पुलिस द्वारा लगातार यातायात नियमों और पुलिस आदेशों का उल्लंघन करने वाले चालकों के विरुद्ध विशेष चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में बुधवार को यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले 28 वाहन चालकों के विरुद्ध मोटर वाहन अधिनियम के तहत कार्यवाही की गई। गंभीर उल्लंघन पाए जाने पर 1 वाहनों को मौके पर ही सीज किया गया।

बिल्ड बैक बैटर के लक्ष्य को ध्यान में रखें विभाग:सुमन

सचिव आपदा प्रबंधन ने की सेंदाई फ्रेमवर्क के तहत विभागीय प्रगति की समीक्षा,एक सप्ताह में एक्शन प्लान बनाने के दिए निर्देश

मुख्य संवाददाता शाह टाइम्स

देहरादून। सचिव आपदा प्रबंधन एवं पुनर्वास विनोद कुमार सुमन ने बुधवार को राज्य के विभिन्न विभागों द्वारा सेंडई फ्रेमवर्क के अंतर्गत किए जा रहे कार्यों की प्रगति की समीक्षा की। राज्य आपातकालीन परिचालन केंद्र में आयोजित बैठक में उन्होंने सेंडई फ्रेमवर्क (2015-2030) के लक्ष्यों की समयबद्ध प्राप्ति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। इस दौरान उन्होंने सभी विभागों को एक सप्ताह के भीतर अपने–अपने विभाग का एक्शन प्लान प्रस्तुत करने को कहा।

समीक्षा बैठक के दौरान सचिव आपदा प्रबंधन एवं पुनर्वास सुमन ने कहा कि सेंदाई फ्रेमवर्क आपदाओं से होने वाली जनहानि, प्रभावित लोगों की संख्या, आर्थिक क्षति तथा बुनियादी सेवाओं और महत्वपूर्ण अवसंरचनाओं को होने वाले नुकसान को न्यूनतम करने की दिशा में एक वैश्विक रूपरेखा प्रदान करता है। इसके प्रभावी क्रियान्वयन के लिए राज्य के सभी विभागों को अपनी विभागीय आपदा प्रबंधन योजना तैयार करनी होगी तथा प्रत्येक विभाग में आपदा प्रबंधन प्रकोष्ठ की स्थापना सुनिश्चित की जाएगी।

श्री सुमन ने कहा कि सेंदाई फ्रेमवर्क की पहली प्राथमिकता आपदा जोखिम को समझना है। इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए आपदा से संबंधित आंकड़ों का व्यवस्थित संग्रह, विश्लेषण एवं उपयोग अत्यंत आवश्यक है। इसके अंतर्गत आपदाओं से हुई क्षति का वैज्ञानिक मूल्यांकन, सामाजिक, आर्थिक, स्वास्थ्य, शिक्षा, पर्यावरण एवं सांस्कृतिक विरासत पर पड़ने वाले प्रभावों की समझ, प्रशिक्षण एवं शिक्षा के माध्यम से सभी हितधारकों की क्षमता वृद्धि तथा वैज्ञानिक ज्ञान के साथ स्थानीय एवं पारंपरिक अनुभवों के समन्वय को बढ़ावा दिया जाएगा।दूसरी प्राथमिकता, आपदा जोखिम प्रबंधन को सुदृढ़ करना पर बोलते हुए उन्होंने कहा कि इसके लिए तकनीकी, वित्तीय एवं प्रशासनिक व्यवस्थाओं को मजबूत करना होगा। भूमि उपयोग, शहरी नियोजन, भवन निर्माण संहिता, पर्यावरण संरक्षण, स्वास्थ्य एवं सुरक्षा मानकों से संबंधित नियमों को सुदृढ़ करते हुए उनका कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जाएगा। इसके साथ ही जनपद एवं राज्य स्तर पर आपदा जोखिम न्यूनीकरण से संबंधित संस्थागत ढांचे को मजबूत किया जाएगा।

तीसरी प्राथमिकता आपदा जोखिम न्यूनीकरण में निवेश के संबंध में उन्होंने कहा कि शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में जोखिम कम करने हेतु योजनाओं को बढ़ावा दिया जाएगा। विकास योजनाओं में आपदा जोखिम मूल्यांकन, मानचित्रण एवं प्रबंधन को अनिवार्य रूप से शामिल किया जाएगा तथा राज्य की महत्वपूर्ण अवसंरचनाओं और सेवाओं को सुरक्षित बनाने के लिए दीर्घकालिक रणनीतियाँ अपनाई जाएंगी। साथ ही स्थानीय, जनपद एवं राज्य स्तर पर जोखिम न्यूनीकरण रणनीतियों को अपनाने वाले विभागों एवं संस्थानों की संख्या बढ़ाने पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। चौथी प्राथमिकता आपदा के प्रति तैयारी तथा प्रभावी प्रतिक्रिया एवं पुनर्निर्माण को लेकर उन्होंने कहा कि आपदा पूर्व तैयारी, जन–जागरूकता, त्वरित प्रतिक्रिया क्षमता, आवश्यक संसाधनों की उपलब्धता तथा तकनीकी एवं लॉजिस्टिक क्षमताओं का सुदृढ़ीकरण अत्यंत आवश्यक है। आपदा पश्चात पुनर्वास एवं पुनर्निर्माण कार्यों में बिल्ड बैक बेटर की अवधारणा को अपनाते हुए भविष्य की आपदाओं के प्रति जोखिम को कम किया जाएगा।सचिव आपदा प्रबंधन एवं पुनर्वास सुमन ने निर्देश दिए कि सभी विभाग अपनी योजनाओं, कार्यक्रमों एवं कार्यों में आपदा जोखिम न्यूनीकरण से संबंधित प्रावधानों को अनिवार्य रूप से शामिल करें।

विभागीय परिसंपत्तियों एवं अवसंरचनाओं पर संभावित खतरों का आकलन, जोखिम कम करने हेतु योजनाओं का विकास एवं क्रियान्वयन, जन–जागरूकता, प्रशिक्षण, शोध एवं क्षमता विकास को प्राथमिकता दी जाए। बैठक में वरिष्ठ आपदा जोखिम न्यूनीकरण विशेषज्ञ डॉ. पीडी माथुर ने बताया गया कि सेंडई फ्रेमवर्क के तहत निर्धारित प्रमुख लक्ष्यों में आपदाओं से होने वाली मृत्यु दर में कमी, प्रभावित लोगों की संख्या में कमी, सकल घरेलू उत्पाद के सापेक्ष आर्थिक क्षति में कमी, स्वास्थ्य, शिक्षा एवं अन्य बुनियादी सेवाओं तथा महत्वपूर्ण अवसंरचनाओं को होने वाले नुकसान में कमी तथा आपदा जोखिम न्यूनीकरण रणनीतियों को अपनाने वाले विभागों की संख्या में वृद्धि शामिल है।इस अवसर पर संयुक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी मो ओबैदुल्लाह अंसारी, यूएलएमएमसी के निदेशक डॉ. शांतनु सरकार, विभिन्न रेखीय विभागों के अधिकारी तथा यूएसडीएमए के विशेषज्ञ उपस्थित रहे।

शताब्दी समारोह में संतों व विशेषज्ञों का पर्यावरण संरक्षण पर मंथन

गायत्री परिवार में है अकूत वैचारिक क्षमता : स्वामी अवधेशानंद

शाह टाइम्स संवाददाता

हरिद्वार। नवयुग के निर्माण के लिए पर्यावरण संरक्षण के साथ सद्ज्ञान का समन्वय अनिवार्य है। इसी भावभूमि पर शांतिकुंज में आयोजित शताब्दी समारोह के अंतर्गत संतों, योगाचार्यों और विशेषज्ञों ने पर्यावरण संरक्षण व शुद्धि पर गहन विचार-मंथन किया। इस अवसर पर जूना अखाड़ा के पीठाधीश्वर स्वामी अवधेशानंद गिरि ने कहा कि जिस समाज में एक कन्या को दस पुत्रों के समान माना गया है, वहाँ एक वृक्ष का महत्व दस कन्याओं से भी अधिक है, क्योंकि वृक्ष केवल एक जीवन नहीं, बल्कि समूची धरती की श्वास को जीवित रखते हैं। उन्होंने कहा कि जिन सभ्यताओं ने कभी वृक्षों को देवता, नदियों को माँ और पर्वतों को गुरु माना, आज वही प्रकृति के कोप का दंश झेल रही हैं। अंधाधुंध उपभोग और प्रकृति से दूरी ने पर्यावरण संतुलन को गहरी चोट पहुँचाई है। स्वामी जी ने प्लास्टिक के पूर्ण त्याग और वृक्षारोपण को जीवन-संस्कार बनाने का आह्वान करते हुए कहा

कि विवाह-वर्षगांठ, जन्मदिवस और मांगलिक अवसरों को हरित-संकल्प से जोड़ा जाए। स्वामी रामदेव ने कहा कि गायत्री परिवार कोई सामान्य संगठन नहीं, बल्कि महाशिव वेद तीर्थ और सनातन चेतना का जीवंत केंद्र है। न्यूनतम संसाधनों में इतनी व्यापक और सशक्त रचना खड़ी कर देना शांतिकुंज की अद्भुत साधना और दृष्टि का प्रमाण है। शांतिकुंज उन्हें संस्था नहीं, बल्कि युग को दिशा देने वाली चेतना के रूप में दिखाई देता है। स्वामी रामदेव जी ने बताया कि पतंजलि योगपीठ के शोध संस्थानों की प्रेरणा उन्हें परम पूज्य गुरुदेव पं. श्रीराम शर्मा आचार्य द्वारा स्थापित ब्रह्मवर्चस शोध संस्थान से मिली। उन्होंने कहा कि गायत्री परिवार के साधक केवल गायत्री का गायन नहीं करते, बल्कि उसे जीते हैं। शताब्दी समारोह के दलनायक डॉ. चिन्मय पंड्या जी ने पर्यावरण संकट पर गंभीर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि आज प्रदूषण से होने वाली असमय मृत्यु युद्ध और आतंकवाद से भी अधिक हो चुकी है। मानव की साँसें या तो दुर्लभ होती जा रही हैं या विषैली बन चुकी हैं। उन्होंने कहा कि अंत:करण की विकृति का प्रभाव पर्यावरण पर अवश्य पड़ता है। यह संकट मानव की 360 डिग्री जिम्मेदारी है, जो प्रकृति, समाज और आने वाली पीढ़ियों तक विस्तृत है। उन्होंने हजारों स्वयंसेवकों को संकल्प दिलाया कि देश के प्रत्येक जिले में परम वंदनीया माताजी के नाम से उपवन स्थापित किए जाएंगे, तीर्थों का शुद्धिकरण होगा और नदियों, विशेषकर गंगा माँ के संरक्षण को जन-आंदोलन बनाया जाएगा।

इस अवसर पर अतिथियों ने आंवला सहित विभिन्न पौधों का पूजन किया गया, जिन्हें देश-विदेश से आए स्वयंसेवकों में वितरित किया जाएगा। कार्यक्रम में पीआईबी (पूर्व क्षेत्र) के प्रधान महानिदेशक भूपेंद्र कैंथोला, भारतीय नदी परिषद के संस्थापक रमणकांत, मुख्यमंत्री के सलाहकार मनु गौड़, सूरतगिरि बंगला के अध्यक्ष स्वामी विश्वेश्वरानंद, राष्ट्रीय स्वयंसेवक के वरिष्ठ पदाधिकारी गोपाल आर्य, किशोर उपाध्याय स्थानीय विधायक मदन कौशिक सहित अनेक गणमान्यजन उपस्थित रहे।

जन जन की सरकार जन जन के द्वार कार्यक्रम में

768 लोगों को विभिन्न योजनाओं से किया गया लाभान्वित

शाह टाइम्स संवाददाता

हरिद्वार। अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) दीपेंद्र सिंह नेगी की अध्यक्षता में विकासखंड बहादराबाद के न्याय पंचायत बहादुरपुर जट नेहरू मेमोरियल जूनियर हाई स्कूल में जन-जन की सरकार, जन-जन के द्वार शिविर में विभिन्न विभागों के माध्यम से संचालित जन कल्याणकारी योजनों से 768 क्षेत्रवासियों को लाभान्वित किया गया तथा विभिन्न विभागों के माध्यम से 187 लोगों को विभिन्न प्रमाण पत्र निर्गत किए गए, इस शिविर में 2176 लोगों द्वारा किया गया प्रतिभाग। आयोजित शिविर ने क्षेत्रवासियों द्वारा विभिन्न विभागों से संबंधित 94 समस्याएं दर्ज कराई गई, जिसमें 29 समस्याओं का मौके पर निस्तारण किया गया,शेष समस्याओं को त्वरित निस्तारण हेतु संबंधित विभागों को प्रेषित किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उपाध्यक्ष, समाज कल्याण योजनाएं अनुश्रवण समिति (राज्यमंत्री स्तर) देशराज कर्णवाल ने कहा कि प्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के निर्देशानुसार प्रदेश की सभी न्याय पंचायतों में यह अभियान चलाया जा रहा है। इसका उद्देश्य विभिन्न विभागों द्वारा संचालित जन-कल्याणकारी योजनाओं का लाभ पात्र नागरिकों तक पहुँचाना है तथा उनकी समस्याओं का त्वरित गति से समाधान सुनिश्चित करना है। उन्होंने कहा कि जन जन की सरकार जन जन के द्वार आयोजित हो रहे शिविरो में भारी संख्या में ग्रामीण पहुंच रहे है तथा शिविर में विभिन्न विभागों की जन-कल्याणकारी योजनाओं से लाभान्वित किया जा रहा है। इस दौरान क्षेत्रवासियों द्वारा विभिन्न विभागों से संबंधित कुल 94 समस्याएं दर्ज कराई गईं, जिनमें से 29 शिकायतों का मौके पर ही निस्तारण कर दिया गया।जिनमें भूमि विवाद, अतिक्रमण, विद्युत विभाग के बिल, जलभराव, चकरोड़ एवं साफ-सफाई से जुड़ी समस्याएं प्रमुख रहीं।उन्होंने कहा कि बहुउद्देशीय शिविर के माध्यम से क्षेत्रीय जनता को भरपूर लाभ हो रहा है।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए पूर्व कैबिनेट मंत्री/भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष यतीश्वरानंद ने कहा कि मुख्यमंत्री के कुशल नेतृत्व ने सरकार की कही महत्वकांक्षी योजनाएं संचालित हो रही है,उन योजनाओं का लाभ आम जन को उपलब्ध कराने के उद्देश्य से जन जन की सरकार जन जन के द्वार कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे है,जिसके की योजना का लाभ आमजन को उपलब्ध कराए जा सके। राज्य मंत्री एवं पूर्व कैबिनेट मंत्री/भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष द्वारा शिविर में लगाए गए विभिन्न विभागों के स्टालों का भी निरीक्षण किया। अपर जिलाधिकारी राजस्व एवं प्रशासन ने संबंधित अधिकारियों को कहा कि जिन शिकायतों का जन जन की सरकार जन जन के द्वार कार्यक्रम में निस्तारित नहीं हो पाया है उन शिकायतों का तत्परता से निराकरण करना सुनाश्चित करे। शिविर में राज्य मंत्री जयपाल सिंह चौहान,उपाध्यक्ष जिला पंचायत अमित चौहान, ब्लॉक प्रमुख श्रीमती आशा नेगी, कनिष्ठ उप प्रमुख ध मेंद्र सिंह,खंड विकास अधिकारी मानस मित्तल सहित क्षेत्र के समस्त ग्राम प्रधानगण, पंचायत सदस्यगण, अधिकारी व कर्मचारीगण और बड़ी संख्या में स्थानीय लोग मौजूद रहे।

शहजार होम्स ने किया राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन

शाह टाइम्स संवाददाता

हरिद्वार। वरिष्ठ नागरिकों की संस्था शहजार होम्स द्वारा सिडकुल स्थित स्थानीय होटल में एक दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किया गया। जिसमें उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश, राजस्थान, जम्मू-कश्मीर, उड़ीसा, आंध प्रदेश, कर्नाटक आदि राज्यों से 160 वरिष्ठ नागरिकों ने प्रतिभाग किया। सम्मेलन का उद्घाटन दून विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो.सुरेखा डंगवाल, हेल्पेज के ग्लोबल एम्बेसडर मैथ्यू चेरियन, बीएचईएल के पूर्व निदेशक एमके मित्तल एवं सीनियर केयर फाउन्डेशन की अध्यक्ष मालती जसवाल ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलन कर किया। सम्मेलन में एमके मित्तल को शहजार होम्स विशिष्ट सेवा सहयोग सम्मान और राहुल अरोड़ा को उत्कृष्ट संगीत शिक्षक अवार्ड से सम्मानित किया गया। मुख्य अतिथि दून विश्वविद्यालय की कुलपति प्रोफेसर डा.सुरेखा डंगवाल ने कहा कि वरिष्ठ नागरिक इतिहास के कालखंड हैं, जिन पर आने वाली संतति आधारित रहती है। वरिष्ठ नागरिकों को कभी भी किसी पर निर्भर ना होकर सहयोगात्मक व्यक्तित्व का धनी बनना चाहिए, जो परिवार और समाज के विकास में अपना और अधिक योगदान दें सके। शहजार होम्स के कार्यों की प्रशंसा करते हुए कुलपति प्रोफेसर सुरेखा डंगवाल ने कहा कि यह वरिष्ठ नागरिकों के लिए एक ऐसा मंच है, जहां वह अपना सुख-दुख भुलाकर एक नई दुनिया में रमे रहते हैं। समाजसेवी विचारक मैथ्यू चेरियन ने रोजमर्रा की जिदंगी में सही खानपान, व्यायाम और व्यक्ति के सामाजिक होने के महत्व पर जोर डाला। भेल के पूर्व निदेशक एमके मित्तल और इंस्पायरिंग सीनियर्स फाउंडेशन की अध्यक्ष मालती जसवाल ने बढ़ती उम्र के लोगों को एक सामाजिक जिम्मेदारी के रूप में लेने को कहा। डा.इंदु सुभाष ने वरिष्ठ जनों के कानूनी अधिकारों के बारे में जानकारी दी। पुणे से आई नैंसी कौल ने संस्था की अन्य गतिविधियों के बारे में प्रकाश डाला। भेल से सेवानिवृत शहजाद होम्स के सहनिदेशक सर्वेश गुप्ता ने वरिष्ठ जनों के अकेलेपन को दूर करने के लिए आयोजित किए जाने वाले डे केयर में कुछ भी बोलिए कार्यक्रम के बारे में जानकारी दी। उत्तर प्रदेश के प्रयागराज से आए पूर्व सीएमओ डा.पीके सिन्हा ने पुराने फिल्मी गाने अनोखे अंदाज में गाकर सभी का मन मोह लिया।

न्यायालय के आदेश पर पुलिस का एक्शन, तीन वारंटी दबोचे

शाह टाइम्स संवाददाता

हरिद्वार। माननीय न्यायालय द्वारा जारी गिरफ्तारी वारंटों का पालन सुनिश्चित करने के लिए हरिद्वार पुलिस ने प्रभावी अभियान चलाया। इस कड़ी में पुलिस टीम ने दबिश देकर अलग-अलग मामलों में वांछित चल रहे तीन वारंटियों को गिरफ्तार किया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, बुधवार को उपनिरीक्षक अनिल बिष्ट के नेतृत्व में पुलिस टीम ने क्षेत्र में छापेमारी की। इस दौरान पुलिस ने शिवकुमार (50 वर्ष) पुत्र चंद्रभान निवासी रावली महदूद, राजपाल निवासी ग्राम आनेकी और डॉ. अजीत पुत्र सतीश निवासी ब्रह्मपुरी (रावली महदूद) को उनके घरों से गिरफ्तार किया है। सिडकुल थानअध्यक्ष नितेश शर्मा ने बताया कि तीनों के खिलाफ कोर्ट से काफी समय से वारंट जारी थे, लेकिन ये पुलिस की पकड़ से बाहर चल रहे थे। पुलिस टीम ने तीनों को कोर्ट के आदेशों पर गिरफ्तार न्यायालय के समक्ष पेश किया गया है। पुलिस टीम में उपनिरीक्षक अनिल बिष्ट, कांस्टेबल कुलदीप डिमरी, कुलदीप शामिल रहे हैं।

कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने सिर मुंडवा कर शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद के साथ अभद्रता पर विरोध जताया

शाह टाइम्स संवाददाता

हरिद्वार। प्रयागराज में माघ मेले में शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद और उनके शिष्यों के साथ अभद्रता किए जाने पर कांग्रेस के पूर्व सभासद और कार्यकर्ताओं ने चंद्राचार्य चौक पर सिर मुंडवाकर विरोध जताया। विरोध में उत्तराखंड ब्राह्मण महासभा के प्रदेश अध्यक्ष पदम प्रकाश शर्मा व श्री अखंड परशुराम अखाड़े के अध्यक्ष पंडित अधीर कौशिक भी शामिल हुए। इस दौरान वरिष्ठ कांग्रेस नेता पूर्व सभासद अशोक शर्मा ने कहा कि भाजपा सरकार ब्राह्मणों का अपमान कर रही है। प्रयागराज में एक बटुक ब्राह्मण की शिखा खींचने की जितनी निंदा की जाए कम है। शिखा एक ब्राह्मण की पहचान है और भाजपा सरकार उस पहचान को मिटाना चाहती है। समस्त ब्राह्मणों को इसके खिलाफ आवाज उठानी चाहिए। पदम प्रकाश शर्मा व पंडित अधीर कौशिक ने कहा कि ब्राह्मण जिस दिन जागृत हुआ उस

दिन अहंकारी सरकार को बदल देगा। शंकराचार्य के साथ अभद्रता और ब्राह्मणों के साथ मारपीट कर सरकार क्या जताना चाहती है। कांग्रेस अनुसूचित विभाग के जिलाध्यक्ष तीर्थपाल रवि, पार्षद सुनील कुमार ने कहा कि ब्राह्मण पूजनीय होते हैं। उनका अपमान बर्दाश्त नहीं किया जा सकता है। ब्राह्मणों का अपमान करने बाद भाजपा सरकार की उल्टी गिनती शुरू हो गई है। इस अवसर पर पार्षद सोहित सेठी, हिमांशु गुप्ता, पूर्व पार्षद नेपाल सिंह, रवि बाबू शर्मा, अखिल त्यागी, ऋषभ वशिष्ठ, तरुण व्यास, पुनीत कुमार, मनोज सैनी, नकुल माहेश्वरी, एमडी शर्मा, सोम त्यागी, प्रेम शर्मा, आशु भारद्वाज, सार्थक ठाकुर, अमन शर्मा, यश शर्मा, दिव्यांश अग्रवाल, अनिल भास्कर, नीटू शर्मा, आशु श्रीवास्तव, लक्की महाजन, नासिर गौड, रिंकू शर्मा, अमित रस्तोगी, समर्थ अग्रवाल, मनोज जाटव, सागर बेनीवाल आदि शामिल रहे।

नसों और जोड़ों के इलाज में नई दिशा, डॉ. हेमंत जयसिंह ने खोजे नर्व थेरेपी के नए प्वाइंट्स

शाह टाइम्स संवाददाता

हरिद्वार। विनायक क्लीनिक के लोकप्रिय चिकित्सक डॉ. हेमंत जयसिंह ने नसों और जोड़ों से जुड़ी जटिल बीमारियों के उपचार में नई पहल करते हुए मैनुअल नर्व थेरेपी विकसित की है। रूमेटोलॉजिस्ट और पीडियाट्रिक न्यूट्रिशनिस्ट डॉ. जयसिंह नर्व थेरेपी के संस्थापक हैं और वे पारंपरिक उपचार पद्धतियों से हटकर अलग तरीके से मरीजों का इलाज करते हैं। यह थेरेपी फिट्स (मिर्गी), स्लिप डिस्क, सर्वाइकल, घुटनों में गैप, सेरेब्रल पाल्सी, ऑटिज्म, ए.वी.एन., बोन टीबी, पैरालिसिस, ऑटो इम्यून व जेनेटिक डिसऑर्डर जैसी बीमारियों में कारगर बताई जा रही है। डॉ. जयसिंह द्वारा किए गए उपचार से कई जटिल मामलों में उल्लेखनीय सुधार सामने आया है। कई मरीज व्हीलचेयर से मुक्त हुए हैं, वहीं अनेक रोगियों के मिर्गी के दौरे बंद हुए हैं। उपचार के लिए हरिद्वार, ज्वालापुर, कलखल के साथ-साथ धामपुर, नजीबाबाद, दिल्ली, पिथौरागढ़, रुद्रप्रयाग, चंडीगढ़, नेपाल और अमेरिका से भी मरीज आ रहे हैं। इसके अतिरिक्त अफगानिस्तान और ऑस्ट्रेलिया से भी उपचार संबंधी क्वेरियां प्राप्त हो रही हैं। वर्ष 2022 में उन्हें भारत चिकित्सा पुरस्कार और राष्ट्रीय गौरव अवार्ड से सम्मानित किया गया।

प्रारंभिक वर्षों में मर्म थेरेपी का अभ्यास करने के बाद डॉ. जयसिंह ने नर्व थेरेपी विकसित की, जिसमें मर्म बिंदुओं के साथ-साथ नसों और जोड़ों के विशेष प्वाइंट्स पर उपचार किया जाता है। शैक्षणिक रूप से वे गुरुकुल कांगड़ी विश्वविद्यालय से फार्मेसी स्नातक हैं और 2009 से 2019 तक लगातार तीन बार विश्वविद्यालय टॉपर रहे। उन्होंने रूमेटोलॉजी व बाल रोग में विशेषज्ञता, बाल चिकित्सा पोषण में स्नातकोत्तर प्रमाणपत्र और क्लिनिकल रिसर्च में डिप्लोमा प्राप्त किया है। साथ ही वे यूपीएससी ऑनलाइन एकेडमी से जुड़े लेखक व निदेशक हैं और 27 से अधिक प्रतियोगी पुस्तकों का लेखन कर चुके हैं। क्लीनिक के दूसरे सेक्शन में डॉ. वीनू जयसिंह (बी.ए.एम.एस., सी.जी.ओ.) द्वारा रसौली व गांठ का सफल उपचार किया जा रहा है।

त्याग और तपस्या की प्रतिमूर्ति थे स्वामी मोहनदास रामायणी : विष्णुदास

शाह टाइम्स संवाददाता

हरिद्वार। श्रीमहंत विष्णुदास महाराज ने कहा कि ब्रह्मलीन महामंडलेश्वर बाल योगी स्वामी मोहनदास रामायणी त्याग और तपस्या की प्रतिमूर्ति थे। भूपतवाला स्थित श्री सीताराम धाम में आश्रम के परमाध्यक्ष महंत सूरजदास महाराज के संयोजन में आयोजित गुरूजन श्रद्धा महोत्सव को संबोधित करते हुए श्रीमहंत विष्णुदास महाराज ने कहा कि गुरूजनों के प्रति सच्ची निष्ठा और श्रद्धा ही शिष्य को उन्नति के मार्ग पर ले जाती है। सभी को महंत सूरजदास महाराज की उनकी गुरूजनों के प्रति श्रद्धा से प्रेरणा लेनी चाहिए। नगर विधायक मदन कौशिक ने कहा कि धर्म संस्कृति और सेवा के लिए जीवन अर्पित करने वाले ब्रह्मलीन स्वामी मोहनदास रामायणी उच्च कोटि के संत थे। महामंडलेश्वर स्वामी हरिचेतनानंद व महामंडलेश्वर स्वामी ललितानंद गिरी ने कहा कि ब्रह्मलीन स्वामी मोहनदास रामायणी संत समाज के प्रेरणा स्रोत थे। सनातन धर्म के प्रचार प्रसार में उनका योगदान सभी के लिए प्रेरणादायी है। बाबा

हठयोगी व महंत रघुवीर दास ने कहा कि ब्रह्मलीन स्वामी मोहनदास रामायणी विद्वान संत थे। उन्होंने कहा कि महंत सूरजदास जिस प्रकार अपने गुरू के अधूरे कार्यो को आगे बढ़ा रहे हैं। वह अत्यंत प्रशंसनीय और प्रेरणादायी है। महंत सूरजदास महाराज ने सभी संत महापुरूषों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वे सौभाग्यशाली हैं कि गुरू के रूप में उन्हें ब्रह्मलीन महामंडलेश्वर बाल योगी स्वामी मोहनदास रामायणी जैसे प्रखर संत का सानिध्य प्राप्त हुआ। उन्होंने कहा कि गुरू के दिखाए मार्ग का अनुसरण करते हुए आश्रम की सेवा संस्कृति का विस्तार करना ही उनके जीवन का लक्ष्य है।

इस अवसर पर महंत रघुवीर दास, स्वामी ऋषिश्वरानंद, महंत बिहारी शरण, स्वामी विवेकानंद, महंत खेम सिंह, महंत दुर्गादास, महंत राजेंद्रदास, आईडी शास्त्री, महंत विनोद महाराज, महंत श्याम प्रकाश, महंत भोला गिरी, महंत राघवेंद्र दास, महंत हनुमान दास, स्वामी हरिवल्लभ दास शास्त्री, महंत प्रह्लाद दास, महंत नारायण दास पटवारी सहित सभी तेरह अखाड़ों के संत महापुरूष शामिल हुए। ट्रस्टी गुप्ता परिवार व मधुर शर्मा ने सभी संत महापुरूषों का फूलमाला पहनाकर स्वागत किया।

महिला कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष ज्योति रौतेला ने केंद्रीय गृहमंत्री को प्रेषित किया ज्ञापन

कानून व्यवस्था, महिला सुरक्षा और प्रशासनिक निष्क्रियता पर सवाल उठाते हुए कार्रवाई की मांग

शाह टाइम्स संवाददाता

हरिद्वार। महिला कांग्रेस की प्रदेश अध्यक्ष ज्योति रौतेला ने एसडीएम के माध्यम से केंद्रीय गृहमंत्री को ज्ञापन प्रेषित कर राज्य में कानून व्यवस्था, महिला सुरक्षा और प्रशासनिक निष्क्रियता पर गंभीर सवाल उठाते हुए कार्रवाई की मांग की है। गृहमंत्री को संबोधित ज्ञापन में महिला कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष ज्योति रौतेला ने कहा कि हाल के दिनों में उत्तराखंड में ऐसी कई घटनाएं सामने आई हैं। जिन्होंने प्रदेश की जनता, विशेषकर महिलाओं को झकझोर कर रख दिया है। अंकिता भंडारी मामले में पीड़ित परिवार को पूरा न्याय नहीं मिल पाया है। महिलाओं की गरिमा के खिलाफ बयान देने वाले कैबिनेट मंत्री रेखा आर्य के पति गिरीश लाल साह के खिलाफ भी कोई कार्रवाई नहीं की गयी। इन मामलों को लेकर महिलाओं और आम नागरिकों में भारी आक्रोश

और असंतोष व्याप्त है। ज्योति रौतेला ने कहा कि आत्महत्या करने वाले उधमसिंह नगर जनपद के काशीपुर निवासी किसान सुखवंत सिंह ने वीडियो में जिन पुलिस अधिकारियों पर उत्पीड़न के आरोप लगाए हैं। उन पर सख्त कार्रवाई की जानी चाहिए। ज्योति रौतेला ने कहा कि इन सभी मामलों को लेकर महिला कांग्रेस लगातार आवाज उठा रही है। लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है। इससे जनता में यह संदेश जा रहा है कि कानून सभी के लिए समान नहीं है। उन्होंने केंद्रीय गृहमंत्री से हस्तक्षेप कर निष्पक्ष जांच और त्वरित न्याय सुनिश्चित कराने की मांग की। इस दौरान ऑल इंडिया महिला कांग्रेस की प्रभारी सुनीता गांवड़े सहित महिला कांग्रेस की कई पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे।

मारपीट, हंगामा कर रहे तीन युवक गिरफ्तार

शाह टाइम्स संवाददाता

हरिद्वार। रानीपुर कोतवाली अंतर्गत गैस प्लांट चौकी क्षेत्र में कमरे के विवाद को लेकर मारपीट और हंगामा कर रहे तीन युवकों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। आरोपियों के खिलाफ शांति भंग की धाराओं में कार्रवाई की गई है।

जानकारी के अनुसार गैस प्लांट चौकी के पास बुधवार को पुलिस को सूचना मिली कि कुछ लोग आपस में झगड़ा कर रहे हैं। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची। वहां तीन युवक मनीष श्रीवास्तव नाम के एक व्यक्ति के साथ कमरे के विवाद को लेकर गाली-गलौज और मारपीट कर रहे थे। पुलिसकर्मियों ने उन्हें समझाने का प्रयास किया, लेकिन युवक शांत होने के बजाय और ज्यादा उत्तेजित होकर हुड़दंग करने लगे। सार्वजनिक स्थान पर माहौल बिगड़ता देख पुलिस ने तीनों को शांति भंग में गिरफ्तार कर लिया।

पकड़े गए आरोपियों की पहचान निखिल (निवासी ब्रह्मपुरी, सिडकुल), साहित तोमर और मोहन (दोनों निवासी सहारनपुर, उत्तर प्रदेश) के रूप में हुई है।पुलिस ने आरोपियों को न्यायालय के समक्ष पेश कर दिया है।

पुलिस टीम में चौकी प्रभारी विकास रावत, का, संजय रावत,का, आकाश तोमर शामिल रहे।

निरंजनी अखाड़े के कमरे में लगी आग, मची अफरातफरी

शाह टाइम्स संवाददाता

हरिद्वार। मायापुर स्थित निरंजनी अखाड़े के एक कमरे में बुधवार दोपहर अचानक आग लगने से हड़कंप मच गया। आग कमरे में लगे एसी में शॉर्ट सर्किट होने की वजह से लगी थी। सूचना मिलते ही मायापुर फायर स्टेशन की टीम ने मौके पर पहुंचकर आग बुझाई, जिससे एक बड़ा हादसा होने से टल गया। मिली जानकारी के अनुसार, दोपहर करीब 1:26 बजे फायर स्टेशन को सूचना मिली कि अखाड़े के एक कमरे से धुआं निकल रहा है। देखते ही देखते आग की लपटें उठने लगीं और पूरे कमरे में घना धुआं फैल गया। फायर यूनिट

तत्काल सक्रिय हुई और मौके पर पहुंचकर मोर्चा संभाला। दमकल कर्मियों ने काफी मशक्कत के बाद आग को बुझाया और इसे अखाड़ा परिसर के अन्य कमरों तक फैलने से रोका। गनीमत रही कि इस हादसे में कोई जनहानि नहीं हुई। आग बुझाने और राहत कार्य में मायापुर फायर स्टेशन की टीम के सदस्य जयवीर सिंह, प्रवीण राणा, कश्मीर सिंह, वीरेंद्र सिंह, सुरेश कुमार, प्रीति रौथाण शामिल रहे हैं।

व्यापारियों ने की सीवर लाइन निर्माण कार्य में गुणवत्ता एवं तेजी लाने की मांग

शाह टाइम्स संवाददाता

हरिद्वार। प्रांतीय उद्योग व्यापार मंडल के जिला महामंत्री संजय त्रिवाल के नेतृत्व में व्यापारियों ने मनसा देवी रोपवे के सामने एकत्र होकर सीवर लाइन निर्माण कार्य में गुणवत्ता एवं तेजी लाने की मांग की है। जिला महामंत्री संजय त्रिवाल ने कहा कि कार्यदायी संस्था निर्माण को लेकर गंभीर नहीं है। काफी समय से सीवर लाइन बिछाने का काम चल रहा है। धीमी गति से काम किया जा रहा है। निर्माण कार्य गुणवत्ता पूर्वक नहीं हो रहा है। चेंबर फाउंडेशन नहीं बनाए जा रहे हैं। जिन नालों से बरसाती पानी बहता है। उन नालों को क्षतिग्रस्त किया जा रहा है। संजय त्रिवाल ने कहा कि निर्माण कार्य देरी से होने के कारण नालियों का पानी बाजार की सड़कों पर बह रहा है। यात्रियों को भी असुविधा का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि

विभागीय अधिकारियों को निर्माण कार्यों का संज्ञान लेना चाहिए। संरक्षक जेपी बड़ौनी व तेज प्रकाश साहू ने कहा कि लगातार लोगों की आवाजाही इस मार्ग से होती है। सीवर लाइन बिछाने का कार्य धीमी गति से किया जा रहा है। जगह-जगह सड़क खुदी हुई है। जिससे व्यापारियों और यात्रीयों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि कार्य गुणवत्ता पूर्ण होना चाहिए। लेकिन निर्माण कार्यों में लापरवाही बरती जा रही है। विभागीय अधिकारियों को निर्माण कार्यों का संज्ञान लेने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि सही तरीके से निर्माण कार्य किया जाना चाहिए। इस दौरान मानव शर्मा, नरेंद्र शर्मा, भाजपा नेता नरेंद्र काकू, नितिन जाटव, आशीष जाटव, रिंकू सिंह, कुलदीप कश्यप, मोहित कुमार, विशु त्रिवाल, प्रिंस रावत आदि शामिल रहे।

आधी रात को घर में घुसे नकाबपोश बदमाश ने हथियारों के बल पर लाखों की लूट

शाह टाइम्स संवाददाता

हरिद्वार। कोतवाली रानीपुर क्षेत्र के सुमननगर में मंगलवार रात बदमाशों ने जमकर तांडव मचाया। तीन नकाबपोश बदमाशों ने एक घर में घुसकर तमंचे और चाकू के बल पर पूरे परिवार को बंधक बना लिया और लाखों रुपये के सोने-चांदी के जेवर व नकदी लूटकर फरार हो गए और बदमाशों ने जाते समय पुलिस के पास जाने पर परिवार को जान से मारने की धमकी भी दी। पुलिस ने पीड़ित की तहरीर के आधार मामले की जांच शुरू कर दी है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार रानीपुर कोतवाली प्राभरी शान्ति कुमार ने बताया कि सलेमपुर महदूद के सुमननगर निवासी अनिल कुमार ने पुलिस को बताया कि मंगलवार रात करीब दो बजे वह अपने परिवार के साथ सो रहे थे। तभी तीन नकाबपोश बदमाश छत के रास्ते घर के भीतर दाखिल हुए। बदमाशों ने जाग होने पर अनिल की कनपटी पर तमंचा तान दिया और शोर मचाने पर जान से मारने की धमकी दी। हथियारों के डर से पूरा परिवार सहम गया।बदमाशों ने घर के कमरों की तलाशी ली और बेड में रखे करीब 85 हजार रुपये व जेब से 3 हजार रुपये निकाल लिए। इसके अलावा बदमाशों ने अलमारी से सोने का मंगलसूत्र, चेन, कान की झुमकी, बाली, कुंडल और चांदी की पायल सहित करीब छह लाख रुपये के जेवरात लूट कर ले गए हैं और बदमाशों ने जाते समय पुलिस के पास जाने पर परिवार को जान से मारने की धमकी भी दी। रानीपुर कोतवाली प्रभारी शान्ति कुमार ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है। घटना के आस पास लगने सीसीटीवी कैमरे चौक किए जा रहे हैं।

सूचना (संबंध विच्छेद)

मैंने अपने पुत्र प्रदीप कुमार सैनी व उसकी पत्नी आरती देवी को अपनी समस्त चल व अचल सम्पत्ति से बेदखल कर अपने सभी संबंध विच्छेद कर लिये है। भविष्य में इन दोनों के किसी भी कृत्य व लेने देने की मेरी व मेरे परिवार की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी। कालू सिंह पुत्र स्व0 श्री डालचन्द, निवासी म0नं0 एस-330, शिवालिक नगर, भेल रानीपुर, हरिद्वार।

हरिद्वार में समाचार व विज्ञापन के लिये सम्पर्क करें।

सैफ सलमानी

ब्यूरो चीफ

शाह टाइम्स हरिद्वार

कार्यालय : रामनगर, तहसील के पीछे, ज्वालापुर, हरिद्वार

मो.: 9639554327, ई-मेल : shahtimeshr2026@gmail.com

वेतन में देरी पर भड़के रोडवेज कर्मी

हल्द्वानी। उत्तरांचल रोडवेज कर्मचारी संयुक्त परिषद हल्द्वानी ट्रैफिक शाखा की एक महत्वपूर्ण बैठक बुधवार रोडवेज स्टेशन में संपन्न हुई। बैठक के दौरान संगठन के पदाधिकारियों एवं कर्मचारियों ने एक स्वर में वेतन भुगतान में हो रही लगातार देरी पर नाराजगी व्यक्त करते हुए कहा कि समय पर वेतन न मिलने से कर्मचारियों को आर्थिक परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है, जिसका सीधा असर उनके परिवार और कार्यक्षमता पर पड़ रहा है।

संगठन ने प्रबंधन से मांग की कि कर्मचारियों का वेतन समयबद्ध और नियमित रूप से जारी किया जाए। बैठक की अध्यक्षता शाखा अध्यक्ष सुरेंद्र सिंह रावत ने की, जबकि संचालन शाखा मंत्री तारा देवी द्वारा किया गया। इसके साथ ही बैठक में विभिन्न कर्मचारी समस्याओं पर भी चर्चा की गई और संगठन ने चेतावनी दी कि यदि शीघ्र समाधान नहीं किया गया तो आगे आंदोलनात्मक कदम उठाने पर मजबूर होगे।

संगठन ने स्पष्ट कहा कि कर्मचारियों के हितों की अनदेखी किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं की जाएगी और उनकी जायज मांगों को लेकर संघर्ष जारी रहेगा। बैठक में कौशल जोशी, दिनेश भंडारी, गिरीश दानी, सुनील सेन, चंदन डंगवाल, शबाब अली, भुवन जीना, नितेश चौधरी, पंकज पुरी, वीरेंद्र आर्य, मोहित बिष्ट, संजीव कुमार, आनंदी शुक्ला, कविता जोशी, लुकमान सिंह, भास्कर चंद्र, रजनीश कुमार, धर्मवीर, विवेक कुमार, अमरपाल सहित कई कर्मचारी मौजूद रहे।

ई-पैक्स के माध्यम से डिजिटल सेवाओं से जुड़ेंगे गांव: डॉ. रावत

■ कहा, मल्टीपर्पज सेंटर के रूप में काम करेंगी पैक्स समितियां, विभागीय अधिकारियों को निर्देश, पैक्स कम्प्यूटरीकरण में लायें तेजी

मुख्य संवाददाता शाह टाइम्स

देहरादून। उत्तराखंड में सहकारिता व्यवस्था के डिजिटलीकरण के तहत अबतक 405 पैक्स समितियों को ई-पैक्स में परिवर्तित कर दिया गया है। शेष पैक्स समितियों में डिजिटलाइजेशन का कार्य युद्ध स्तर पर चल रहा है। पैक्सों के डिजिटलीकरण से अब सारा लेन-देन ऑनलाइन होगा, जिससे पेपरलेस कार्यप्रणाली को बढ़ावा मिलेगा, साथ ही पैक्सों में पारदर्शिता और जवाबदेही भी सुनिश्चित होगी। ई-पैक्स मल्टीपर्पज सेंटर के रूप में भी काम करेंगे , जिससे आम लोगों को स्थानीय स्तर पर डिजिटल सेवाओं का लाभ मिलेगा।

सूबे के सहकारिता मंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने बताया कि राज्य सरकार प्रदेश की सहकारी व्यवस्था को पूरी तरह से डिजिटल प्लेटफार्म पर लाया जा रहा है। जिससे किसानों, काश्तकारों, कारीगरों, युवाओं और महिलाओं को डिजिटल सेवाओं का सीधा लाभ मिल सकेगा। इसके साथ ही पैक्सों में अनियमितताओं पर भी अंकुश लग सकेगा। डॉ. रावत ने बताया कि प्रदेश में कुल 670 पैक्स समितियों का युद्ध स्तर पर डिजिटलाइजेशन किया जा रहा है, जिससे सभी समितियां ई-पैक्स में बदल जायेगा। उन्होंने बताया कि अभी तक प्रदेश की 405 पैक्स को ई-पैक्स बना दिया गया है। जिसमें अल्मोड़ा जनपद में 39, बागेश्वर में 12, चमोली 47,

चम्पावत 21, देहरादून 24, हरिद्वार 27, नैनीताल 20, पौड़ी 49, पिथौरागढ़ 58, रूद्रप्रयाग 24, टिहरी 42, ऊधमसिंह नगर 17 तथा उत्तरकाशी में 25 समितियों को ई-पैक्स में परिवर्तित कर दिया गया है। जबकि शेष सहकारी समितियों में डिजिटलीकरण का कार्य चल रहा है। सहकारिता मंत्री डॉ. रावत ने शेष पैक्स समितियों के कम्प्यूटरीकरण कार्य में तेजी लाने को विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिये हैं ताकि प्रदेश की सभी पैक्स समितियों को शीघ्र ही ई-पैक्स के रूप में परिवर्तित किया जा सके और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को डिजिटल रूप से मजबूत किया जा सके। डॉ. रावत ने कहा कि सूबे में ई-पैक्स को मल्टीपर्पज सेंटर के रूप में भी विकसित किया जा रहा है, जिससे ग्रामीण क्षेत्रों में लोगों को बैंकिंग, डिजिटल भुगतान, विभिन्न सरकारी योजनाओं की जानकारी एवं अन्य डिजिटल सेवाएं स्थानीय स्तर पर उपलब्ध हो सकेंगी। इससे गांवों में डिजिटल सेवाओं की पहुंच और सशक्त होगी। इसके अलावा उन्होंने बताया कि पैक्स समितियों का ई-ऑडिट भी किया जा रहा है। जिसके तहत वित्तीय वर्ष 2023-24 के तहत 461 समिति जबकि वित्तीय वर्ष 2024-25 के तहत 420 समितियों का ई-ऑडिट किया जा चुका है। जिसमें कई जनपदों की समितियों का शत-प्रतिशत ई-ऑडिट किया गया है, जो कि सहकारिता विभाग की बड़ी उपलब्धि है।

शादी का झांसा देकर शारीरिक शोषण का आरोप

■ चकराता पुलिस ने तहरीर के आधार पर जीरो एफआईआर दर्ज की

शाह टाइम्स संवाददाता

चकराता। कोतवाली चकराता क्षेत्र में एक युवती द्वारा शादी का झांसा देकर शारीरिक संबंध बनाने और बाद में शादी से इनकार करने का गंभीर आरोप लगाया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार आज बुधवार को वादिनी (काल्पनिक) कु० आरती, निवासी ग्राम दाबला, तहसील चकराता, जनपद देहरादून ने कोतवाली चकराता पहुंचकर एक तहरीर दी।

तहरीर में युवती ने आरोप लगाया कि आदित्य चौहान पुत्र शूरवीर सिंह, निवासी ग्राम जोगियो, कोतवाली चकराता ने शादी का झांसा देकर उसके साथ शारीरिक संबंध बनाए और बाद में शादी करने से इंकार कर दिया। साथ ही आरोप है कि आरोपी के माता-पिता द्वारा उसे जान से मारने की धमकी दी गई और मानसिक रूप से प्रताड़ित किया गया।

बताया गया कि उक्त घटना नेशविला रोड, कॉम्बोज स्वीट शॉप के पास, चुक्खुवाला स्थित किराये के मकान में घटित हुई, जो कोतवाली चकराता क्षेत्र के अंतर्गत नहीं आता, बल्कि कोतवाली नगर, जनपद देहरादून के क्षेत्राधिकार में है। क्षेत्राधिकार को ध्यान में रखते हुए कोतवाली चकराता में वादिनी की तहरीर पर जीरो प्रथम सूचना रिपोर्ट संख्या 01/2026 अंतर्गत धारा 69, 351(2), 351(3), 352 बीएनएस के तहत आदित्य चौहान आदि के विरुद्ध अभियोग पंजीकृत किया गया है।

मामले की विवेचनात्मक कार्यवाही उच्चाधिकारियों के आदेशानुसार कोतवाली नगर, देहरादून द्वारा संपादित की जाएगी। आवश्यक कार्रवाई हेतु संबंधित पत्रावली अग्रिम कार्यवाही के लिए प्रेषित कर दी गई है।

युवाओं में सूखे नशे के बढ़ते चलन से परिजन चिंतित

■ अस्पतालों में विशेषज्ञ चिकित्सकों की कमी पर ग्रामीणों में रोष व्याप्त जौनसार बावर की जनसमस्याओं को लेकर व्यापार मंडल ने एसडीएम को सौंपा ज्ञापन

शाह टाइम्स संवाददाता

चकराता। चकराता बाजार एवं जनजातीय क्षेत्र जौनसारदृबावर से जुड़ी विभिन्न गंभीर जनसमस्याओं के समाधान की मांग को लेकर व्यापार मंडल चकराता ने उपजिलाधिकारी चकराता को एक ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन के माध्यम से क्षेत्र में बढ़ते नशे, स्वास्थ्य सुविधाओं की बदहाली, कार्यालयों के स्थानांतरण से हो रही परेशानी तथा सरकारी कार्यालयों में अधिकारियों-कर्मचारियों की अनियमित उपस्थिति जैसे अहम मुद्दों की ओर प्रशासन का ध्यान आकर्षित किया गया।

व्यापार मंडल ने बताया कि चकराता क्षेत्र में युवाओं के बीच सूखे नशे का चलन तेजी से बढ़ रहा है। नशा खुलेआम चोरी-छिपे बिक रहा है, जिससे युवा पीढ़ी का भविष्य अंधकारमय होता जा रहा है। नशे की लत के कारण कई परिवार सामाजिक व आर्थिक संकट से गुजर रहे हैं। व्यापार मंडल ने नशे के अवैध कारोबार पर प्रभावी नियंत्रण एवं दोषियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की मांग की।

ज्ञापन में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र चकराता की बदहाल स्थिति पर भी गंभीर चिंता जताई गई। बताया गया कि जौनसार बावर जैसे दुर्गम जनजातीय क्षेत्र के प्रमुख स्वास्थ्य केंद्र में आज भी अल्ट्रासाउंड जैसी आवश्यक जांच सुविधाएं उपलब्ध नहीं हैं। विशेषज्ञ चिकित्सकों की कमी के कारण मरीजों को बाहर रेफर किया जाता है। विशेष रूप से स्त्री रोग विशेषज्ञ की तैनाती को क्षेत्र की अत्यंत आवश्यक और प्राथमिक मांग बताया गया।

बताया गया कि गवासा पुल चकराता से लगभग छह किलोमीटर दूर है और वहां समय पर यातायात सुविधा नहीं मिल पाती। बैंक, तहसील, कोषागार सहित अधिकांश सरकारी कार्यालय चकराता में स्थित होने के कारण ग्रामीणों को छोटे-छोटे कार्यों के लिए 10 से 12 किलोमीटर तक अतिरिक्त यात्रा करनी पड़ती है। जनहित में खंड विकास कार्यालय को पुन: छावनी बाजार चकराता से संचालित करने की मांग की गई।

इसके साथ ही व्यापार मंडल ने सरकारी कार्यालयों में अधिकारियों व कर्मचारियों की अनियमित उपस्थिति का मुद्दा भी उठाया।

बताया गया कि कई कार्यालयों में बायोमेट्रिक मशीनें लगी होने के बावजूद वे खराब पड़ी हैं या संचालित नहीं हो रही हैं, जिससे जवाबदेही तय नहीं हो पा रही। सभी बायोमेट्रिक मशीनों को शीघ्र दुरुस्त कर नियमित उपस्थिति सुनिश्चित करने की मांग की गई।

व्यापार मंडल चकराता ने उपजिलाधिकारी से सभी समस्याओं को गंभीरता से लेते हुए शीघ्र प्रभावी कार्रवाई करने की अपील की, इस मौके पर व्यापार मंडल अध्यक्ष केसर सिंह चौहान, उपाध्यक्ष दिनेश चांदना, सहसचिव अंकित मोहल, पूर्व सभासद कमल किशोर रावत, सचिन रवीश अरोड़ा आदि लोग मौजूद रहे।

जल, जंगल, जमीन के हक-हकूकों को लेकर क्वासी में 10 खतों की महापंचायत

■ जनजातीय अधिकारों की रक्षा के लिए जनता ने भरी हुंकार

शाह टाइम्स संवाददाता

चकराता। जनजातीय क्षेत्र जौनसार-बावर के अस्तित्व तथा स्थानीय निवासियों के पारंपरिक अधिकारों (हक-हकूकों) की रक्षा को लेकर बुधवार को क्वाँसी में 10 खतों की एक ऐतिहासिक महापंचायत का आयोजन किया गया। महापंचायत में जल, जंगल और जमीन पर स्थानीय लोगों के संवैधानिक व परंपरागत अधिकारों को सुरक्षित रखने तथा बाहरी हस्तक्षेप के खिलाफ एकजुट होकर संघर्ष करने का संकल्प लिया गया।

महापंचायत में विभिन्न खतों के खत स्याणा, खाग स्याणा, ग्राम स्याणा, जनप्रतिनिधि, समाजसेवी एवं बड़ी संख्या में युवा उपस्थित रहे। वक्ताओं ने कहा कि जौनसार-बावर

की पहचान उसके जल, जंगल और जमीन से जुड़ी हुई है, लेकिन वर्तमान परिस्थितियों में इन संसाधनों पर स्थानीय जनता के नैसर्गिक और परंपरागत अधिकारों का लगातार हनन किया जा रहा है, जिसे किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। 10 खतों के प्रतिनिधियों ने एक स्वर में कहा कि वे अपनी जमीन, जंगल और जल संसाधनों पर किसी भी प्रकार का अतिक्रमण या अधिकारों में कटौती स्वीकार नहीं करेंगे और अपने हक-हकूकों की रक्षा के लिए संगठित संघर्ष जारी रखेंगे।

महापंचायत को संबोधित करते हुए उत्तराखंड स्वाभिमान मोर्चा के अध्यक्ष बॉबी पंवार ने कहा, "यह लड़ाई केवल आज की नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के भविष्य को सुरक्षित करने की लड़ाई है। सरकार को जनजातीय क्षेत्रों को मिले संवैधानिक और परंपरागत विशेषाधिकारों का पूर्ण सम्मान करना चाहिए।" बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि यदि स्थानीय लोगों के हक-हकूकों की अनदेखी जारी रही, तो पूरे जौनसार-बावर क्षेत्र में व्यापक जन-आंदोलन खड़ा किया जाएगा। वक्ताओं ने कहा कि क्षेत्र की एकजुटता ही उसकी सबसे बड़ी ताकत है और यह लड़ाई निर्णायक मोड़ तक पहुंचाई जाएगी।

महापंचायत में दौलत सिंह तोमर, गंगा सिंह चौहान, बूत सिंह तोमर, राकेश तोमर, संजय चौहान,नरेंद्र सिंह चौहान, अजब सिंह, रजनीश नेगी, शूरवीर सिंह पंवार, हुकम सिंह चौहान, यशपाल रावत, प्रताप सिंह रावत, बचन सिंह राणा, दीवान सिंह चौहान, पप्पू पंवार, फते सिंह, दिनेश चौहान, अतर शाह, अत्तर सिंह चौहान, आनंद सिंह चौहान, रजनेश तोमर, भगत राम शर्मा, आशा राम शर्मा, शंकर रावत सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

आदित्य व लक्ष्य का रणजी ट्राफी में चयन

दोनों खिलाड़ियों ने बढ़ाया परिवार का मान

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। शहर के दो होनहार क्रिकेटरों भारतीय अंडर-19 बल्लेबाज लक्ष्य रायचंदानी और भारतीय अंडर-19 टीम के राइट आर्म मीडियम पेस गेंदबाज आदित्य रावत का चयन उत्तराखंड की रणजी ट्राफी टीम में किया गया है।

दोनों खिलाडियों के चयन से राज्य क्रिकेट को नई मजबूती मिलने की उम्मीद जताई जा रही है। लक्ष्य रायचंदानी और आदित्य रावत हाल के वर्षों में लगातार अपने शानदार प्रदर्शन से राष्ट्रीय स्तर पर उत्तराखंड का नाम रोशन करते आए है। दोनों खिलाड़ी इंडिया-ए, इंडिया-बी बनाम अफगानिस्तान त्रिकोणीय श्रृंखला के साथ ही 2025-26 चौलेंजर ट्रॉफी में भी प्रतिभाग कर चुके हैं। लक्ष्य रायचंदानी ने 2023-24 अंडर-16 विजय मर्चेंट ट्रॉफी में अद्भुत प्रदर्शन करते हुए मात्र 5 मैचों में एक दोहरा शतक, तीन शतक और दो अर्धशतक की बदौलत 138.83 के औसत से

कुल 833 रन बनाए और टूर्नामेंट के सर्वाधिक रन बनाने वाले बल्लेबाज बने। इस शानदार प्रदर्शन के लिए उन्हें बीसीसीआई का प्रतिष्ठित नमन अवाड प्रदान किया गया। अंडर-19 विनू मांकड़ वन-डे ट्रॉफी के 5 मैचों में उन्होंने 103, 76, 76, 42 और 11 रनों की पारियों से कुल 308 रन बनाए। वहीं भारतीय अंडर-19 टीम के राइट आर्म मीडियम पेसर आदित्य रावत ने अपनी निरंतर बेहतरीन गेंदबाजी से चयनकर्ताओं और क्रिकेट विशेषज्ञों को प्रभावित किया है। युवा स्तर पर शानदार प्रदर्शन के बल पर उन्होंने खुद को एक भरोसेमंद तेज गेंदबाज के रूप में स्थापित किया है। बीते पांच वर्षों से दोनों जीएनजी क्रिकेट एरीना में कोच अभिषेक कुमार से प्रशिक्षण ले रहे है। जिला नैनीताल क्रिकेट एसोसिएशन के कोषाध्यक्ष कमल पपनै ने बताया कि उत्तराखंड रणजी टीम 22 जनवरी को अगरतला के एमबीबी स्टेडियम में त्रिपुरा के खिलाफ मुकाबला खेलेगी, जबकि 29 जनवरी से अंतिम मैच असम के विरुद्ध अभिमन्यु क्रिकेट एकेडमी देहरादून में खेला जाएगा। रणजी ट्रॉफी टीम में चयन पर जीएनजी की डायरेक्टर पूजा कांडपाल, मैनेजिंग डायरेक्टर दिग्विजय कनवाल, सीएयू अध्यक्ष दीपक मेहरा, सचिव किरण वर्मा, जिला नैनीताल क्रिकेट एसो. के अध्यक्ष सुमित हृदयेश, कोषाध्यक्ष कमल पपनै, अल्मोड़ा क्रिकेट एसो. के सचिव हर्ष गोयल, आनंद बिष्ट, किशन अनेरिया, संजय चौधरी, लीला कांडपाल, अमित कांडपाल, विजय कुकसाल, त्रिलोक जीना, सुनील साह, राजेंद्र नेगी, नरेंद्र अधिकारी, पंकज गुरुरानी, योगेश चौहान, मनोज भट्ट, विजय आर्या ने बधाई दी।

जो अधिकारी जनता की नहीं सुन रहे, वे मुझसे करें संपर्क: बहुगुणा

■ प्रदेश सरकार का प्रयास, धरातल पर हो जनता का विकास

शाह टाइम्स संवाददाता

रूद्रप्रयाग। प्रदेश सरकार हर नागरिक से सीधा संवाद करने को लेकर "जन-जन की सरकार, जन-जन के द्वार" कार्यक्रम के तहत दूरस्थ क्षेत्रों तक पहुंच रही है। हर व्यक्ति को सरकारी योजनाओं का लाभ मिले, इसको लेकर ठोस प्रयास किए जा रहे हैं। धरातल पर समस्याओं का हल होना जरूरी है। तभी जाकर प्रदेश सरकार का उद्देश्य पूरा हो पाएगा। जो अधिकारी जनता की नहीं सुनता है, उसकी रिपोर्ट सीधे मुझ से करें।

रुद्रप्रयाग के राइंका नगरासू में आयोजित कार्यक्रम में प्रदेश सरकार में पशुपालन एवं जनपद के प्रभारी मंत्री सौरभ बहुगुणा ने कहा कि सरकार की मंशा है कि दूरस्थ क्षेत्र की जनता को उनके गांव में ही योजनाओं का सीधा लाभ मिले। जो अधिकारी जनता की नहीं सुन रहे हैं, उनके खिलाफ कड़ी कार्यवाही अमल में लाई जा रही है। जनता की मूलभूत

समस्याओं को लेकर धरातल पर कार्य किया जा रहा है। जनता के बीच पहुंचकर उनके साथ सीधे तौर पर संवाद करने से लोगों तक योजनाओं का लाभ पहुंच रहा है।

जनपद प्रभारी मंत्री, पशुपालन, दुग्ध विकास, मत्स्य पालन, गन्ना विकास एवं चीनी उद्योग, प्रोटोकॉल, कौशल विकास एवं सेवायोजन विभाग सौरभ बहुगुणा ने कहा कि सरकार की मंशा है कि लोगों को अपनी समस्याओं के समाधान के लिए बार-बार कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें। न्याय पंचायत स्तर पर आयोजित शिविरों से स्थानीय स्तर पर ही समयबद्ध समाधान सुनिश्चित हो रहा है।

प्रभारी मंत्री ने कार्यक्रम स्थल पर पहुँचकर विभागीय स्टॉलों का निरीक्षण किया और आमजन से सीधा संवाद स्थापित कर उनकी समस्याएं सुनीं।

शिविर में कृषि, उद्यान एवं खाद्य प्रसंस्करण, पशुपालन, डेयरी, मत्स्य, उद्योग, समाज कल्याण, पंचायती राज/ग्रामीण विकास, स्वास्थ्य (आयुष्मान आरोग्य), राजस्व, महिला सशक्तीकरण एवं बाल विकास, पूर्ति विभाग सहित अन्य विभागों ने सहभागिता की। इस दौरान वृद्धावस्था, विधवा एवं दिव्यांग पेंशन, आयुष्मान भारत योजना, राशन कार्ड, आधार सेवाएं, आय/जाति/निवास प्रमाण पत्र, समान नागरिक संहिता (यूसीसी) पंजीकरण, राशन कार्ड ई-केवाईसी, एलपीजी केवाईसी, स्वरोजगार एवं आजीविका योजनाओं से संबंधित समस्याओं का प्राथमिकता से समाधान किया गया।

जनसुनवाई में 105 से अधिक समस्याएं दर्ज की गईं, जिनमें से अधिकांश का निस्तारण मौके पर ही कर दिया गया, जबकि शेष के लिए संबंधित विभागों को समयबद्ध कार्यवाही के निर्देश दिए गए। पीएमजीएसवाई अंतर्गत रैंतोली-जसोली-पाबौ-नगरासू-धनपुर मोटर मार्ग निर्माण में कटी नाप भूमि के प्रतिकर भुगतान, आपदा से क्षतिग्रस्त खेल मैदान की दीवार, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र घोलतीर के उन्नयन, मुआवजा भुगतान, जंगली जानवरों से सुरक्षा, राष्ट्रीय राजमार्ग पर नाली निर्माण सहित विभिन्न विषयों पर मंत्री द्वारा त्वरित संज्ञान लिया गया।

शिविर के दौरान कृषि विभाग की आत्मा योजना अंतर्गत वर्ष 2025-26 के लिए किसान भूषण पुरस्कार से ग्राम घोड़स्याल के कृषक गंभीर सिंह (सब्जी उत्पादन) एवं ग्राम झालीमठ के कृषक अनिल सती (मत्स्य पालन) को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। प्रभारी मंत्री ने गोट वैली योजना, गंगा गाय योजना सहित अन्य योजनाओं से अधिकाधिक ग्रामीणों को जोड़ने के निर्देश भी दिए।

जिलाधिकारी ने बताया कि जनपद की 27 न्याय पंचायतों में उद्देश्यपरक शिविर आयोजित किए जा रहे हैं। नगरासू शिविर में 772 ग्रामीणों ने प्रतिभाग किया। 98 का स्वास्थ्य परीक्षण, 32 को कृषि यंत्र, 22 को बीज, 135 पशुपालकों को पशु आहार, 12 यूसीसी पंजीकरण, 13 आधार कार्ड, 36 राशन ई-केवाईसी तथा 19 लाभार्थियों को बाल विकास किट वितरित की गई। कुल 330 से अधिक ग्रामीणों को प्रत्यक्ष लाभ पहुंचाया गया।

शिविर का संचालन किशन सिंह रावत ने किया। कार्यक्रम में जिला पंचायत अध्यक्ष पूनम कठैत, विधायक भरत चौधरी, भाजपा जिलाध्यक्ष भारत भूषण भट्ट, पुलिस अधीक्षक अक्षय प्रहलाद कोंडे, उप वन संरक्षक रजत सुमन, मुख्य विकास अधिकारी राजेंद्र सिंह रावत, अपर जिलाधिकारी श्याम सिंह राणा सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी, जनप्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।

जनवरी में बर्फ विहीन हिमालय, जलवायु परिवर्तन का खतरनाक अलार्म

■ गंभीर संकट के दौर से गुजर रहा हिमालय ■ जलवायु परिवर्तन की मिल रही प्रत्यक्ष और भयावह चेतावनी

शाह टाइम्स संवाददाता

ऊखीमठ/रुद्रप्रयाग। हिमालय, जिसे सदियों से भारत की जलवायु व्यवस्था की रीढ़ माना जाता रहा है, आज एक गंभीर संकट के दौर से गुजर रहा है। केदार घाटी में बहने वाली मंदाकिनी सहित अनेक नदियों का उद्गम स्थल होने के साथ-साथ मानसून, जैव विविधता और करोड़ों लोगों की आजीविका का आधार रहा हिमालय अब जनवरी के तीसरे सप्ताह में बर्फ विहीन दिखाई दे रहा है। यह स्थिति किसी सामान्य मौसमी उतार-चढ़ाव का परिणाम नहीं, बल्कि जलवायु परिवर्तन की प्रत्यक्ष और भयावह चेतावनी है।

सामान्यत: जनवरी का महीना हिमालयी क्षेत्रों में घनी बर्फबारी का होता है। यही बर्फ गर्मियों में पिघलकर नदियों को जीवन देती है। किंतु इस वर्ष पश्चिमी हिमालय से लेकर मध्य हिमालय तक बर्फबारी में भारी कमी दर्ज की गई है। कई ऊँचाई वाले इलाके, जो आमतौर पर सफेद चादर से ढके रहते थे, अब नंगे और सूखे नजर आ रहे हैं। वैज्ञानिकों के अनुसार यह स्थिति ग्लोबल वार्मिंग और पश्चिमी विक्षोभों के बदलते स्वरूप का सीधा परिणाम है।

पिछले कुछ दशकों में हिमालयी क्षेत्र का औसत तापमान वैश्विक औसत से कहीं अधिक तेजी से बढ़ा है। तापमान में मामूली वृद्धि भी बर्फ के स्वरूप को बदल देती हैकृजहाँ पहले बर्फ गिरती थी, वहाँ अब बारिश हो रही है। इसका सीधा असर हिमनदों और ग्लेशियरों पर पड़ा है। कई छोटे हिमनद सिकुड़ चुके हैं और कुछ के अस्तित्व पर ही संकट मंडराने लगा है।

बर्फ विहीन हिमालय का प्रभाव केवल पर्यावरण तक सीमित नहीं है। मंदाकिनी और उसकी सहायक नदियों के जलस्तर में गिरावट देखी जा रही है। हिमालयी राज्यों के स्थानीय समुदाय इसके दुष्परिणाम पहले ही झेल रहे हैं। सेब और अन्य नकदी फसलों की पैदावार घट रही है, चरागाह सूख रहे हैं और पारंपरिक जीवनशैली पर संकट गहराता जा रहा है। पर्यटन पर भी इसका गहरा असर पड़ा है। जहाँ कभी बर्फ देखने के लिए पर्यटकों की भीड़ उमड़ती थी, वहाँ अब निराशा हाथ लग रही है। देवरियाताल, तुंगनाथ घाटी और कार्तिक स्वामी जैसे प्रमुख पर्यटन स्थलों पर बर्फबारी न होने से पर्यटन व्यवसाय बुरी तरह प्रभावित हुआ है। केदार घाटी के निचले इलाकों में भी मौसम के अनुरूप बारिश न होने से काश्तकारों की फसलें चौपट हो गई हैं।सबसे चिंताजनक तथ्य यह है कि यह बदलाव अब धीरे-धीरे नहीं, बल्कि बेहद तेजी से हो रहा है। वैज्ञानिक चेतावनी दे चुके हैं कि यदि मौजूदा प्रवृत्ति जारी रही, तो आने वाले दशकों में हिमालय के कई हिस्से स्थायी रूप से बर्फ विहीन हो सकते हैं।इस स्थिति के लिए केवल प्राकृतिक कारणों को दोषी ठहराना पर्याप्त नहीं होगा। बढ़ता कार्बन उत्सर्जन, अंधाधुंध विकास, वनों का अत्यधिक दोहन, पहाड़ों में अवैज्ञानिक निर्माण और वाहनों की बढ़ती संख्या ने हिमालय को अत्यंत संवेदनशील बना दिया है। विकास के नाम पर हो रहे विस्फोट, सड़क चौड़ीकरण और सुरंग निर्माण प्राकृतिक संतुलन को और बिगाड़ रहे हैं। प्रख्यात पर्यावरणविद् प्रोफेसर मोहन सिंह पंवार के अनुसार जलवायु परिवर्तन की समस्या दिन-प्रतिदिन गंभीर होती जा रही है और इसका सबसे बड़ा असर हिमालयी क्षेत्र पर पड़ रहा है। उनका कहना है कि औद्योगिक गतिविधियों से बढ़ता कार्बन उत्सर्जन, वनाग्नि की बढ़ती घटनाएँ और वायुमंडलीय गैसों का असंतुलन वाष्पीकरण की प्रक्रिया को प्रभावित कर रहा है, जिससे जलवायु परिवर्तन और तीव्र हो रहा है।

आंगनबाड़ी केंद्रों में फर्श पर बैठकर पढ़ते थे बच्चे

■ विधायक ने कुर्सी व टेबल की कराई व्यवस्था

शाह टाइम्स संवाददाता

सहसपुर। सहसपुर विधानसभा के अंतर्गत चंद्रबनी वार्ड 91 में विधायक सहदेव सिंह पुंडीर के माध्यम से सेवा व सहयोग के तहत क्षेत्र के 18 आंगनबाड़ी केंद्रों में छोटे बच्चों के बैठने हेतु कुर्सी एवं टेबल की व्यवस्था की गई। लंबे समय से आंगनबाड़ी केंद्रों में बच्चों के लिए बैठने की समुचित सुविधा न होने के कारण उन्हें फर्श पर बैठना पड़ता था। इस समस्या का संज्ञान लेते हुए क्षेत्रीय कार्यकर्ताओं के सहयोग से सभी केंद्रों में आवश्यक फर्नीचर उपलब्ध कराया गया, जिससे बच्चों के साथ-साथ आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को भी कार्य करने में सुविधा मिलेगी।

विधायक सहदेव सिंह पुंडीर द्वारा इस अवसर पर आंगनबाड़ी

कार्यकर्ता बहनों द्वारा किए जा रहे एसआईआर कार्य की सराहना करते हुए उनके योगदान को महत्वपूर्ण बताया गया। उन्होंने कहा कि बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए बुनियादी सुविधाओं का सुदृढ़ होना अत्यंत आवश्यक है और इस दिशा में आगे भी निरंतर प्रयास किए जाते रहेंगे। इसी क्रम में महादेव एनक्लेव एवं कैलाशपुर स्थित शिव एनक्लेव में राज्य योजना के अंतर्गत इंटरलॉकिंग टाइल्स रोड निर्माण कार्य का भी विधायक द्वारा शुभारंभ किया गया।

कार्यक्रम के दौरान पूर्व जिला अध्यक्ष ओमवीर सिंह राघव, गैलेक्सियन स्कूल के एमडी मयंक गौर, मंडल अध्यक्ष मदन सिंह, क्षेत्रीय पार्षद सुमन बटोला सहित अशोक चौहान, सुखबीर बुटोला, अनिल ढकाल, अजय गोयल, विकास कश्यप, महेश घोष, विलोचन प्रसाद शर्मा, भगवान सिंह, नरेंद्र क्षेत्री, मनानीता राणा, दुलारी उनियाल, आशीष तोमर, पीपी सिंह सहित अनेक कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

रोड चौड़ीकरण: अतिक्रमण पर चला बुलडोज़र

काठगोदाम में प्रशासन का ध्वस्तीकरण अभियान, कुछ को 24 घंटे की मोहलत

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। बुधवार को काठगोदाम में जिला प्रशासन ने सड़क चौड़ीकरण की प्रक्रिया के तहत अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की। इस दौरान कई अवैध निर्माणों को ध्वस्त किया गया। कुछ अतिक्रमणकारियों ने खुद ही अपनी इमारतों पर घन चलाना शुरू कर दिया, लेकिन प्रशासन ने इन्हें 24 घंटे का समय दिया और कहा कि अगर इस अवधि में अतिक्रमण नहीं हटाए गए तो जबरन कार्रवाई की जाएगी। जिला प्रशासन ने काठगोदाम तिराहे से गौलापुल तक सड़क चौड़ीकरण का प्रस्ताव तैयार किया है, जिसके तहत सड़क के दोनों ओर 12-12 मीटर चौड़ीकरण किया जाएगा। इस योजना की लागत लगभग 4 करोड़ रुपये है, जिसमें

ड्रेनेज सिस्टम, लाइटिंग और मीडियन बनाने का भी प्रावधान है। सड़क चौड़ीकरण के दौरान लोनिवि, नगर निगम और प्रशासन की संयुक्त टीम ने सर्वे कर लगभग दो दर्जन से अधिक अतिक्रमण चिन्हित किए थे। ये अतिक्रमण नजूल भूमि और रेलवे भूमि पर बने थे। प्रशासन ने इन अतिक्रमणकारियों को नोटिस जारी किए थे, जिसमें उन्हें अवैध निर्माण हटाने का निर्देश दिया गया था। अधिकांश ने समय रहते अपने निर्माण हटा लिए, लेकिन कुछ ने ऐसा नहीं किया। इसके बाद बुधवार को सिटी मजिस्ट्रेट गोपाल सिंह चौहान और एसडीएम राहुल शाह के नेतृत्व में प्रशासन की टीम ने मौके पर पहुंचकर बुलडोजर चलवाया और अवैध निर्माण ध्वस्त कर दिए। सिटी मजिस्ट्रेट चौहान ने स्पष्ट किया कि सड़क चौड़ीकरण के मानकों के अनुसार यह कार्रवाई की जा रही है। उन्होंने कहा कि जो भी अवैध निर्माण सड़क चौड़ीकरण की जद में आएंगे, उन्हें हटाया जाएगा। हालांकि, इस कार्रवाई के दौरान कुछ लोगों की हल्की-फुल्की बहस भी हुई, लेकिन प्रशासन ने किसी की नहीं सुनी और पीला पंजा चलवाकर अतिक्रमण हटवा दिए। विरोध कर रहे कई दुकानदारों ने आरोप लगाया कि प्रशासन मनमानी कर रहा है। उनका कहना था कि सड़क के एक ओर 10 मीटर चौड़ाई ली गई है, जबकि दूसरी ओर 12 मीटर चौड़ाई के लिए लाल निशान लगाए जा रहे हैं। दुकानदारों ने प्रशासन से मांग की कि दोनों ओर 10 मीटर ही चौड़ीकरण किया जाए, ताकि उनकी दुकानें बच सकें। इस दौरान कुछ अतिक्रमणकारियों ने स्वयं ही निर्माण हटाने के लिए मोहलत मांगी। प्रशासन ने उन्हें 24 घंटे का समय दिया है, और चेतावनी दी है कि यदि इस अवधि में अतिक्रमण नहीं हटाए गए तो जबरन कार्रवाई की जाएगी।

पुलिस ने दबोचा 'पुष्पराज'

चोर से चंदन की लकड़ी के 6 गिल्टे बरामद

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। चंदन की लकड़ी चोरी मामले में पुलिस ने एक शातिर तस्कर को गिरफ्तार किया है। जिसके पास से चोरी की गई चंदन की लकड़ी के 6 टुकड़े बरामद किए गए है। पुलिस ने शातिर चंदन तस्कर के खिलाफ कार्रवाई कर न्यायालय में पेश किया जहां से उसे जेल भेज दिया। बता दें कि बीते 20 जनवरी को रामपुर रोड स्थित डालाकोटी कंपाउंड निवासी उमेश चंद्र डालाकोटी पुत्र स्व. जगदीश चंद्र डालाकोटी ने कोतवाली पुलिस को तहरीर सौंपते हुए कहा कि उनके कंपाउंड से अज्ञात चोर ने चंदन का पेड़ काटकर उसके कीमती हिस्से चोरी कर लिए है। चंदन लकड़ी चोरी के मामले में पुलिस ने तुरंत मुकदमा दर्ज करते हुए कोतवाल विजय मेहता के नेतृत्व में एक टीम का गठन किया और आस-पास लगे सीसीटीवी फुटेज के आधार पर जनपद में अलर्ट जारी कर बैरियरों पर सघन चेकिंग अभियान शुरू किया। चैकिंग के दौरान टीम ने टांडा बैरियर के पास एक संदिग्ध युवक को बाइक से आता देखा और उसे रूकने का इशारा किया। लेकिन बाइक सवार ने बाइक भगा दी। पुलिस ने घेराबंदी करते हुए युवक को बाइक सहित दबोच लिया

और उसके पास रखे प्लास्टिक के कट्टे की तलाशी ली तो उसमें से चंदन की लकड़ी के 6 टुकड़े बरामद किए। जिसके बाद टीम उसे गिरफ्तार कर कोतवाली ले आई। पकड़े गए चंदन लकड़ी तस्कर चोर ने अपना नाम इंद्रजीत राय पुत्र परमत राय निवासी गांधीनगर वार्ड-1 थाना दिनेशपुर जिला उधमसिंह नगर बताया। पुलसिया पूछताछ में पकड़े गए आरोपी ने बताया कि वह पूर्व में थाना गदरपुर व दिनेशपुर से चोरी व अवैध हथियार के मामलों में जेल जा चुका है। जेल में उसकी मुलाकात कमल उर्फ कोमल ढाली निवासी सूरज फार्म ओझा बिलासपुर रामपुर से हुई थी, जो चंदन तस्करी के मामलों में जेल गया था। पकड़े गए आरोपी ने बताया कि बीती रात्रि दोनों ने मिलकर रात्रि में हल्द्वानी पहुंचकर रामपुर रोड स्थित एक कॉलोनी में मंदिर के पीछे लगे चंदन के पेड़ को काटा। चोरी के दौरान शोर न हो, इसके लिए सीसीटीवी कैमरों की तार तक काट दी गई। लकड़ी को छोटे-छोटे टुकड़ों में काटकर बेचने की योजना थी, लेकिन समय रहते पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। अब पुलिस आरोपी के बयान के आधार पर तस्करी में शामिल बिलासपुर रामपुर निवासी कमल उर्फ कोमल की तलाश में जुट गई। टीम में एसआई गौरव जोशी, कांस्टेबल संतोष बिष्ट, भूपाल सिंह शामिल रहे।

मारपीट मामले में पांच लोगों पर मुकदमा दर्ज हुआ

हल्द्वानी। बीते मंगलवार की सुबह गोलछा कंपाउंड के पास स्थित रेलवे फाटक पर हुए खूनी संघर्ष में पुलिस ने एक पक्ष की तहरीर पर मारपीट करने वाले पांच लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी। बता दें कि जवाहर नगर निकट जैम फैक्ट्री निवासी अली वारिश ने कोतवाली पुलिस को दी तहरीर में कहा कि उनका भाई हुसैन वारिस उर्फ बन्टी मंगलवार सुबह मजदूरी के लिए घर से निकला था। हुसैन रेलवे फाटक के पास स्थित प्रेम सिनेमा के पास फाटक खुलने का इंतजार कर रहा था। इस दौरान दो युवक अपने 10-15 साथियों के साथ लाठी-डंडे, लोहे की रॉड और अन्य धारदार हथियारों से हुसैन पर हमला कर दिया। आरोप है कि हुसैन के साथ मौजूद दानिश और मेहरबान ने हमलावरों से बीच-बचाव करने की कोशिश की, लेकिन हमलावरों ने उन्हें भी पीट दिया। मारपीट के दौरान तीनों लोग गंभीर रूप से घालय हो गए जिन्हे निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनका इलाज जारी है। कोतवाल विजय मेहता ने बताया कि तहरीर के आधार पर मुन्ना अल्वी सहित पांच लोगों के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। मामले की जांच की जा रही है और आरोपियों की तलाश जारी है। वहीं सूत्रों का कहना है कि पूरा मामला सट्टे के कारोबार से जुड़ा है। मामले में एसपी सिटी मनोज कुमार कत्याल ने निर्देशित किया है कि घटना में शामिल यदि किसी की भी क्राइम हिस्ट्री मिलती है तो उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए।

जीएमएफएक्स का मालिक गिरफ्तार

25-30 महीनों में निवेश दोगुना करने का लालच देकर लगाया था कई लोगों को चूना

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। बहुचर्चित जीएमएफएक्स ग्लोबल लिमिटेड कंपनी घोटाला मामले में पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी है। पुलिस ने निवेशकों से करोड़ों रुपये ठगने के आरोप में कंपनी के मालिक विमल रावत को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश करते हुए 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया है।

बता दें कि बीते 18 जनवरी को वादी पार्थ परासर निवासी कपिल कॉलोनी बड़ी मुखानी ने कोतवाली पुलिस को दी तहरीर में आरोप लगाया था कि जीएमएफएक्स ग्लोबल लिमिटेड के मालिक विमल रावत एवं उनकी पत्नी रुबी रावत ने एक सुनियोजित

योजना के तहत 25-30 महीनों में निवेश राशि दोगुना करने का लालच दिया।

आरोप है कि नवंबर और दिसंबर 2024 में वादी से 5-5 लाख रुपये की दो किश्तों में कुल 10 लाख रुपये निवेश कराए गए। कंपनी द्वारा प्रतिमाह 8 प्रतिशत ब्याज देने का आश्वासन दिया गया, लेकिन बाद में केवल 1,90,000 रुपये मूलधन तथा इतनी ही राशि ब्याज के रूप में अभियुक्त की पत्नी के खाते में लौटाई गई। शेष 8,10,000 रुपये वापस न कर वादी के साथ धोखाधड़ी की गई। इस मामले में पुलिस ने धारा 316(5), 318, 3(5) बीएनएस तथा उत्तराखंड जमाकर्ताहित संरक्षण अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज कर विवेचना एसएसआई भूपेन्द्र सिंह मेहता को सौंपी गई। जांच में सभी साक्ष्य सत्य पाए गए और पुलिस ने विमल रावत पुत्र भोला सिंह रावत निवासी गोकुल धाम सोसाइटी ईको टाउन मुखानी व मूल निवासी ग्राम रघुली जिला पौड़ी गढ़वाल को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ कार्रवाई कर न्यायालय में पेश किया जहां से उसे 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया है।

मिड-डे मील के बर्तन चोरी करने वाला शातिर चोर गिरफ्तार

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। जेल रोड स्थित राजकीय प्राथमिक विद्यालय से मिड-डे मील के बर्तन चोरी करने वाले शातिर चोर को पुलिस ने चोरी के माल सहित गिरफ्तार कर लिया। पकड़े गए शातिर चोर के खिलाफ पुलिस ने कार्रवाई कर न्यायालय में पेश किया जहां से उसे जेल भेज दिया। बता दें कि बीते 16 जनवरी को राजकीय प्राथमिक विद्यालय की प्रभारी प्रधानाध्यापिका हेमा पंत ने पुलिस को दी तहरीर में कहा था कि 15 जनवरी की रात अज्ञात चोर ने विद्यालय परिसर में घुसकर किचन के ताले तोड़कर वहां से मिड-डे मील के बर्तन चोरी कर ले गए। पुलिस ने तुरंत मुकदमा दर्ज कर आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की मदद से शातिर चोर की तलाश शुरू की। पुलिस ने सीसीटीवी सर्विलांस एवं मैनुअल इंटेलिजेंस के आधार पर त्वरित कार्रवाई करते हुए रिजवान पुत्र इस्तियाक उर्फ इस्तिहार जवाहर नगर बनभूलपुरा को चोरी किए गए मिड-डे मील बर्तन के साथ गिरफ्तार कर लिया। बताया जा रहा कि पकड़े गए शातिर चोर रिजवान के खिलाफ पूर्व में चोरी, शराब, व आर्म्स एक्ट के तहत दस मुकदमें है, और जेल जा चुका है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ कार्रवाई कर न्यायालय में पेश किया जहां से उसे जेल भेज दिया।

सेल्फी के शौक ने ले ली युवक की जान

हल्द्वानी। एक युवक की सेल्फी के दौरान हादसे में जान चली गई। सेल्फी लेते वक्त अचानक युवक का संतुलन बिगड़ गया और वह सिर के बल गिर गया। गंभीर हालत में उसे उपचार के लिए सुशीला तिवारी अस्पताल लाया गया, जहां बीती रात्रि उसने उपचार के दौरान दम तोड़ दिया।

बुधवार को पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराके शव परिजनों को सौंप दिया। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार ढूंगातोली, बलुवाकोट पिथौरागढ़ निवासी 27 वर्षीय प्रकाश कुमार टम्टा बीते 18 जनवरी को किसी काम से बाजार गए थे।

बताया जा रहा है कि पिथौरागढ़ रोडवेज बस स्टेशन के पास सेल्फी लेने के दौरान अचानक गिर गए। आनन फानन में परिजनों द्वारा उन्हें तुरंत जिला अस्पताल पिथौरागढ़ लाया गया। प्रकाश की हालत नाजुक होने पर उन्हें सुशीला तिवारी अस्पताल रेफर कर दिया। बीते मंगलवार की रात्रि प्रकाश ने उपचार के दौरान दम तोड़ दिया। चिकित्सकों के अनुसार युवक के सिर पर गहरी चोट लग गई थी।

कैंची धाम से दर्शन कर लौट रहा युवक लापता

हल्द्वानी। शाहजहांपुर से कैंचीधाम के लिए आया युवक अचानक लापता हो गया। परिजनों ने काठगोदाम जीआरपी थाने पहुंचकर युवक की गुमशुदगी दर्ज कराई। जीआरपी काठगोदाम को दी गई तहरीर में बहादुरगंज शाहजहांपुर उत्तर प्रदेश निवासी प्रदीप कुमार दीक्षित ने कहा कि उनका भाई विनीत कुमार दीक्षित बीते 2 जनवरी की शाम नीम करौली बाबा के दर्शन करके शाम 9 बजकर 47 मिनट पर हावड़ा काठगोदाम ट्रेन से शाहजहांपुर के लिए निकला था, लेकिन तब से वह घर नहीं पहुंचा।

यूजेवीएन लिमिटेड
मुख्यालय "उज्ज्वल" महारानी बाग, जी.एम.एस. रोड, देहरादून-248006
दूरभाष : 0135-2763508, 2763808, फैक्स : 0135-2763507
सी0आई0एन0 सं0 U40101UR2001SGC025866

RO No. 53 — **अल्पकालीन निविदा सूचना** — Dated : 21/01/2026

कार्यालय अधिशासी अभियन्ता(अनु0), चीला, जल विद्युत गृह, चीला वाया हरिद्वार, पौड़ी गढ़वाल, उत्तराखण्ड द्वारा निम्नलिखित आपूर्ति / कार्य हेतु अनुभवी ठेकेदारो से मोहर बन्द निविदायें आमंत्रित की जाती है:-
1- टी0 15 / अ0अ0अनु0 / 2025-26: चीला प्रोजक्ट कालोनी हेतु 01 नग डीजल चलित एम्बुलेंस वाहन चालक सहित 12 माह के लिए किराये पर लेने हेतु।
2- कार्य / आपूर्ति की अनुमानित लागत - रू0 5,21,544.00 (कर अतिरिक्त)
3- निविदा की उपलब्धता की तिथि - 22-01-2026 (17:00 बजे)
4- निविदा जमा की तिथि - 05-02-2026 को 11:00 बजे तक
निविदा से सम्बन्धित विस्तृत जानकारी वेब साईट www.ujvnl.com पर देखी जा सकती है।
"बिजली के दुरूपयोग से बचें" — अधिशासी अभियन्ता(अनु0), चीला,जल विद्युत गृह

यूजेवीएन लिमिटेड
मुख्यालय "उज्ज्वल" महारानी बाग, जी0एम0एस0 रोड, देहरादून-248006
दूरभाष: 0135-2763808, फैक्स- 0135-2763508
सी0आई0एन0 सं0: U40101UR2001SGC025866 | वेबसाइट: www.ujvnl.com

पत्रांक-55 — **ई-निविदा सूचना** — दिनांक- 21/01/2026

कार्यालय अधिशासी अभियन्ता, (जानपद-चतुर्थ), लखवाड़ परियोजना डाकपत्थर, द्वारा इच्छुक फर्मों / ठेकेदारों से निम्न कार्य हेतु मोहरबन्द एवं पृथक निविदा आमन्त्रित की जाती है। निविदा का संक्षिप्त विवरण निम्नवत् है।
निविदा सं0 :03/EE(Civil-IV)/LMP/2025-26
कार्य / पूर्ति / सेवायें का नाम : यमुना नदी पर पुल निर्माण हेतु भू-तकनीकी जाँच का कार्य।
अनुमानित लागत: Rs. 39,83,720.00 (GST अतिरिक्त)
वेबसाईट पर निविदा प्रपत्र की उपलब्धता की तिथि: 22.01.2026 से 15.00 बजे से।
वेबसाईट पर निविदा जमा करने की अन्तिम तिथि: 06.02.2026 को 13.00 बजे तक।
अन्य जानकारी हेतु कृपया ई-प्रोक्योरमेंट पोर्टल **"http://uktenders.gov.in"** देखें।
अधिशासी अभियन्ता (जानपद-चतुर्थ)
"बिजली के दुरूपयोग से बचें"

खोया पाया सूचना

मैंने कक्षा 10 की परीक्षा वर्ष 2015 में ओंकारानंद सरस्वती निलायम ऋषिकेश से संस्थागत विद्यार्थी के रूप में CISCE बोर्ड के अंतर्गत उत्तीर्ण की है। जिसमें मेरी यूनिक आईडी 5882713 है। यह सर्टिफिकेट ऋषिकेश क्षेत्र में कहीं खो गया है। जो काफी तलाश करने के बाद भी नहीं मिला है। सर्टिफिकेट खोने की सूचना थाना ऋषिकेश में दे दी गई है। **मानसी जुगलान पुत्री श्री देशराज जुगलान**, निवासी: मंशा देवी गुमानीवाला श्यामपुर ऋषिकेश, जनपद देहरादून।

सूचना

मेरे जन्म प्रमाण पत्र में मेरा नाम समरीन बानो, पिता का नाम मेहबूब आलम और माता का नाम शकीला बानो गलत दर्ज है, जबकि सही नाम समरीन अंसारी, पिता का नाम मेहबूब आलम अंसारी और माता का नाम शकीला खातून है। इसे मेरे जन्म प्रमाण पत्र में अपडेट करना न्यायोचित है **समरीन अंसारी, पुत्री मेहबूब आलम अंसारी, वाणी विहार, रायपुर रोड, अधोईवाला, देहरादून**

कार्यालय - नगर पालिका परिषद् गौचर (चमोली)

पंत्राक-1308/निष्प्रोज्य सामग्री/निलामी/2025-26 — दिनांक: 21.01.2026

"सार्वजनिक नीलामी सूचना"

सर्वसाधरण को सूचित किया जाता है कि नगर पालिका परिषद गौचर चमोली सार्वजनिक नीलामी जहाँ है जैसी है के तहत अपनी निष्प्रयोजित सामग्री, (जैसे पथ प्रकाश उपकरण, सफाई उपकरण, प्लास्टिक सामग्री, लोहे की सामग्री, कम्प्यूटर, कुर्सीयाँ, लकड़ी की सामग्री, अन्य सामग्री की नीलामी दिनांक 10/02/2026 को अप्राहन 3:00 बजे तक नगर पालिका परिषद गौचर के कार्यालय में की जाएगी इच्छुक बोली दाता विज्ञप्ती प्रकाशन की तिथि से अपराहन 12:00 बजे दिनांक 10/02/2026 तक रूपये-2000.00 (दो हजार रूपये) नगद निकाय कार्यालय में जमा कर नीलामी फार्म क्रय कर सकते है। जो कि उसी दिन शांय 3.00 बजे तक नीलामी को प्रतिभाग करने वाले प्रतिभागियों के सम्मुख खोली जायेगी निष्प्रयोजित सामग्री का निरक्षण किसी भी कार्य दिवस में किया जा सकता है साथ ही नीलामी की शर्ते किसी भी कार्य दिवस को कार्यालय से प्राप्त की जा सकती है।

अधिशासी अधिकारी, नगर पालिका परिषद् गौचर चमोली — **अध्यक्ष, नगर पालिका परिषद् गौचर चमोली**

सूचना

मैं अनिरुद्ध मेहता, पुत्र विनय मेहता, देहरादून, यह घोषणा करता हूँ कि मेरे जन्म प्रमाण पत्र में मेरी जन्म तिथि 18.08.1990 गलती से दर्ज हो गई है, जबकि सही जन्म तिथि 19.08.1991 है। इसे मेरे जन्म प्रमाण पत्र में अपडेट करना न्यायोचित है। यदि किसी को कोई आपत्ति है, तो वह 15 दिनों के भीतर देहरादून नगर निगम में शिकायत दर्ज करा सकता है।

सूचना

मेरे जन्म प्रमाण पत्र में मेरा नाम मेहफूज आलम, पिता मेहबूब आलम, माता शकीला बानो गलती से दर्ज हो गया है जबकि सही नाम मैं, मेहफूज आलम अंसारी, पिता मेहबूब आलम अंसारी, माता शकीला खातून है। इसे मेरे जन्म प्रमाण पत्र में अपडेट किया जाना न्यायोचित है मेहफूज आलम अंसारी पुत्र मेहबूब आलम अंसारी, निवासी वाणी विहार, रायपुर रोड, अधोईवाला देहरादून

सार्वजनिक सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरी लडकी के दस्तावेजों में मेरा नाम महाराज सिंह चौहान अंकित है गलती से मेरे आधार कार्ड में मेरा नाम महाराज चौहान अंकित हो गया है भविष्या में मुझे महाराज सिंह चौहान के नाम से ही जाना पहचाना व पुकारा जाए।
शपथकर्ता: महाराज सिंह चौहान पुत्र गजराज सिंह, हरिद्वर रोड़ नालंदा बी एड कॉलेज, मियांवाला देहरादन, उत्तराखण्ड पिन -248001

कार्यालय अधिशासी अभियन्ता सिंचाई खण्ड थराली

पत्रांक :- 99 / सिं0ख0 थ0/ ई -निविदा — दिनांक: 21.01.2026

ई-निविदा सूचना संख्या:-07/ अधि0 अभि0/2025-26

महामहिम राज्यपाल महोदय, उत्तराखण्ड की ओर से अधिशासी अभियन्ता, सिंचाई खण्ड, थराली द्वारा निम्न कार्य निर्माण हेतु मद आधारित दरों पर सिंगल-बिड प्रणाली के माध्यम से सिंचाई विभाग उत्तराखण्ड में श्रेणी-डी एवं उच्चतर के अन्तर्गत पंजीकृत ठेकेदारों से ऑनलाईन निविदायें आमंत्रित की जाती है।

क्र0 सं0	कार्य का नाम	धरोहर धनराशि लाख रू0 में	निविदा प्रपत्र का मूल्य (रू0 में)	निविदा की वैधता अवधि	कार्य पूर्ण करने की अवधि
1	2	3	4	5	6
	राज्य सैक्टर के अन्तर्गत जनपद चमोली के विकासखण्ड गैरसैंण के अन्तर्गत आगरचट्टी की बाढ सुरक्षात्मक कार्य।	1.22	4000.00 + 18% GST	90 दिवस	06 माह

नोट:- निविदा से सम्बन्धित पूर्ण जानकारी हेतु उत्तराखण्ड सरकार की वेबसाईट **www.uktenders.gov.in** पर लॉग ऑन करें।

अधिशासी अभियंता, सिंचाई खण्ड थराली

कार्यालय खण्ड विकास अधिकारी, ऊखीमठ।

पत्रांक 1776 / निविदा सूचना/2025-26 — दिनांक 21 जनवरी 2026

निविदा सूचना

महामहिम राज्यपाल महोदय, उत्तराखण्ड की ओर से अधोहस्ताक्षरी द्वारा ग्रामीण निर्माण विभाग / लोक निर्माण विभाग/सिंचाई विभाग / लघु सिंचाई विभाग रूद्रप्रयाग में निर्माण कार्य हेतु पंजीकृत सक्षम ठेकेदारों से निम्नलिखित कार्यों हेतु दिनांक 06-02-2026 को अपरान्ह 02.00 बजे तक निविदा आमंत्रित की जाती है, जो कि उसी तिथि को अपराह्न 03.00 बजे निविदादाताओं के समक्ष विकास खण्ड कार्यालय में गठित समिति द्वारा खोली जायेगी। निविदा प्रपत्र दिनांक 27-01-2026 से दिनांक 05-02-2026 तक किसी भी कार्य दिवस में प्रात: 10.00 बजे से सांय 05.00 बजे तक विकास खण्ड कार्यालय ऊखीमठ से प्राप्त किये जा सकते हैं।

क्र० सं०	कार्य का नाम	धरोहर धनराशि (रू० में)	निविदा प्रपत्र मूल्य (रू० में)	कार्य पूर्ण करने की अवधि	ठेकेदार की पंजीकृत श्रेणी
1	ग्राम बुरूवा के अनुसूचित जाति बस्ती में खलफोंगा से क्यारगड़ पुल तक मार्ग निर्माण।	19000.00	1000 + 18% GST	90 दिन	डी० एवं उच्चतर
2	ग्राम मनसूना बाजार से गिरिया तक पैदल मार्ग एवं रैलिंग मार्ग का निर्माण।	36000.00	1500 + 18% GST	90 दिन	डी० एवं उच्चतर
3	ग्राम पंचायत बुरूवा से राजस्व ग्राम मालदी को जोड़ने वाला मुख्य मार्ग निर्माण।	18000.00	1000 + 18% GST	90 दिन	डी० एवं उच्चतर
4	ग्राम पंचायत मनसूना में अनुसूचित जाति बाहुल्य क्षेत्र में विपणन केन्द्र व ए०एन०एम० सेन्टर तक क्षतिग्रस्त सम्पर्क मार्ग का निर्माण।	24000.00	1000 + 18% GST	90 दिन	डी० एवं उच्चतर
5	ग्राम गिरिया में खेल मैदान का निर्माण।	55000.00	2000 + 18% GST	120 दिन	डी० एवं उच्चतर
6	ग्राम पंचायत मनसूना के अनुसूचित जाति बस्ती से सामान्य बस्ती तक मुख्य सम्पर्क मार्ग।	27000.00	1000 + 18% GST	90 दिन	डी० एवं उच्चतर

शर्तें:- निविदा की विस्तृत शर्तें टेण्डर फार्म में अंकित हैं।

(अनुष्का)
खण्ड विकास अधिकारी,
ऊखीमठ।

शाह टाइम्स

स्वामी शाह पब्लिकेशन प्रा. लि. के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक एस.एन. राना द्वारा शाह पब्लिकेशन प्रा. लि. सुजडू चुंगी, मेरठ रोड, मुजफ्फरनगर से मुद्रित एवं 63/9 ई-राजपुर रोड देहरादून से प्रकाशित।

सम्पादक:
एस.एन. राना
*कार्यकारी सम्पादक
आनन्द बत्रा 'सुमन'
स्थानीय सम्पादक
चेतन गुरूंग

देहरादून कार्यालय 63/9 ई-राजपुर रोड देहरादून
☎0135-2743363
R.N.I. No.UTT HIN 2001/05656
मोबाइल-9720007290
www.shahtimesnews.com
email:shahtimes2015@gmail.com

*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु PRB एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद मुजफ्फरनगर न्यायालय के अधीन ही होंगे।

बांग्लादेश को भारत में खेलो या बाहर होने का अल्टीमेटम

टी-20 विश्व कप 2026 की शुरुआत से पहले आईसीसी ने दी बहुमत के आधार पर 24 घंटे की मोहलत

नई दिल्ली, वार्ता। टी-20 विश्व कप 2026 की शुरुआत से पहले हुए विवाद पर आज हुई आईसीसी बोर्ड की बैठक में बांग्लादेश को अल्टीमेटम दे दिया गया। उन्हें बहुमत के आधार पर भारत में खेलो या बाहर होने का निर्देश मिला है। इस पर बांग्लादेश को 24 घंटे में फैसला लेना होगा।

दरअसल, बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) ने सुरक्षा का हवाला देते हुए अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) से उनके मुकाबले भारत से श्रीलंका स्थानांतरित करने की मांग की थी। इसके अलावा उन्होंने आईसीसी को ग्रुप बदलने का भी विकल्प दिया था। हालांकि, अब आईसीसी ने बुधवार को हुई बैठक में उनकी सभी मांगों को खारिज करते हुए एक दिन में फैसला लेने का अल्टीमेटम दे दिया है। आईसीसी बोर्ड की बैठक में सभी फुल मेंबर देशों के डायरेक्टर ने हिस्सा लिया।

ICC

ले रहे हैं। इसमें आईसीसी चेयरमैन जय शाह के अलावा, बीसीबी अध्यक्ष अमीनुल इस्लाम, बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया, एसएलसी अध्यक्ष शम्मी सिल्वा, पीसीबी चेयरमैन मो. हसिन नकवी, क्रिकेट आस्ट्रेलिया के चेयरमैन माइक बेयर्ड, जिम्बाब्वे क्रिकेट अध्यक्ष तवेंगा मुकुहलानी, क्रिकेट वेस्टइंडीज अध्यक्ष किशोर शैलो, क्रिकेट आयरलैंड के चेयरमैन ब्रायन मैकनीस, क्रिकेट न्यूजीलैंड के प्रतिनिधि रोजर ट्वास, इंग्लैंड क्रिकेट बोर्ड के चेयरमैन रिचर्ड थाम्पसन, क्रिकेट साउथ अफीका के प्रतिनिधि मोहम्मद मूसाजी और मीरवाइस अशरफ, क्रिकेट अफगानिस्तान के चेयरमैन शामिल रहे। इसके अलावा बैठक में आईसीसी प्रबंधन के शीर्ष अधिकारी और एंटी-करप्शन के हेड एंड्रयू एफग्रेव ने भी हिस्सा लिया। ईएसपीएनक्रिकइन्फो की रिपोर्ट के अनुसार, श्आईसीसी ने बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) से बांग्लादेश सरकार को यह बताने के लिए कहा है कि अगर बांग्लादेश 2026 टी-20 विश्व कप में अपने मैच खेलने के लिए भारत जाने से मना करता रहता है, तो उसकी जगह टूर्नामेंट में दूसरी टीम को शामिल किया जाएगा। यह फैसला वोटिंग के बाद लिया गया, जिसमें आईसीसी बोर्ड के ज्यादातर सदस्य रिप्लेसमेंट के पक्ष में थे। बीसीबी को भारत में खेलने के अपने रुख पर आईसीसी को जवाब देने के लिए एक और दिन का समय दिया गया है। इस विवाद की शुरुआत मुंबई इंडियंस द्वारा बांग्लादेश के स्टार पेसर मुस्तफिजुर रहमान को आईपीएल 2026 से रिलीज करने के बाद हुई।

डेरिल मिचेल फिर बने नंबर-1 बल्लेबाज

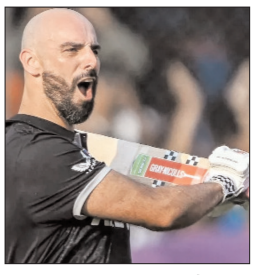

● भारतीय स्टार विराट कोहली 795 अंकों के साथ दूसरे पर पहुंचे

दुबई, वार्ता। भारत में पहली बार न्यूजीलैंड को द्विपक्षीय एकदिवसीय सीरीज ऐतिहासिक जीत दिलाने और सबसे अधिक रन बनाने वाले डेरिल मिशेल, विराट कोहली को पछाड़ कर फिर से वनडे के नंबर वन बल्लेबाज बन गए हैं।

अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की ओर से जारी ताजा रैंकिग के अनुसार इस शानदार प्रदर्शन के साथ मिशेल वनडे रैंकिग में 845 अंक के साथ शीर्ष पर पहुंच गए है। वहीं भारतीय स्टार विराट कोहली 795 अंकों के साथ दूसरे स्थान पर खिसक गए। यह दूसरी बार है जब मिशेल ने नंबर वन वनडे रैंकिग हासिल की है, उन्होंने पिछले साल के आखिर में भी कुछ समय के लिए वह नंबर वन बल्लेबाज थे। 34 साल के मिशेल ने तीन मैचों की सीरीज में दो शतकों सहित 352 रन बनाए, जिसकी बदौलत न्यूजीलैंड ने इंदौर में 2-1 से सीरीज जीत ली। निर्णायक मैच में मिशेल के नौवें वनडे शतक ने न्यूजीलैंड की ऐतिहासिक जीत की नींव रखी, जबकि विराट कोहली ने भारत के लिए हारने के बावजूद 108 गेंदों में शानदार 124 रन बनाए। मिशेल का सीरीज में बनाया गया स्कोर तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज में किसी भी न्यूजीलैंड के खिलाड़ी द्वारा बनाया गया सबसे अधिक स्कोर है और कुल मिलाकर तीसरा सबसे बड़ा स्कोर है, जो सिर्फ बाबर आजम और शुभमन गिल से पीछे है। उन्होंने लगातार मैचों में शतक बनाए, जिससे वह न्यूजीलैंड के बल्लेबाज मार्टिन गुप्टिल के बराबर आ गए। उनके इस प्रदर्शन ने उन्हें नौ वनडे शतक बनाने वाले चौथे सबसे तेज पुरुष क्रिकेटर भी बना दिया, उन्होंने यह उपलब्धि सिर्फ 54 पारियों में हासिल की। क्षेत्ररक्षण के दौरान मिशेल सीरीज के निर्णायक पल में शामिल थे जब उन्होंने इस मैच में को. हली का एक महत्वपूर्ण कैच पकड़ा, जिससे भारत की जीत की उम्मीदें खत्म हो गईं और मैच पर उनके ऑलराउंड प्रभाव को दिखाया।

पंजाब रॉयल्स ने शानदार वापसी कर मुंबई दंगल्स को 6-3 से हराया

नोएडा, वार्ता। पंजाब रॉयल्स ने 3-1 से पिछड़ने के बाद जबरदस्त वापसी करते हुए मंगलवार रात को नोएडा इंडोर स्टेडियम में खेले गए प्रो रेसलिग लीग 2026 के दिन 6 के मुकाबले में टाइगर्स ऑफ मुंबई दंगल्स को 6-3 से पराजित किया। मुकाबले का टर्निंग पॉइंट महिलाओं के 57 किग्रा वर्ग में आया, जहां रजनीता जांगड़ा ने फॉल के जरिए स्कोर बराबर किया, इसके बाद 74 किग्रा पुरुष वर्ग में चंद्रमोहन ने पंजाब को बढ़त दिलाई। मीनाक्षी ने टेक्निकल सुपीरियरिटी से जीत दर्ज कर मुकाबले पर मुहर लगाई, जिससे पंजाब ने लगातार पांच मुकाबले जीतकर शानदार वापसी पूरी की। पंजाब रॉयल्स की सभी चार महिला पहलवानों ने अपने-अपने मुकाबले जीते। एना गोडिनेज ने फॉल से जीत दर्ज की, जबकि प्रिया मलिक ने अंकों के आधार पर क्लीन स्वीप किया। एना गोडिनेज को 'प्लेयर ऑफ द मैच' चुना गया, वहीं रोहित रहल को 'फाइटर ऑफ द मैच' का पुरस्कार मिला। यह प्रो रेसलिग लीग सीजन 5 के सबसे रोमांचक मुकाबलों में से एक रहा, जिसमें पांच कुश्तियां फॉल या टेक्निकल सुपीरियरिटी से तय हुईं। टाइगर्स ऑफ मुंबई दंगल्स ने मुकाबले की शानदार शुरुआत की। पुरुषों के 86 किग्रा वर्ग में मुकुल दहिया ने जॉर्जिया के तारिएल गैफ्डिाशविली पर आक्रामक खेल दिखाते हुए टेक्निकल सुपीरियरिटी से जीत हासिल की।

संक्षिप्त खेल समाचार

एम्बाप्पे ने दागे दो गोल, रियल मैड्रिड ने मोनाको को हराया

मैड्रिड, वार्ता। किलियन एम्बाप्पे ने अपने पुराने क्लबों में से एक के खिलाफ दो गोल किए, जिससे रियल मैड्रिड ने घरेलू मैदान पर मोनाको को 6-1 से हराकर चैंपियंस लीग शुरुआती चरण के टॉप आठ में जगह बनाने की अपनी संभावनाओं को मजबूत किया। स्ट्राइकर एम्बाप्पे ने मंगलवार को खेले गए मुकाबले में फेडे वाल्वरडे के थ्रू बॉल पर शानदार फिनिश के साथ पांचवें मिनट में गोल दागकर रियल मैड्रिड को बढ़त दिलाई और फिर 26वें मिनट गोलकर हाफटाइम तक स्कोर 2-0 कर दिया। मैच का तीसरा गोल फेंको मास्टांटोनो ने 51वें मिनट में किया। फिर थिलो केहरर ने 55वें मिनट में गेंद को अपने ही नेट में डाल दिया।

सैम हार्पर बने बीबीएल के 'प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट'

मेलबर्न, वार्ता। मेलबर्न स्टार्स के विकेटकीपर-बल्लेबाज सैम हार्पर को टॉप ऑर्डर में शानदार प्रदर्शन के बाद बीबीएल में प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट चुना गया है। 29 वर्षीय हार्पर, जिन्होंने इस सीजन में अपना 100वां बीबीएल मैच खेला, ने लीग में अपने नौवें सीजन में करियर का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया। होम और अवे सीजन में उन्होंने 61.83 की औसत से 371 रन बनाए, जिसमें 155.23 का स्ट्राइक रेट था, जिसमें एससीजी में सिडनी सिक्सर्स के खिलाफ अपना पहला बीबीएल शतक और दो अन्य अर्धशतक शामिल हैं। अपने पिछले आठ सीजन में, जिसमें मेलबर्न रेनेगेड्स के साथ पांच सीजन शामिल हैं, इससे पहले कि उन्हें उस डील के हिस्से के रूप में स्टार्स में ट्रेड किया गया था, जिसने ऑस्ट्रेलिया के लेगस्पिनर एडम जम्पा को रेनेगेड्स में भेजा था, उन्होंने कभी भी एक सीजन में 25.36 से अधिक का औसत या 144.55 से अधिक का स्ट्राइक रेट हासिल नहीं किया था।

डेनियल मेदवेदेव तीसरे राउंड में पहुंचे

● डेनियल मेदवेदेव ने कड़ी मेहनत करके 6-7(9), 6-3 6-4, 6-2 से जीत हासिल की

मेलबर्न, वार्ता। रूस के डेनियल मेदवेदेव बुधवार को ऑस्ट्रेलियन ओपन के दूसरे राउंड में फांसीसी खिलाड़ी क्वेंटिन हैलिस के खिलाफ शुरुआती मुश्किलों से बच गए, लेकिन उन्होंने कड़ी मेहनत करके 6-7(9) 6-3 6-4 6-2 से जीत हासिल की। मेलबर्न पार्क में तीन बार के फाइनलिस्ट मेदवेदेव ने पहले सेट में एक घंटे से ज्यादा समय तक संघर्ष किया, लेकिन एक कड़े टाईब्रेक के बाद हार गए। रूसी खिलाड़ी का दूसरे सेट में भी दुनिया के 83वें नंबर के खिलाड़ी ने शुरुआती गेम तोड़ दिया था, लेकिन उन्होंने अपनी लय वापस पाई और मैच बराबर कर लिया। 11वीं वरीयता प्राप्त खिलाड़ी ने तीसरे सेट में बेसलाइन पर नियंत्रण रखा और शुरुआती ब्रेक पॉइंट को भुनाया और उसके बाद आक्रामक सर्विस गेम खेला।

फिर मेदवेदेव ने हैलिस के कमजोर रिटर्न का फायदा उठाते हुए जोरदार ग्राउंडस्ट्रोक से जीत हासिल की और तीसरे राउंड में पहुंच गए। जीत के बाद मेदवेदेव ने कहा कि मुझे लगता है कि मैं ब्रिस्बेन में बहुत बेहतर खेल रहा था। मैं अभी भी यहां के कोर्ट के हिसाब से पूरी तरह से ढल नहीं पाया हूं। मुझे लगता है कि मेरे शॉट्स में थोड़ी पावर की कमी है। लेकिन जब आप किसी टूर्नामेंट में जीतते रहते हैं, तो आप धीरे-धीरे इसमें ढल जाते हैं। यह पिछले कुछ सालों में पहली बार है जब मैं किसी ग्रैंड स्लैम के तीसरे राउंड में हूं, इसलिए अच्छा महसूस कर रहा हूं।

यूकी-आंद्रे की जोड़ी दूसरे दौर में पहुंची

● भारत के यूकी भांबरी व स्वीडिश आंद्रे गोरान्सन ने स्थानीय वाइल्ड कार्ड जेम्स डकवर्थ और क्रूज हेविट को दी मात

मेलबर्न, वार्ता। भारत के यूकी भांबरी और उनके स्वीडिश साझीदार आंद्रे गोरान्सन ने बुधवार को स्थानीय वाइल्ड कार्ड जेम्स डकवर्थ और क्रूज हेविट की जोड़ी को हराकर ऑस्ट्रेलियन ओपन 2026 पुरुष युगल स्पर्धा के दूसरे राउंड में जगह बना ली है। यहां खेले गए मुकाबले में भारत के टॉप रैंक वाले पुरुष युगल टेनिस खिलाड़ी, दुनिया के नंबर 21 यूकी भांबरी और आंद्रे गोरान्सन की जोड़ी ने सिर्फ 57 मिनट में जेम्स डकवर्थ और क्रूज हेविट पर 6-3, 6-4 से जीत दर्ज की। साल के पहले ग्रैंड स्लैम में 10वीं सीड वाली इस इंडो-स्वीडिश जोड़ी ने पूरे मैच में अपना दबदबा बनाए रखा और उनकी सर्विस लगभग परफेक्ट थीं। पहले सेट में, उन्होंने अपने पांच सर्विस गेम में से चार लव पर जीते, सिर्फ नौवें गेम में एक पॉइंट गंवाया। पूर्व वर्ल्ड नंबर 1 और कई ग्रैंड स्लैम विजेता लेटन हेविट के बेटे जेम्स डकवर्थ और क्रूज हेविट के खिलाफ आठवें गेम में मिला ब्रेक सेट जीतने के लिए काफी थी। दूसरे सेट में भी यही सिल. सिला जारी रहा, भांबरी और गोरान्सन ने फिर से अपने पांच सर्विस गेम में से चार बिना कोई अंक गंवाए जीत दर्ज की। अगले राउंड में, भांबरी और गोरान्सन का मुकाबला। मेक्सिको के सैंटियागो गोंजालेज और नीदरलैंड के डेविड पेल तथा ब्राजील की जोड़ी मार्सेलो मेलो और फर्नांडो रोम्बोली के बीच होने वाले मैच की विजेता जोड़ी से होगा। इससे पहले ऑस्ट्रेलियन ओपन में, पुरुष युगल ड्रॉ में एकमात्र अन्य भारतीय टेनिस खिलाड़ी निकी कलियंदा पूनाचा पहले राउंड में बाहर हो गए। पूनाचा और उनके थाई जोड़ीदार प्रुचिया इसारो मंगलवार को स्पेन के पेड्रो मार्टिनेज और जौमे मुनार से 7-6(3), 7-5 से हार गए।

यूकी भांबरी मेलबर्न में मिश्रित युगल स्पर्धा में अमेरिका की 2018 विबलडन चैंपियन निकोल मेलिचर-मार्टिनेज के साथ जोड़ी बनाएंगे।

अफगानिस्तान ने तंजानिया को नौ विकेट से हराया

विडहोक, वार्ता। नूरिस्तानी उमरजई (पांच विकेट) की अगुवाई में गेंदबाजों के बेहतरीन प्रदर्शन के बाद फैसल शिनोजादा (नाबाद 55) की अर्धशतकीय पारी की बदौलत अफगानिस्तान ने बुधवार को अंडर-19 विश्व. कप के 18वें मुकाबले में तंजा. निया को 224 गेंदें शेष रहते नौ विकेट से रौंद दिया। अफगानिस्तान ने 86 रनों के लक्ष्य को महज 12.4 ओवर में एक विकेट पर 88 रन बनाकर मुकाबला नौ विकेट से अपने नाम किया। अफगानिस्तान का एकमात्र विकेट पांचवें ओवर में खालिद अहमदजई (14) के रूप में गिरा। फैसल शिनोजादा ने 34 गेंदों में नौ चौके और एक छक्का उड़ाते हुए नाबाद 55 रनों की पारी खेली। वहीं उस्मान सादात 16 रन बनाकर नाबाद रहे। खालिदी जुमा तंजानिया की ओर से एक विकेट लिया। इससे पहले आज यहां तंजानिया की अंडर-19 टीम ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी तंजानिया की टीम अफगानी गेंदबाजी आक्रमण का अधिक देर तक सामना नहीं कर सकी और पूरी टीम 36 ओवरों में 85 के स्कोर पर ढेर हो गई।

वोरसेस्टरशायर के पूर्व स्पिनर नॉर्मन गिफोर्ड का निधन

लंदन, वार्ता। इंग्लैंड, वोरसेस्टरशायर और वार्विकशायर के पूर्व बाएं हाथ के स्पिनर नॉर्मन गिफोर्ड का लंबी बीमारी के बाद 85 साल की उम्र में निधन हो गया है। गिफोर्ड वोरसेस्टरशायर की 1964 और 1965 की काउंटी चैम्पियनशिप जीतने वाली टीमों के प्रमुख सदस्य थे, और 1974 में क्लब को खिताब दिलाया, साथ ही 1971 में उनकी तीन संडे लीग जीत में से पहली जीत भी दिलाई। उन्होंने 1960 से 1982 के बीच 22 साल तक क्लब के लिए खेला, इस दौरान उन्होंने 1,615 फर्स्ट-क्लास विकेट लिए।

उन्हें 1975 में विजडन क्रिकेटर ऑफ द ईयर चुना गया, और क्रिकेट में उनकी सेवाओं के लिए 1978 में एमबीई से सम्मानित किया गया। उनके टेस्ट करियर में 1964 से 1973 के बीच 15 टेस्ट शामिल थे, जिसमें उन्होंने 31-09 की औसत से 33 विकेट लिए, जिसमें कराची में पाकिस्तान के खिलाफ 55 रन देकर 5 विकेट उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन था। हालांकि, एक दशक से भी ज्यादा समय बाद उनका एक अप्रत्याशित अध्याय आया, जब 44 साल की उम्र में उन्होंने शारजाह में रॉथमैन फोर-नेशंस कप में दो वनडे में इंग्लैंड की कप्तानी की।

एक थका देने वाले सर्दियों के मौसम के बाद इंग्लैंड के कई मुख्य खिलाड़ी टीम से बाहर थे, जिसमें नियमित कप्तान डेविड गोवर भी शामिल थे, और वे ऑस्ट्रेलिया और पाकिस्तान दोनों से हार गए। हालांकि, गिफोर्ड ने बाद वाले मैच में दस किफायती ओवरों में 23 रन देकर 4 विकेट लिए। अपने करियर के इस पड़ाव पर वह वार्विकशायर चले गए थे।

अल्काराज-सबालेंका व गॉफ का तीसरे दौर में प्रवेश

● अल्काराज ने यानिक की कड़ी चुनौती को पार करते हुए सीधे सेटों में 7-6, (7-4), 6-3 6-2 से जीत हासिल की

मेलबर्न, वार्ता। दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी कार्लोस अल्काराज, महिलाओं में नंबर एक आर्यना सबालेंका और अमेरिकी स्टार कोको ग्रॉफ ने सीधे सेटों में जीत हासिल कर ऑस्ट्रेलियन ओपन के तीसरे दौर में जगह बना ली है। कार्लोस अल्काराज ने यानिक हैन्फमैन की कड़ी चुनौती को पार करते हुए सीधे सेटों में 7-6 (7-4), 6-3, 6-2 से जीत हासिल की। दुनिया के नंबर एक और टॉप सीडेड स्पेनिश खिलाड़ी को 34 साल के जर्मन खिलाड़ी, जो 102वीं रैंक पर हैं, के खिलाफ रैंकिग के मुक. ाबले कहीं ज्यादा मुश्किल का सामना करना पड़ा। यह मुकाबला काफी प्रतिस्पर्धी रहा, खासकर पहले सेट में। हैन्फमैन ने तुरंत दबाव बनाया, अपने पावरफुल फोरआर्म शॉट्स और शानदार ड्रॉप शॉट्स का इस्तेमाल करके अल्काराज को डिफेंसिव रखा। पहला सेट 78 मिनट की लंबी बेसलाइन रैलियों के बाद टाईब्रेक तक गया, जिसमें अल्काराज आखिरकार 7-4 से जीत गए। जैसे-जैसे मैच आगे बढ़ा, जर्मन खिलाड़ी की पसली की चोट का असर दिखने लगा, जिससे उनकी मूवमेंट और शॉट लगाने की क्षमता सीमित हो गई। अल्काराज ने इस मौके का फायदा उठाया, रणनी. तिक समझदारी और धैर्य दिखाया। दूसरे सेट में, उन्होंने अहम पलों पर हैन्फमैन की सर्विस तोड़ी, और आखिरकार कई शानदार फोरआर्म विनर्स और सटीक बैकहैंड प्लेसमेंट के साथ सेट 6-3 से जीत लिया। तीसरे सेट में, अल्काराज ने अपना दबदबा बनाए रखा, फिर से सर्विस तोड़कर मैच के लिए सर्व किया और 6-2 से मैच खत्म कर दिया। सीधे सेटों के स्कोर के बावजूद, अल्काराज ने माना कि मैच के लिए फोकस और तालमेल बिठाने की जरूरत थी। इस जीत के साथ, अल्काराज तीसरे राउंड में पहुंच गए हैं, जहां उनका मुक. ाबला अमेरिकी क्वालिफायर जेंग या फ्रांसीसी खिलाड़ी कोरेंटिन माउटेट से होगा। सबालेंका ने अपनी काबिलियत का प्रदर्शन किया और दूसरे दौर में चीनी क्वालिफायर बाई झूओक्सुआन को 6-3, 6-1 से हराया।

लिजेल ली पर मैच फीस का 10 प्रतिशत जुर्माना

वडोदरा, वार्ता। दिल्ली कैपिटल्स की लिजेल ली पर मंगलवार को वडोदरा के बीसीए स्टेडियम में मुंबई इंडियंस के खिलाफ अपनी टीम के मैच के दौरान डब्ल्यूपीएल आचार संहिता का उल्लंघन करने के लिए मैच फीस का 10 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया है और 1 डिमेरिट पॉइंट दिया गया है। लिजेल ली ने आर्टिकल 2-2 के तहत लेवल 1 के अपराध को स्वीकार किया, जो मैच के दौरान क्रिकेट उपकरणों के दुरुपयोग से संबंधित है। आचार संहिता के लेवल 1 के उल्लंघन के लिए, मैच रेफरी का फैसला अंतिम और बाध्यकारी होता है।

मैं नंबर-3 पर खेलना चाहती थी: जेमिमाह

● इस सीजन कप्तानी और बल्लेबाजी दोनों मोर्चों पर संघर्ष कर रहीं जेमिमा रॉड्रिग्स प्लेयर ऑफ द मैच रही

वडोदरा, वार्ता। दिल्ली कैपिटल्स (डीसी) की कप्तान जेमिमा रॉड्रिग्स के लिए मुंबई इंडियंस (एमआई) के खिलाफ मिली जीत महज दो अंक नहीं, बल्कि राहत की एक बड़ी सांस लेकर आई है। इस सीजन कप्तानी और बल्लेबाजी, दोनों ही मोर्चों पर संघर्ष कर रहीं जेमिमा ने न केवल अपनी टीम को जीत की पटरी पर लौटाया, बल्कि खुद भी नाबाद 51 रनों की कप्तानी पारी खेलकर प्लेयर ऑफ द मैच भी रहीं।

डीसी जब अपनी सीजन की शुरुआत कर रही थी, तब बल्लेबाजी क्रम को लेकर तीन बड़े सवाल थे। शेफाली वर्मा के साथ ओपन कौन करेगा? क्या जेमिमानंबर तीन पर बल्लेबाजी करेंगी? लिजेल ली और लौरा वुलफॉर्ट किस पोजीशन पर बल्लेबाजी करेंगी? एमआई के खिलाफ मिली जीत के बाद प्रेस कांफ्रेंस के दौरान जेमिमा ने खुलासा किया कि वे निजी तौर पर नंबर तीन पर खेलना चाहती थीं, लेकिन टीम की जरूरत के आगे उन्होंने अपना मन बदल लिया।

उन्होंने कहा कि सच कहूं तो मैं नंबर तीन पर बल्लेबाजी करना चाहती थी, लेकिन कप्तान के तौर पर मैं सिर्फ अपने बारे में नहीं सोच सकती। मुझे टीम को पहले रखना था। टीम के नजरिए से लौरा वुलफॉर्ट नंबर तीन के लिए बेहतर थीं क्योंकि वे दक्षिण अफ्रीका के लिए भी ओपनिग करती हैं और नई गेंद को अच्छा टाइम करती हैं। नंबर चार पर मैं ज्यादा सहज हूं क्योंकि मैं स्पिनर्स को बेहतर खेल सकती हूं और पहली ही गेंद से गैप ढूंढने में सक्षम हूं। लौरा एक बेहतरीन उप कप्तान भी हैं और मैदान पर मेरी बहुत मदद करती हैं। मुझे उनके साथ बल्लेबाजी करना और उनके कवर ड्राइव देखना बहुत पसंद है। पिछले तीन सीजन तक डब्ल्यूपीएल के फाइनल में पहुंचने वाली डीसी की टीम इस सीजन उस तरह की लय में नहीं है।

घर से टी-20 विश्व कप देखना थोड़ा अजीब लगेगा: रोहित

रोहित शर्मा ने साथियों के साथ बनाए गए रिश्तों और बॉन्ड के बारे में अपने विचार शेयर किए

मुंबई, वार्ता। भारत के 2024 टी-20 वर्ल्ड कप जीतने वाले कप्तान रोहित शर्मा जियोहॉटस्टार के 'कैप्टन रोहित शर्माज रोडमैप फॉर टी-20 वर्ल्ड कप' में जतिन सप्रू के साथ बैठे, जहां उन्होंने पहले टी-20 वर्ल्ड कप के बारे में बात की जिसमें वह हिस्सा नहीं लेंगे, अपने टीम के साथियों के साथ बनाए गए रिश्तों और बॉन्ड के बारे में अपने विचार शेयर किए, मुश्किल सिलेक्शन के फैसले लेने और आने वाले टूर्नामेंट के लिए टीम के बारे में अपनी राय बताई। रोहित शर्मा ने माना कि अपने करियर में पहली बार टी-20 वर्ल्ड कप मिस करना उनके लिए एक अजीब एहसास होगा। उन्होंने कहा,ष्हम घर पर इस बारे में बात कर रहे थे कि घर से इसे देखना अजीब लगेगा, खासकर टी-20 वर्ल्ड कप। जब से यह शुरू हुआ है, तब से अब तक मैं हर वर्ल्ड कप का हिस्सा रहा हूं, इसलिए यह अलग लगेगा। जब मैं टीम को टी 20 मैच खेलते हुए देखता हूं, तो मिस करने का एहसास उतना नहीं होता। लेकिन जब आप वर्ल्ड कप मिस करते हैं, तो असलियत का एहसास होता है। तभी आपको पता चलता है कि आप इसका हिस्सा नहीं बनने वाले हैं। तो यह थोड़ा अजीब लगेगा। हालांकि, मैं स्टेडियम में कहीं रहूंगा। यह वैसा नहीं होगा और यह एक अलग अनुभव होगा, लेकिन मैं असल में इसके लिए उत्सुक हूं। यह काफी शानदार होगा। अपनी कप्तानी के दौरान टीम के साथियों के बीच सम्मान पाने और रिश्ते बनाने के बारे में रोहित ने कहा कि खिलाड़ियों के साथ अभी भी वैसा ही रिश्ता होना बहुत अच्छा लगता है, और यही मैं हमेशा टीम में चाहता था, किसी भी चीज पर खुलकर बात करना, सिर्फ क्रिकेट ही नहीं, बल्कि जिंदगी के बारे में भी, खेल के बाहर की कोई भी बात। जिंदगी में क्या चल रहा है, घर पर क्या हो रहा है, इस तरह की बातें। मैं हमेशा वैसा ही इंसान बनना चाहता था, क्योंकि मुझे पता है कि जब आप पहली बार टीम में शामिल होते हैं, तो खुलने में समय लगता है। इसलिए, जब मैं यहां बैठा होता हूं या जब मैं टीम के ड्रेसिंग रूम में जाता हूं, तो मैं कभी नहीं चाहता कि किसी को ऐसा लगे कि उन्हें खुलने में समय लगेगा। मैं चाहता हूं कि उन्हें लगे कि वे बस आकर खुलकर बात कर सकते हैं। ऐसा नहीं होना चाहिए कि वे सोचें कि उन्हें आकर बात करनी चाहिए या नहीं। मैं कभी नहीं चाहता था कि किसी के मन में ऐसा ख्याल आए। मैं जितना हो सके उतना खुला और सीधा रहने की कोशिश करता हूं, और इसीलिए ए लोग मेरा बहुत मजाक उड़ाते हैं। कोई सीमा नहीं है, हमेशा एक खुला दरवाजा होता है। साथ ही, हम एक-दूसरे की टांग खींचते हैं, खैर, हम नहीं, वे मेरी टांग खींचते हैं। मैं हमेशा ऐसा ही माहौल चाहता था, और मुझे यह सच में बहुत पसंद है। टीम में एकजुटता और आईसीसी मेन्स टी-20 वर्ल्ड कप इंडिया और श्रीलंका 2026 के लिए भारतीय टीम के बारे में: रोहित ने कहा कि मुझे लगता है कि एकजुटता और आपसी भरोसा सबसे जरूरी चीजें हैं। अगर मैं गलत नहीं हूं, तो ए खिलाड़ी लगभग दो साल से एक साथ खेल रहे हैं। कुछ खिलाड़ी बाहर हुए हैं और कुछ नए आए हैं, लेकिन इसके अलावा, मुझे लगता है कि पिछले टी-20 वर्ल्ड कप के बाद से लगभग 80 से 90 प्रतिशत टीम वही रही है। जब मैं मैच देखता हूं, तो मुझे लगता है कि टीम में आपसी समझ बहुत अच्छी है, जो एक साथ खेलने से बनी है। एक अच्छी बात यह है कि कुछ अपवादों को छोड़कर, लगभग सभी खिलाड़ी एक ही उम्र के हैं।

लंढौरा में ऐसे तो न टूट पाएगा तेल माफियाओं का नेटवर्क

मांगेराम गौर।

लंढौरा। पुलिस द्वारा थिथौला गांव के एक पार्किंग में तेल चोरी का मामला पकड़े जाने के बाद एसएसपी द्वारा चौकी प्रभारी को लाइन हाजिर करने की चर्चाओं के बाद जहां तेल कारोबारियों में खुशी का माहौल है। वही पुलिस महकमे में तेल कारोबारियों की राजनेताओं से मजबूत पकड़ को लेकर दहशत का माहौल है। ऐसे में सवाल यह खड़ा होता है कि लंबे समय की चुप्पी के थिथौला में शुरू हुए तेल के खेल में आने वाले चौकी प्रभारी को बहुत सोच समझकर हाथ डालना होगा। 4 जनवरी को लंढौरा पुलिस व आपूर्ति विभाग की टीम ने थिथौला गांव में एक पार्किंग में छापेमारी कर एक तेल टैंकर 400 लीटर तेल व तेल चोरी के उपकरण बरामद किए थे। हालांकि छापेमारी के दौरान तेल कारोबारी पुलिस को चकमा देकर मौके से फरार हो गया था। सुत्रों के मुताबिक जिस समय लंढौरा पुलिस तेल कारोबारी के ठिकाने पर छापेमारी की कार्रवाई कर रही थी। उस समय पुलिस से एक भाजपा राज्यमंत्री ने तेल कारोबारी को अपना व्यक्ति बताते हुए कार्रवाई न करने की सिफारिश की थी। मगर पुलिस ने उस समय भाजपा नेता की बातों को दरकिनार कर दिया था। चर्चा है कि उस समय भाजपा नेता की बात न मानने की किमत लंढौरा चौकी प्रभारी महिपाल सैनी को लाइन हाजिर होकर चुकानी पड़ी हैं। अब लोगों की निगाह लंढौरा पुलिस चौकी की कमान संभालने वाले दरोगा की तैनाती पर टिकी है। ऐसे में सवाल यह खड़ा होता हैं कि जो तेल कारोबारी उनके खिलाफ मुकदमा दर्ज करवाने वाले पूर्ति निरीक्षक को उनके मोबाइल फोन पर देख लेने की धमकी देने से भी न डरते हो जिनका साथ सत्ता में बैठे हुए लोग देते हो ऐसे लोगों के खिलाफ आने वाला दरोगा कार्रवाई करने का दम रखता हैं। या फिर तेल माफियाओं के आगे नतमस्तक हो पुलिस चौकी पर अपना समय काटता है।

तत्कालीन एसएसपी की सख्ती से बंद हुआ था तेल का कारोबार

शाह टाइम्स संवाददाता

लंढौरा। लंढौरा के औद्योगिक क्षेत्र में आईओसी और एचपी के तेल डिपो हैं। डिपों के पास ही स्थित थिथोला गांव निवासी तेल माफिया टैंकर चालकों से साठगांठ कर सस्ते दामों में खरीद लेते हैं। तत्कालीन एसएसपी कृष्ण कुमार वीके को कुछ लोगों ने रात के समय तेल माफियाओं द्वारा दो टैंकरों से एथीनोल चोरी की जानकारी दी थी। जानकारी मिलने पर एसएसपी ने लंढौरा चौकी प्रभारी को तत्काल कार्रवाई करने के निर्देश दिए थे। पुलिस ने मौके से टैंकरों से एथीनोल चोरी करते हुए मुजफ्फरनगर निवासी एक टैंकर चालक को गिरफ्तार कर लिया था। जबकि थिथौला निवासी तेल कारोबारी लुकमान अपने साथी के साथ फरार होने में कामयाब हो गया था। उस समय लंढौरा पुलिस द्वारा एसएसपी को तेल चोरी की सूचना देने वाले लोगों के नाम और फोन नंबर तेल माफियाओं को देने की जानकारी मिलने पर एसएसपी कृषण कुमार वीके ने चौकी प्रभारी संजीव चौहान, एचसीपी अहसान अली को सस्पेंड कर दिया था। जिसके बाद तेल के कारोबार पर पूरी तरह विराम लग गया था। फिलहाल कई वर्षो की चुप्पी के बाद तेल माफिया एक बार फिर सक्रिय हो चले है।

आपदा प्रबंधन उपाध्यक्ष ने सड़कों पर घूमकर परखी निगम की व्यवस्थाएं

गरीब व जरूरतमंद लोगों को बांटे कंबल

शाह टाइम्स संवाददाता

रुड़की। उत्तराखंड राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के उपाध्यक्ष विनय रोहिल्ला मंगलवार देर शाम रुड़की पहुंचे। उन्होंने सबसे पहले गंगा तट पर पहुंचकर भव्य गंगा आरती में सहभागिता की और मां गंगा की आराधना कर प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि एवं जनकल्याण की कामना की। इसके बाद उन्होंने नगर निगम की व्यवस्थाएं परखी और रैन बसेरे में एवं फुटपाथ पर रह रहे लोगों से संवाद किया। गंगा आरती के उपरांत रोहिल्ला लक्ष्मी नारायण घाट स्थित नगर निगम के रैन बसेरा पहुंचे, जहां उन्होंने निर्धन, असहाय एवं जरूरतमंद लोगों से संवाद कर निगम की व्यवस्थाओं के बारे में जाना और उनको कंबल वितरित किए। निगम की व्यवस्थाओं से वह संतुष्ट नजर आए।इस दौरान उन्होंने कहा कि ठंड के मौसम में गरीबों और

बेसहारा लोगों की सेवा करना हम सभी का सामाजिक दायित्व है और राज्य सरकार इस दिशा में निरंतर कार्य कर रही है। मेयर अनीता देवी अग्रवाल , भाजपा नेता ललित मोहन अग्रवाल , मुख्य नगर अधिकारी एवं भाजपा पदाधिकारीगण भी उनके साथ उपस्थित रहे। सभी अतिथियों ने जरूरतमंदों से संवाद किया और उन्हें सरकार द्वारा संचालित विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी। विनय रोहिल्ला ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी सेवा और समर्पण की भावना के साथ कार्य करती है और आपदा के समय ही नहीं, बल्कि हर परिस्थिति में जरूरतमंदों की सहायता के लिए आगे रहती है। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में प्रदेश सरकार आपदा प्रबंधन, गरीब कल्याण, स्वास्थ्य और रोजगार के क्षेत्र में लगातार प्रभावी कार्य कर रही है। मेयर अनीता देवी अग्रवाल ने कहा कि भाजपा का प्रत्येक कार्यकर्ता समाज के अंतिम व्यक्ति तक सहायता पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि नगर निगम द्वारा लगातार रैन बसेरा, भोजन एवं वस्त्र वितरण जैसी व्यवस्थाएं की जा रही हैं। कार्यक्रम के अंत में अतिथियों ने आमजन से समाज सेवा में आगे आने की अपील की। इस अवसर पर भाजपा नेता ललित मोहन अग्रवाल, मुख्य नगर अधिकारी राकेश तिवारी, सहायक नगर अधिकारी अमरजीत कौर आदि उपस्थित रहे।

निर्माणाधीन मकानों में चोरी करने वाले दो चोर गिरफ्तार

शाह टाइम्स संवाददाता

रुड़की। क्षेत्र में लगातार हो रही चोरी की घटनाओं पर प्रभावी अंकुश लगाते हुए हरिद्वार पुलिस को एक बड़ी सफलता हाथ लगी है। कोतवाली रुड़की पुलिस ने बंद घरों व निर्माणाधीन मकानों को निशाना बनाकर चोरी करने वाले दो शातिर चोरों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से चोरी का सामान व घटना में प्रयुक्त वाहन बरामद किया है। पुलिस की इस कार्रवाई से क्षेत्र में सक्रिय चोर गिरोह पर करारा प्रहार माना जा रहा है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, कोतवाली रुड़की पर दिनांक 19 जनवरी 2026 को सुनील सैनी पुत्र श्री बुद्धेश्वर, निवासी गंगोत्रीपुरम, निकट शनिदेव मंदिर, रुड़की द्वारा लिखित तहरीर दी गई थी। तहरीर में बताया गया कि दिनांक 12 जनवरी 2026 की रात अज्ञात चोरों द्वारा उनके निर्माणाधीन मकान से दो टाइल्स कटिंग मशीन, एक ड्रिल मशीन तथा बिजली के तार चोरी कर लिए गए। तहरीर के आधार पर कोतवाली रुड़की में अभियोग पंजीकृत किया गया। थाना क्षेत्र में बढ़ती चोरी की घटनाओं को गंभीरता से लेते हुए वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक द्वारा स्वयं संज्ञान लेते हुए प्रभारी निरीक्षक कोतवाली रुड़की को शीघ्र अनावरण के निर्देश दिए गए। निर्देशों के क्रम में प्रभारी निरीक्षक द्वारा

अलग-अलग पुलिस टीमों का गठन किया गया तथा सीसीटीवी फुटेज के विश्लेषण और मुखबिर तंत्र को सक्रिय किया गया। इसी क्रम में दिनांक 20 जनवरी 2026 को गठित पुलिस टीम ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए सोनाली पार्क से आगे नहर पटरी क्षेत्र से दो शातिर चोरों को धर दबोचा। तलाशी के दौरान उनके कब्जे से चोरी की गई दोनों टाइल्स कटिंग मशीन, एक ड्रिल मशीन, तांबे के तारों के दो गुच्छे तथा बिना नंबर प्लेट की काले रंग की हीरो स्प्लेंडर प्लस मोटरसाइकिल बरामद की गई। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान सैफ अली पुत्र इकरार तथा समीर पुत्र मतीन, दोनों निवासी भारतनगर, कोतवाली रुड़की, जिला हरिद्वार के रूप में हुई है। पुलिस द्वारा आरोपियों के विरुद्ध अग्रिम वैधानिक कार्रवाई की जा रही है। इस सफल अनावरण में उपनिरीक्षक चन्द्रमोहन सिंह के नेतृत्व में हेड कांस्टेबल यूनुस बेग, कांस्टेबल राजेश देवरानी, कांस्टेबल गुलबहार तथा महिला कांस्टेबल प्रदीप डंगवाल शामिल रहे।

कलियर में ओवरलोड डंपरों को ग्रामीणों ने सड़क पर रोका

शाह टाइम्स संवाददाता

पिरान कलियर। बेडपुर चौक से मुकर्रबपुर से होकर गुजर रहे मिट्टी से भरे ओवरलोड खनन डंपरों के खिलाफ गुरुवार को स्थानीय लोगों का गुस्सा फूट पड़ा। सड़कों की बदहाली और उड़ती धूल से परेशान ग्रामीणों ने डंपरों के आगे टायर लगाकर उन्हें मौके पर ही रोक दिया और चालकों से तीखी नोकझोंक की।

ग्रामीणों का कहना है कि इन भारी वाहनों के कारण सड़कें जगह-जगह से उखड़ चुकी हैं, गहरे गड्ढे बन गए हैं और हर समय धूल उड़ती रहती है, जिससे राहगीरों और स्थानीय निवासियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। कई बार लोग गड्ढों में गिरकर घायल भी हो चुके हैं। आरोप है कि कलियर क्षेत्र में परमिशन की आड़ में मिट्टी से भरे खनन डंपर बेडपुर चौक से मुकर्रबपुर, पीपल चौक होते हुए भारी भीड़ वाले मार्ग से बेरोकटोक दौड़ रहे हैं। खनन सामग्री ढोने के लिए बड़े बड़े डंफरो का इस्तेमाल किया जा रहा है, वह भी क्षमता से कहीं अधिक वजन के साथ। इसका सीधा असर सड़कों की हालत और लोगों की सुरक्षा पर पड़ रहा है।गुरुवार को जब कुछ डंपर खनन सामग्री लेकर गुजर रहे थे, तभी स्थानीय निवासी राजा, सनव्वर अंसारी, साकिर,शाहरुख, गुलजार सहित अन्य लोगों ने उन्हें रोककर विरोध प्रदर्शन किया। ग्रामीणों ने चालकों को साफ शब्दों में बताया कि सड़क पर बने गड्ढे और उड़ती धूल उनके लिए जानलेवा साबित हो रही है।काफी देर तक चले विरोध के बाद डंपर चालकों ने गड्ढे भरवाने, नियमित रूप से पानी का छिड़काव कराने और वाहनों को सीमित गति से चलाने का आश्वासन दिया, तब जाकर ग्रामीणों ने वाहनों को आगे जाने दिया।हालांकि, ग्रामीणों का सवाल है कि जब स्थिति इतनी गंभीर है तो संबंधित विभागों द्वारा इन ओवरलोड खनन वाहनों पर अब तक कोई ठोस कार्रवाई क्यों नहीं की गई। लोगों ने प्रशासन से मांग की है कि समय रहते सख्त कदम उठाए जाएं, ताकि किसी बड़े हादसे से पहले समस्या का समाधान हो सके।

नारसन से मोहम्मदपुर जट्ट जाने वाला मार्ग बना तालाब

शाह टाइम्स संवाददाता

नारसन। नारसन कस्बे से मोहम्मदपुर जट्ट तक जाने वाला मार्ग तालाब की शक्ल ले चुका है। वहां पर पानी भरने से लोग परेशान हैं।

जानकारी के अनुसार, लगभग एक सप्ताह पहले इस मार्ग को नवीनीकरण के लिए विभाग द्वारा उखाड़ा गया था। स्थानीय निवासियों को उम्मीद थी कि जल्द ही उन्हें एक बेहतर सड़क मिलेगी, लेकिन हफ्ता बीत जाने के बाद भी यहाँ निर्माण कार्य शुरू नहीं हो सका है। सड़क खोदकर छोड़ देने के कारण अब वहां नालियों का गंदा पानी जमा हो गया है, जिससे पूरा रास्ता दलदल और तालाब में तब्दील हो गया है। पैदल चलना तो दूर, दोपहिया वाहनों का निकलना भी अब यहाँ जान जोखिम में डालने जैसा है। गंदे पानी के भराव से क्षेत्र में संक्रामक बीमारियों के फैलने का खतरा भी बढ़ गया है। इस मार्ग पर कस्बे के दो प्रतिष्ठित स्कूल स्थित हैं। अभी तक शीतकालीन अवकाश होने के कारण बच्चे इस मार्ग से नहीं गुजर रहे थे, लेकिन अब छुट्टियां खत्म हो चुकी हैं। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि अगर स्कूल जाने वाला कोई मासूम बच्चा या उनके अभिभावक इस पानी से भरे गड्ढों में गिरकर चोटिल हो जाते हैं, तो इसका जिम्मेदार कौन होगा, क्या प्रशासन किसी बड़े हादसे का इंतजार कर रहा है। क्षेत्रवासियों ने विभाग और स्थानीय जनप्रतिनिधियों के खिलाफ गहरा रोष व्यक्त किया है। ग्रामीणों की मांग है कि जल्द से जल्द जलभराव की समस्या को दूर कर सड़क निर्माण का कार्य शुरू किया जाए, ताकि स्कूली बच्चों और आम जनता को इस नारकीय स्थिति से निजात मिल सके।

रेलवे स्टेशन पर मिला युवक का शव, हड़कंप

शाह टाइम्स संवाददाता

रुड़की। रुड़की रेलवे स्टेशन परिसर के बाहर आज सुबह एक व्यक्ति का शव मिलने से सनसनी फैल गई। शव को देख आसपास के लोगों और यात्रियों में हड़कंप मच गया। स्थानीय लोगों ने तत्काल इसकी सूचना गंगनहर कोतवाली पुलिस को दी।

सूचना मिलते ही गंगनहर कोतवाली पुलिस की टीम मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू की। तलाशी के दौरान मृतक के कपड़ों से एक आधार कार्ड बरामद हुआ है। आधार कार्ड के अनुसार मृतक की पहचान अमित पुत्र सुरेश (उम्र लगभग 38 वर्ष) के रूप में हुई है, जो गंगनहर कोतवाली क्षेत्र के गणेशपुर का रहने वाला बताया जा रहा है। इस संबंध में जानकारी देते हुए प्रभारी निरीक्षक मनोहर भंडारी ने बताया कि मृतक के पास मिले आईडी प्रूफ के आधार पर उसकी शिनाख्त की गई है। पुलिस की एक टीम को आधार कार्ड पर दिए गए पते पर भेजकर परिजनों की तलाश की जा रही है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, मृतक रेलवे स्टेशन परिसर के बाहर एक कंबल में लेटा हुआ मिला था और वह लंबे समय से

किसी बीमारी से जूझ रहा था। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए रुड़की के सरकारी अस्पताल भेज दिया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मृत्यु के वास्तविक कारणों की पुष्टि हो सकेगी।

षड्यंत्र में शामिल अपहरण का साथी आरोपी गिरफ्तार

शाह टाइम्स संवाददाता

रुड़की। कोतवाली गंगनहर पुलिस ने नाबालिग किशोरी के अपहरण के मामले में बड़ी कार्रवाई करते हुए मुख्य आरोपी के एक सहयोगी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है, वहीं अपहृत किशोरी को सकुशल बरामद कर लिया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, दिनांक 13 जनवरी 2026 को कोतवाली गंगनहर क्षेत्र निवासी एक व्यक्ति ने थाने में लिखित तहरीर देकर अपनी 17 वर्षीय नाबालिग बहन के अपहरण की सूचना दी थी। तहरीर में आरोप लगाया गया कि सलमान पुत्र इसरार, निवासी लाठर देवा शेख, थाना झबरेड़ा, अपने साथियों के साथ मिलकर किशोरी को बहला-फुसलाकर ले गया है। इस संबंध में थाना गंगनहर पर मु0अ0सं0 14/2026, धारा 137(2)/87 बीएनएस के अंतर्गत मुकदमा दर्ज कर विवेचना उप निरीक्षक मुनव्वर हुसैन को सौंपी गई। घटना की गंभीरता को देखते हुए वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जनपद हरिद्वार द्वारा अपहृता की शीघ्र बरामदगी के सख्त निर्देश दिए गए। इसके अनुपालन में पुलिस अधीक्षक ग्रामीण एवं क्षेत्राधिकारी रुड़की के कुशल पर्यवेक्षण में प्रभारी निरीक्षक कोतवाली गंगनहर द्वारा अलग-अलग पुलिस टीमों का गठन किया गया तथा मुखबिर तंत्र को सक्रिय किया गया। विवेचना के दौरान पुलिस को महत्वपूर्ण सफलता हाथ लगी। जांच में सामने आया कि सोहेल पुत्र इनामुल हक, निवासी सालियर सलाहपुर, कोतवाली गंगनहर, जिला हरिद्वार, ने मुख्य आरोपी सलमान के साथ मिलकर आपराधिक षड्यंत्र रचा। आरोपी सोहेल ने अपनी पहचान पर सिम कार्ड उपलब्ध कराकर अपहृता से मुख्य आरोपी की बातचीत करवाई और अपहरण की घटना में सक्रिय सहयोग किया। पुलिस टीम ने सर्विलांस और मुखबिर की सटीक सूचना के आधार पर दिनांक 20 जनवरी 2026 को अपहृता को ग्राम निराना, थाना सिखेड़ा, जनपद मुजफ्फरनगर से सकुशल बरामद कर लिया। आरोपी सोहेल को धारा 137(2)/61(2) बीएनएस के तहत गिरफ्तार कर आवश्यक वैधानिक कार्रवाई की जा रही है। गिरफ्तार अभियुक्त को माननीय न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया जा रहा है।

वेतन न मिलने पर शुगर मिल के कर्मचारियों का धरना जारी

शाह टाइम्स संवाददाता

झबरेड़ा। इकबालपुर स्थित लक्ष्मी शुगर मिल में शुगर मिल के कर्मचारियों को 17 माह से वेतन न मिलने के कारण अनिश्चितकालीन धरना प्रदर्शन जारी है।

धरना प्रदर्शन में शामिल होकर भगवानपुर विधायक ममता राकेश ने कहा कि कर्मचारियों को 27 जनवरी तक वेतन नही मिला तो वह कर्मचारियों के बीच इकबालपुर शुगर मिल मे अनशन शुरू कर देंगी। इकबालपुर शुगर मिल में काम करने वाले कर्मचारीयो को 17 माह से वेतन नहीं मिलने के कारण कर्मचारी विवश होकर शुगर मिल परिसर में 23 दिन से धरना प्रदर्शन कर रहे हैं। बुध वार को इकबालपुर शुगर मिल में धरना प्रदर्शन कर रहे कर्मचारियों के बीच भगवान पुर कांग्रेस विधायक ममता राकेश भी पहुंची। विधायक ममता राकेश ने कहा कि वह कर्मचारियों के साथ है। शुगर मिल कर्मचारियों को 26 जनवरी तक वेतन नहीं मिला तो वह 27 जनवरी से कर्मचारियों के बीच शुगर मिल परिसर में ही अपने समर्थकों के साथ अनशन शुरू कर देगी। विधायक ने कहा कि इकबालपुर शुगर मिल प्रबंधन के साथ-साथ राज्य की भाजपा सरकार भी इस और कोई ध्यान नहीं दे रही है। उन्होंने कहा कि कर्मचारियों को वेतन देने के संबंध में वह कई बार शासन प्रशासन के अधिकारियों से भी वेतन दिलाने की मांग कर चुकी है। उन्होंने शुगर मिल कर्मचारियों को वेतन न मिलने की समस्या विधानसभा में भी उठाई थी। उसके बाद भी कोई हल नहीं निकल पा रहा है।

नाम परिवर्तन

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरी पुत्री का जन्म प्रमाण पत्र में नाम उज्ज्वल अक्षित दर्ज हो गया था जो गलत है मेरी पुत्री का सही नाम अक्षित है आज के बाद मेरी पुत्री को अक्षित के नाम से ही जाना पहचाना समझा पढ़ा लिखा व दर्ज किया जाए।

कुलदीप पुत्र रामपाल नि. अकबरपुर उद विकासखंड व तहसील लक्सर जिला हरिद्वार

संबंध विच्छेद-सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरा मकान पीएम आवास योजना से बनाया गया था जो मेरे नाम से है मेरा पति नेपाल नशे का आदी है मेरे नाम के मकान को बेचना व खुर्द बुरद करना चाह रहा है इसलिए मैं अपने पति नेपाल को अपनी चल अचल संपत्ति से बेदखल करती हूं। आज के बाद मेरे पति के किसी भी लेनदेन व अनैतिक कार्य की मेरी कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।

बबीता पत्नी नेपाल निवासी ग्राम गोवर्धनपुर थाना खानपुर तहसील लक्सर हरिद्वार

झोपड़ियों में लगी आग, हड़कंप

झबरेड़ा। थाना क्षेत्र के गांव सादोली में स्थित मशरूम उगाने वाले स्थान पर धान की पुराल से बनी झोपड़ियो में आग लगने से वहां पर बनी सभी 40 झोपड़ीया जलकर राख हो गई ।आग लगने से लाखों रुपए का नुकसान बताया गया है। ग्राम सादोली के पास मशरूम उगाने वाली खुंबी फूड एनर्जी कंपनी के नाम से 21 बीघा जमीन में मशरूम उगाने के लिए बाँस व धान की पुराल से 40 झोपड़ियां मनाई गई थी। कंपनी मालिक आशीष त्यागी व राहुल का कहना है कि 21 बीघा जमीन में मशरूम पैदा करने के लिए 40 झोपड़ियां बाँस व पुराल से बनाई गई थी। मशरूम उगाने के लिए यहां पर 60 मजदूर काम कर रहे थे। बुध वार सुबह अचानक एक झोपड़ी में आग लग गई। झोपड़ी पास पास होने से आग देखते ही देखते चारों ओर फैल गई जिससे वहां बनी 40 झोपड़ियां जल का राख हो गई। मशरूम बनाने का सामान भी जलकर नष्ट हो गया।

नपं इमलीखेड़ा क्षेत्रांतर्गत पेयजल योजना स्वीकृत होने पर लोगों ने नपं अध्यक्ष मनोज का किया स्वागत

शाह टाइम्स संवाददाता

इमलीखेडा। नगर पंचायत इमली खेड़ा क्षेत्र पिछले 15 वर्षो से पेयजल संकट से जूझ रहा है, जैसे ही स्थानीय निवासियों तक निकाय क्षेत्रांतर्गत पेयजल योजना स्वीकृत होने का समाचार पहुँचा वैसे ही बहुत बड़ी संख्या में क्षेत्र वासियों ने नगर पंचायत के कार्यालय में एकत्रित होकर नगर पंचायत अध्यक्ष मनोज कुमार सैनी का ढोल बजाकर, लड्डू खिलाकर एवं फूलमालाओं से स्वागत एवं अभिनंदन किया, जिसमें बहुत बड़ी संख्या में महिलाओं की भागीदारी थी उक्त योजना के स्वीकृत हो जाने से क्षेत्रवासियों में खुशी की लहर है । विगत 1 वर्ष बोर्ड गठन के पशचात से ही प्रथम अध्यक्ष मनोज सैनी निकाय क्षेत्र के समस्त वार्डों में पेयजल योजना को लेकर संघर्ष कर रहे थे, उनके द्वारा नगर पंचायत इमली खेड़ा क्षेत्र में पेयजल का मुद्दा दिशा की बैठक से लेकर शासन तक सक्षम अधिकारियों के समक्ष जोर-सोर से उठाया गया, जिसके परिणाम स्वरूप नगर पंचायत इमली खेड़ा क्षेत्रांतर्गत समस्त 9 वार्डों में 34 करोड़ की पेयजल योजना को शासन द्वारा वर्ल्ड बैंक की योजनाअंतर्गत स्वीकृति प्रदान की गई है, जिसमें स्थानीय स्तर पर 135 स्च्छ पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित की जायेगी। उक्त योजना का क्रियान्वयन पेयजल निगम हरिद्वार द्वारा किया जाना है। इस अवसर पर स्थानीय

निवासी व्यापार मंडल इमलीखेड़ा के अध्यक्ष अश्वनी गोयल, फोनिक्स विश्वविद्यालय के अध्यक्ष चौरब जैन, पिंका लाल, महावीर मास्टर, राधेश्याम पाल, गुलबशर, रिहाना, फरजाना, फिरदौस, गुलिस्ता, पूनम, रजनी, हेमलता, सोमपाल प्रजापति, संदीप सैनी, मोहित सैनी, शोभाराम, ज्ञानचंद, सुभाष सैनी, सत्य प्रकाश, अर्जुन सैनी, अनुज पाल, आदि प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

नवनियुक्त जिला सचिव डॉ. राव अकरम का किया स्वागत

शाह टाइम्स संवाददाता

पिरान कलियर। प्रांतीय चिकित्सा सेवा संघ (पीएमएचएस) हरिद्वार के नवनियुक्त जिला सचिव एवं इमलीखेड़ा चिकित्सा प्रभारी डॉ. राव अकरम का प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र इमलीखेड़ा पहुंचने पर राजकीय फार्मेसी अधिकारी संघ के पदाधिकारियों तथा स्वास्थ्य केंद्र के समस्त अधिकारियों व कर्मचारियों ने फूल मालाओं से भव्य स्वागत किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता राजकीय फार्मेसी अधिकारी संघ के जिला अध्यक्ष बृजेश कुमार ने की। उन्होंने कहा कि डॉ. राव अकरम एक ऊर्जावान एवं कर्मठ चिकित्सक हैं। उनके जिला सचिव मनोनीत होने से संगठन को नई मजबूती मिलेगी। उन्होंने आशा व्यक्त की कि डॉ. अकरम चिकित्सकों और स्वास्थ्य कर्मियों के हितों की रक्षा करते हुए उनकी समस्याओं का प्राथमिकता के आधार पर समाधान कराएंगे।वरिष्ठ सदस्य अरविंद सैनी ने डॉ. अकरम के व्यक्तित्व पर प्रकाश डालते हुए उनके सफल कार्यकाल की कामना की। नर्सिंग अधिकारी भावना, किरण नाथ, मालती सजवान एवं नेहा चहल ने भी डॉ. अकरम की नियुक्ति को जिला हरिद्वार के चिकित्सा जगत के लिए शुभ संकेत बताया।इस अवसर पर डॉ. राव अकरम ने सभी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि राजकीय फार्मेसी अधिकारी संघ एवं इमलीखेड़ा

स्वास्थ्य केंद्र के साथियों की और से दिए गए सम्मान के लिए वह सदैव कृतज्ञ रहेंगे। उन्होंने संकल्प लिया कि डॉक्टरों और कर्मचारियों की मांगों व समस्याओं के समाधान के लिए वे सदैव तत्पर रहेंगे तथा संगठन की गरिमा को नई ऊँचाइयों तक ले जाएंगे।कार्यक्रम में विजय शर्मा, उर्वशी चौधरी, प्रदीप शर्मा, मनोज कुमार, मनीष सैनी, रविंद्र प्रताप, सुहेल, लक्ष्मण भंडारी सहित बड़ी संख्या में स्वास्थ्य कर्मी मौजूद रहें।

Dainikshahtimes@gmail.com For Articles

सुर्खियों में ट्रांसफर

उप्र का सम्भल फिर से चर्चाओं में है। पिछले कुछ महीनों से वह लगातार कई कारणों से चर्चाओं में रहा है। पहले जामा मस्जिद का सर्वे और उसके बाद हुई हिंसा को लेकर चर्चा बटोर चुका है। पुलिस की कार्रवाई भी यहां सुर्खियों में बनी रही है। हाल ही में चर्चाओं में संभल उस समय आया, जब यहां के सीजेएम विभांशु सुधीर ने नौ जनवरी को एएसपी अनुज चौधरी समेत 20 पुलिसकर्मियों पर एपआईआर दर्ज करने का आदेश दिया था। अब पांच दिन बाद उनका ट्रांसफर कर दिया गया है। यूं तो इलाहाबाद हाईकोर्ट की तरफ से एक लिस्ट जारी हुई है, इस लिस्ट में 14 जजों के ट्रांसफर किए गए हैं और कुछ जजों की जगह अदला-बदली भी की गई है। इसी लिस्ट में विभांशु सुधीर का भी नाम है। उनको सुल्तानपुर भेजा गया है। वहीं चंदौसी कोर्ट के सी. डि. सिविल जज आदित्य सिंह को सम्भल का सीजेएम नियुक्त किया गया है। ध्यान रहे आदित्य सिंह वही जज हैं जिन्होंने श्री हरि-हरि मंदिर बनाम जामा मस्जिद दावे पर सर्वे के आदेश दिए थे। उन्हें प्रोमोशन के तहत सम्भल भेजा गया। विभांशु सुधीर मूलरूप से जहां उप्र के भदोई जिले के रहने वाले हैं, तो वहीं आदित्य सिंह मूलरूप से यूपी के मु.नगर के रहने वाले हैं। यह भी अजीब संयोग है कि एएसपी अनुज चौधरी भी मु.नगर जनपद से ही ताल्लुक रखते हैं। यूं तो जजों का ट्रांसफर कोई नई बात नहीं है और यह प्रक्रिया के तहत चलता रहता है, लेकिन कई बार समय का फेर इस तरह का हो जाता है जहां ट्रांसफर चर्चाओं में आ जाते हैं और वह इस कारण से होता है कि उसके पीछे कोई फैसला जुड़ा होता है। जैसाकि इस समय भी देखने में आ रहा है। जब मुख्य न्यायायिक मजिस्ट्रेट विभांशु सुधीर ने 9 जनवरी को यह फैसला लिया था तो इस फैसले ने सभी को चौंका दिया था। एएसपी अनुज चौधरी उप्र शासन के काफी नजदीक माने जाते रहे हैं और उनकी कार्यशैली भी काफी विवादित रही है। उनके विवादित बयान भी काफी चर्चाओं में रह चुके हैं, जो सांप्रदायिकता का सार लिए होते हैं। ऐसे में अनुज चौधरी और 20 अन्य पुलिसकर्मियों के विरुद्ध किसी न्यायाधीश द्वारा मुकदमा का आदेश देना चर्चा तो बंटोरेगा ही। साथ ही वह सर्द मौसम में राजनीतिक गर्मी का काम करेगा, जोकि ऐसा होता दिखाई भी दे रहा है। साथ ही ऐसे लोगों को भी बल मिलेगा, जो सरकार पर न्याय पालिका को प्रभावित करने का आरोप लगाते रहे हैं। अच्छा होता कि सरकार इस पर थोड़ा संयम बरतती और ऐसा कोई काम न करती जिससे जनता में गलत संदेश जाए। लेकिन दुर्भाग्य से ऐसा होता दिखाई नहीं दे रहा है। यूं भी यह इस तरह का कोई पहला मामला नहीं है। हम दिल्ली, हरियाणा में ऐसा होते देख चुके हैं। ऐसी स्थिति न्यायपालिका के लिए ठीक नहीं है। न्यायपालिका की साख की हर हाल में रक्षा की जानी ही चाहिए।

विधायिका तय करती है न्याय का मार्ग

न्याय, समता और बंधुता भारतीय संविधान की आत्मा हैं और इन्हीं मूल्यों के आधार पर देश की विधायिका समाज को दिशा देने का कार्य करती है, न्याय कैसे प्राप्त किया जाए, इसका मार्ग विधायिका तय करती है, क्योंकि वही ऐसे कानूनों का निर्माण करती है जो समाज के प्रत्येक वर्ग को न्याय दिलाने में सहायक होते हैं, विधायिका समतामूलक समाज की स्थापना का माध्यम है, बंधुता का अर्थ यह है कि सहमति और असहमति के बावजूद हम सब एक साथ आगे बढ़ते हैं और लोकतांत्रिक मर्यादाओं का सम्मान करते हैं, सशक्त विधायिका ही सशक्त लोकतंत्र की आधारशिला है और ऐसे आयोजनों से देश में बेहतर संसदीय परंपराओं को मजबूती मिलती है।

-योगी आदित्यनाथ, मुख्यमंत्री , उप्र

छुट्टियों के मौसम के बाद ट्रैवल इंश्योरेंस क्लेम दर्ज से पहले इन बातों का रखें ध्यान

ट्रैवल इंश्योरेंस का उद्देश्य होता है कि आपकी यात्रा के दौरान आई अचानक परेशानी से आपको सुरक्षित रखे और फिलहाल भारत में यात्रियों के साथ बिल्कुल यही हो रहा है। इस दिसंबर से चल रही परिचालन चुनौतियों के कारण दिल्ली, मुंबई, पुणे, बेंगलुरु और हैदराबाद सहित कई प्रमुख हवाई अड्डों पर, लोगों को फ्लाइट कैंसलेशन और देरी का अनुभव करना पड़ा। अगर आपने कॉम्प्रिहेंसिव ट्रैवल इंश्योरेंस पॉलिसी ली है, तो ऐसे मुश्किल-भरे हालात असल में यह समझने का सबसे अच्छा मौका होते हैं कि आपकी कवरेज कब और कैसे काम आ सकती है। अगर आपकी फ्लाइट कैंसल हो जाए, ट्रांसफर मिस हो जाएं, अचानक मेडिकल जरूरतें आ जाएं या होटल बुकिंग में दिक्कत आए, खासकर जब एयरलाइन के परिचालन में इस तरह की गड़बड़ी हो जाए, तब आपके लिए यह जानना बहुत जरूरी हो जाता है कि क्लेम कैसे और कब दर्ज करना है।

अपना ट्रैवल क्लेम दर्ज करने से पहले किन बातों को ध्यान में रखें?

चाहे आप कहीं भी जा रहे हों, आपको वर्तमान स्थिति जैसी किसी एमरजेंसी का सामना करना पड़ सकता है। इसलिए निम्नलिखित महत्वपूर्ण बातों के बारे में जानना बेहतर है जो आपके ट्रैवल क्लेम अनुभव को आसान बनाएंगी।

यात्रा से पहले की तैयारी

यात्रा पर निकलने से पहले यह जरूरी है कि आप अपने साथ ले जाने वाली सभी महंगी और कीमती चीजों की ठीक तरह से लिस्ट बना लें। अपनी पसंदीदा डेस्टिनेशन के लिए रवाना होने से पहले, जिन भी कीमती सामानों या डॉक्यूमेंट्स को आप साथ ले जा रहे हैं, उनकी ढेर सारी तस्वीरें खींचकर सुरक्षित रख लें। इसके अलावा, अपने सभी ट्रैवल डॉक्यूमेंट्स की एक कॉपी बना लेना और उसे घर पर किसी भरोसेमंद परिवार के सदस्य या दोस्त के पास छोड़ देना समझदारी है, और असली डॉक्यूमेंट्स को अपने साथ सफर पर ले जाएं।

शर्तें बारीकी से पढ़ना

किसी भी तरह का इंश्योरेंस खरीदते समय पॉलिसी डॉक्यूमेंट्स को ध्यान से पढ़ना बेहद जरूरी होता है। इससे आपको यह साफ पता चलता है कि ट्रैवल पॉलिसी में क्या शामिल है और क्या नहीं। पॉलिसी नियमावली आपके ट्रैवल इंश्योरर की आधिकारिक वेबसाइट पर आसानी से मिल सकती है। क्लेम दर्ज करते समय, अगर आप अपनी पॉलिसी से अच्छी तरह वाकिफ हैं, तो सूचीबद्ध शर्तों और सीमाओं के आधार पर आपको क्लेम की स्वीकार्यता समझने में आसानी होगी। ट्रैवल इंश्योरेंस में आमतौर पर शामिल कवरेज में फ्लाइट कैंसलेशन और देरी, मिस्ड कनेक्शन, सामान का खोना या मिलने में देरी होना, और मेडिकल एमरजेंसी से जुड़े खर्च शामिल होते हैं।

मेडिकल एमरजेंसी

एमरजेंसी या एक्सीडेंट के मामले में, अपनी इंश्योरेंस कंपनी को तुरंत सूचित करें। खासकर विदेश में होने पर, सभी मेडिकल रसीदें और रिपोर्ट्स सुरक्षित और व्यवस्थित तरीके से संभालकर रखें। ऐसी रसीदों के आधार पर इंश्योरर यह तय कर पाएगा कि इलाज कहां कराया गया था। अगर दुर्घटना किसी थर्ड पार्टी की गलती से हुई हो, तो पुलिस रिपोर्ट जरूर दर्ज कराएं और उसकी एक कॉपी सुरक्षित रख लें, ताकि क्लेम के समय उसे इंश्योरेंस कंपनी के पास जमा किया जा सके।

सामान का खोना या चोरी होना

एयरपोर्ट से लेकर होटल तक, सफर के दौरान कई जगहें ऐसी होती हैं जहां आपका सामान चोरी होने का खतरा रहता है, खासकर विदेश में। ऐसी इंश्योरेंस पॉलिसी खोए हुए सामान और आवश्यक चीजें जैसे कपड़े, टॉयलेट्रीज और आवश्यक रिप्लेसमेंट के लिए मुआवजा प्रदान करती है। अगर ऐसा होता है, तो पुलिस स्टेशन से लिखित रिपोर्ट प्राप्त करें और तुरंत अपनी इंश्योरेंस कंपनी को इसके बारे में जानकारी दें। इससे यह सुनिश्चित होगा कि आपके पास अपना क्लेम दर्ज करने के लिए उचित प्रमाण हो।

तुरंत क्लेम दर्ज करें

हर इंश्योरेंस कंपनी एक निश्चित समय अवधि तय करती है, जिसके भीतर आप अपना क्लेम दर्ज कर सकते हैं। विशेष रूप से छुट्टियों के मौसम के बाद, यह उम्मीद की जाती है कि ज्यादा क्लेम दर्ज किए जाएंगे। आजकल, अधिकांश कंपनियां आपको अपना क्लेम ऑनलाइन दर्ज करने की सुविधा देती हैं। क्लेम शुरू करने के लिए, अपनी इंश्योरेंस कंपनी की वेबसाइट से क्लेम फॉर्म डाउनलोड करें और विधिवत भरा हुआ फॉर्म सबमिट करें। रीइम्बर्समेंट की संभावना को बढ़ाने के लिए सभी संबंधित प्रमाण अटैच करना न भूलें। अगर आपने कॉम्प्रिहेंसिव ट्रैवल इंश्योरेंस पॉलिसी का विकल्प चुना था, तो समय आ गया है कि क्लेम दर्ज करना सीख लें, ताकि आपकी पॉलिसी खरीदने का उद्देश्य पूरा हो सके। बहुत से लोग इस प्रक्रिया से गुजरने में हिचकिचाते हैं, लेकिन इसमें मिलने वाली आर्थिक सुरक्षा उस मेहनत से कहीं ज्यादा मूल्यवान होती है। चाहे बात फ्लाइट में रुकावटों की हो, सामान खोने की या अचानक आने वाली स्वास्थ्य समस्याओं की, सही तरीके से क्लेम दर्ज करने से ही आपको वह मुआवजा मिलता है जिसके आप हकदार हैं। इस अनिश्चितताओं से भरी यात्राओं के सीजन में, समय पर और सही दस्तावेजों के साथ क्लेम दर्ज करने के लिए तैयार रहना एक समझदारी भरा कदम है, ताकि आप

एयरपोर्ट से लेकर होटल तक, सफर के दौरान कई जगहें ऐसी होती हैं जहां आपका सामान चोरी होने का खतरा रहता है, खासकर विदेश में। ऐसी इंश्योरेंस पॉलिसी खोए हुए सामान और आवश्यक चीजें जैसे कपड़े, टॉयलेट्रीज और आवश्यक रिप्लेसमेंट के लिए मुआवजा प्रदान करती है। अगर ऐसा होता है, तो पुलिस स्टेशन से लिखित रिपोर्ट प्राप्त करें और तुरंत अपनी इंश्योरेंस कंपनी को इसके बारे में जानकारी दें। इससे यह सुनिश्चित होगा कि आपके पास अपना क्लेम दर्ज करने के लिए उचित प्रमाण हो।

अनचाहे खर्चों से बच सकें और आपकी छुट्टियां बाद में याद करते समय उतनी ही खुशगवार रहेंगी, जितनी आपने सोची थीं।

-राकेश कौल
(चीफ डिस्ट्रीब्यूशन ऑफिसर-रिटेल बिजनेस, बजाज जनरल इंश्योरेंस लिमिटेड)

घूमने के हैं शौकीन, तो यहां जरूर जाएं

घूमने के शौकीन लोग समय और छुट्टियां मिलते ही घूमने की प्लानिंग कर लेते हैं। अधिकतर लोग घूमने के लिए हिल स्टेशन जाना पसंद करते हैं। जिससे वह बिजी शेड्यूल के बीच सुकून के कुछ पल बिता सकें। यहां की ठंडी-ठंडी हवाएं और शांत वातावरण दिल और दिमाग को शांति पहुंचाते हैं। आमतौर पर जब भी घूमने की प्लानिंग की जाती है, तो अधिकतर लोग शिमला-मनाली और नैनीताल जाना पसंद करते हैं।

बता दें कि उत्तराखंड और हिमाचल प्रदेश के अलावा अन्य कई राज्य हैं, जहां आपको एक से बढ़कर एक खूबसूरत हिल स्टेशन मिल जाएंगे। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको तमिलनाडु के एक ऐसे हिल स्टेशन के बारे में बताने जा रहे हैं, जहां पर जाने के बाद आपका वापस आने का मन नहीं करेगा।

तमलिनाडु के हिल स्टेशंस

वैसे तो तमिलनाडु में 25 से ज्यादा हिल स्टेशन हैं, जोकि राज्य की खूबसूरती को बढ़ाने का काम करते हैं। यहां पर कुन्नूर, एलागिरी, यरकौड, ऊटी, कोडाइकनाल, वेल्लियांगिरी हिल्स और कोल्ली हिल्स जैसी कई शानदार जगहें हैं। लेकिन अगर आपको प्रकृति की खूबसूरती और झीलों के सुंदर नजारे देखना चाहते हैं, तो आपको कोटागिरी हिल स्टेशन एक बेस्ट ऑप्शन हो सकता है।

कोटागरी है बेस्ट ऑप्शन

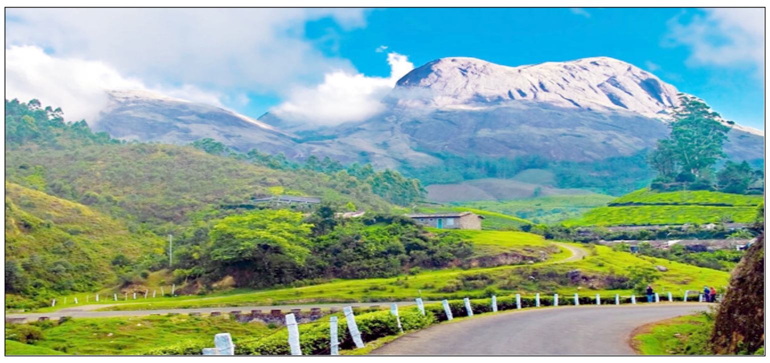

यह एक बेहद शानदार जगह है और यहां के नजारे पर्यटकों को अपनी ओर आकर्षित करता है। बारिश के मौसम में इस जगह की खूबसूरती अधिक बढ़ जाती है। आज हम आपको कोटागिरी हिल्स में घूमने वाली कुछ बेहतरीन जगहों के बारे में बताने जा रहे हैं।

कैथरीन फॉल्स

कैथरीन फॉल्स 20 फीट की ऊंचाई से गिरता है। यह झरना हर किसी को अपनी ओर आकर्षित करता है। यहां के सुंदर नजारे देखने के बाद आपका वापस जाने का दिल नहीं करेगा।

कोटागरी ट्रैक रूट

अगर आप भी उन लोगों में शामिल हैं, जिनको ट्रैकिंग पसंद है। तो आपको एक बार कोडनाड से कोटागिरी की ट्रैकिंग जरूर करना चाहिए। आपको इस रूट में चाय के सुंदर बागान और घने जंगल भी देखने को मिलेंगे।

चाय के बागान

बता दें कि नीलगिरी की पहाड़ियों पर बसे चाय बागानों को देखकर आप सुकून महसूस करेंगे। यहां पर आप चाय की चुस्की भी ले सकते हैं। इसकी खूबसूरती देखकर आप भी बार-बार कैमरा निकालने पर मजबूर होंगे।

-साभार प्रभा

कोडनाड व्यू पॉइंट

यह जगह सनराइज और सनसेट के सुंदर नजारों को देखने के लिए सबसे अच्छी मानी जाती है। इसके साथ ही आपको यहां पर टीपू सुल्तान के किले का बेहद खूबसूरत नजारा देखने को मिलेगा।

रंगास्वामी पीक

अगर आप हाइकिंग ट्रेल का मजा लेना चाहते हैं, तो आपको रंगास्वामी पीक जरूर एक्सप्लोर करना चाहिए। यहां का रंगास्वामी मंदिर और बड़े-बड़े चट्टान लोगों को पसंदीदा लिस्ट में शामिल होते हैं।

ऐसे पहुंचें कोटागरी हिल स्टेशन

आप चाहें तो यहां पर ट्रेन से भी जा सकते हैं। यहां का सबसे नजदीकी रेलवे स्टेशन मेट्टुपालयम है। कोटागिरी से इसकी दूरी करीब 33 किमी दूर है। यहां का सबसे पास एयरपोर्ट कोयंबटूर है। जोकि करीब 70 किमी की दूरी पर है। आप चाहें तो यहां पर बस और प्राइवेट गाड़ी से भी आ सकते हैं।

नेताजी सुभाष की मृत्यु: आयोग, फाइलें और अधूरा सत्य

योगेश कुमार गोयल

भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के महानायक नेताजी सुभाष चंद्र बोस की मौत का रहस्य आज भी अनसुलझा है। दरअसल उनकी मृत्यु के संबंध में कई दशकों से यही दावा किया जाता रहा है कि 18 अगस्त 1945 को सिंगापुर से टोक्यो (जापान) जाते समय ताइवान के पास फार्मोसा में उनका विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया था और उस हवाई दुर्घटना में उनका निधन हो गया था। नेताजी ने 16 अगस्त 1945 को टोक्यो से ताइपेई के लिए उड़ान भरी थी और जापानी द्वितीय विश्व युद्ध का उनका विमान 18 अगस्त की सुबह ताइपेई के पास दुर्घटनाग्रस्त हो गया था। उसके बाद जापान सरकार द्वारा घोषणा की गई थी कि उस दुर्घटना में विमान में सवार सभी 25 लोगों की मौत हो गई, जिनमें नेताजी सुभाष चंद्र बोस भी शामिल थे। 18 अगस्त 1945 को ताइवान के ताइपेई में विमान दुर्घटना में उनकी मौत की जापान सरकार द्वारा की गई आधिक. ारिक घोषणा को भारत सरकार ने भी स्वीकार कर लिया था लेकिन आज भी कई लोग इसे मानने को तैयार नहीं हैं। दरअसल उनके जीवित होने और गुमनामी में जीवन जीने के दावे किए जाते रहे हैं और इस विषय पर कई बार जांच भी हुई है।

हालांकि नेताजी के जीवित होने का दावा करने वाले लोगों ने कई बार अपने दावों का समर्थन करने के लिए सबूत पेश किए लेकिन उन सबूतों को प्राय: संदिग्ध माना गया है और कहा जाता रहा है कि उनके जीवित होने के दावे के समर्थन में कोई ठोस सबूत नहीं हैं। दरअसल नेताजी का शव कभी नहीं मिला और कुछ अन्य कारणों से भी उनकी मौत के दावों पर आज तक विवाद बरकरार है। उनकी मृत्यु का रहस्य जानने के लिए विभिन्न सरकारों द्वारा पूर्व में कुछ आयोगों का गठन भी किया जा चुका है और कोलकाता हाईकोर्ट द्वारा नेताजी के लापता होने के रहस्य से जुड़े खुफिया दस्तावेजों को सार्वजनिक करने की मांग पर सुनवाई के लिए स्पेशल बेंच भी गठित की गई किन्तु अभी तक रहस्य से पर्दा नहीं उठा है। फैजाबाद के गुमनामी बाबा से लेकर छत्तीसगढ़ के रायगढ़ जिले तक में नेताजी के होने संबंधी कई दावे भी पिछले दशकों में पेश हुए किन्तु सभी की प्रामाणिकता संदिग्ध रही और नेताजी की मौत का रहस्य यथावत बरकरार है। हालांकि जापान सरकार बहुत पहले ही इस बात की पुष्टि कर चुकी है कि 18 अगस्त 1945 को ताइवान में कोई विमान हादसा हुआ ही नहीं और भारत सरकार द्वारा कुछ समय पूर्व सार्वजनिक की गई नेताजी से संबंधित कुछ गोपनीय फाइलों में मिले एक नोट से तो यह सनसनीखेज खुलासा भी हुआ कि 18 अगस्त 1945 को हुई कथित विमान दुर्घटना के बाद भी नेताजी ने तीन बार 26 दिसम्बर 1945, 1 जनवरी 1946 तथा फरवरी 1946 में रेडियो द्वारा राष्ट्र को सम्बोधित किया था। इस खुलासे के बाद से ही नेताजी की मौत का रहस्य और गहरा गया था।

नेताजी के जीवित रहने को लेकर किए गए विभिन्न दावों में कहा गया कि वे विमान दुर्घटना में नहीं मारे गए थे बल्कि जीवित बच गए थे और उन्होंने अपने जीवन का बाकी हिस्सा गुप्त रूप से बिताया। ऐसे ही दावों में से एक दावा यह भी था कि विमान दुर्घटना में नेताजी को गंभीर रूप से चोटें लगी थी लेकिन वे जीवित बच गए थे और उन्हें एक जापानी अस्पताल में ले जाया गया था, जहां उनका इलाज किया गया और बाद में उन्हें सोवियत संघ ले जाया गया, जहां उन्हें एक गुप्त शिविर में रखा गया। एक अन्य दावा यह भी था कि नेताजी ने विमान दुर्घटना में बचने के लिए अपना रूप बदल लिया था। उन्होंने अपना नाम और पहचान बदल ली थी और एक गुप्त जीवन जीने लगे थे। कुछ लोगों ने यह दावा भी किया कि उन्होंने नेताजी को गुप्त रूप से रहने के दौरान देखा है। हालांकि इन तमाम दावों में से किसी का भी कोई पुख्ता सबूत कभी नहीं मिला लेकिन इन दावों को लेकर सच्चाई जानने को लेकर लोगों में सदैव उत्सुकता रही है। उनकी मौत के रहस्य को सुलझाने के लिए कई बार जांच आयोग भी बैठाए गए, जिनमें से सबसे महत्वपूर्ण जांच आयोग न्यायमूर्ति ताराचंद की अध्यक्षता में 1956 में बैठाया गया था। ताराचंद आयोग ने अपने निष्कर्ष में कहा था कि नेताजी की मृत्यु विमान दुर्घटना में हुई थी। आयोग ने कहा था कि नेताजी के जीवित रहने के दावे के समर्थन में कोई ठोस सबूत नहीं है, लेकिन आयोग के निष्कर्षों को कई लोगों ने चुनौती दी थी, जिनका कहना था कि आयोग ने नेताजी के जीवित रहने के दावों की पर्याप्त जांच नहीं की थी। आज भी दावे के साथ यह कहना मुश्किल है कि नेताजी की मृत्यु कैसे हुई थी। हो सकता है कि वे विमान दुर्घटना में मारे गए हों या यह भी हो सकता है कि वे जीवित बच गए हों और उन्होंने अपना जीवन गुप्त रूप से बिताया हो। कुल मिलाकर, उनकी मौत का रहस्य आज भी अनसुलझा है और इस रहस्य को सुलझाने के लिए और अधिक जांच की आवश्यकता है।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

पटना। 'जेईई मेन्स 2026' परीक्षा में बैठने से पहले परीक्षा केंद्र के बाहर कतार में इंतजार करते उम्मीदवार।

उड़ान भरने के बाद तकनीकी खराबी आने पर वापस लौटा ट्रम्प का विमान

वॉशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प का विमान एयर फोर्स वन मंगलवार को उड़ान भरने के कुछ ही देर बाद 'तकनीकी खराबी' आने के कारण संयुक्त बेस एंड्रयूज लौट आया। यह जानकारी व्हाइट हाउस ने दी। ट्रम्प विश्व आर्थिक मंच 2026 में शामिल होने के लिए स्विट्जरलैंड के दावोस जा रहे थे। व्हाइट हाउस त्वरित प्रतिक्रिया टीम ने सोशल मीडिया पर कहा कि उड़ान भरने के बाद एएफ1 के क्रू सदस्यों ने विमान में तकनीकी खराबी का पता लगाया। पूरी सावधानी बरतते हुए, एएफ1 संयुक्त बेस एंड्रयूज लौट रहा है।

बांग्लादेश से राजनयिकों के परिवारों को वापस बुला रहा भारत

संभावित आतंकवादी खतरे की विश्वसनीय खुफिया जानकारी मिलने के बाद लिया महत्वपूर्ण निर्णय

नई दिल्ली। भारत को बंगलादेश में अपने राजनयिकों तथा उनके परिवारों पर संभावित आतंकवादी खतरे की विश्वसनीय खुफिया जानकारी मिली है, जिसके मद्देनजर वहां से राजनयिकों के परिजनों को वापस लाने का निर्णय लिया है, हालांकि इस बारे में औपचारिक घोषणा अभी नहीं की गई है। उच्च पदस्थ सूत्रों ने यह जानकारी देते हुए बताया कि यह कदम एक एहतियाती उपाय है और यह इस बात का संकेत भी है कि मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली बंगलादेश की सरकार के कारण द्विपक्षीय संबंध खराब हो रहे हैं।

खुफिया जानकारी के अनुसार अगस्त 2024 में छात्रों विद्रोह के बाद बड़ी संख्या में रिहा किए गए कई उग्रवादियों ने बंगलादेश में फिर से संगठित हो गए हैं और वहां उन्हें एक तरह की मान्यता भी मिल रही है। खुफिया आकलन में कहा गया है कि ये तत्व भारतीय राजनयिकों और उनके परिवारों को निशाना बना सकते हैं। इस

■ अगस्त 2024 में छात्रों विद्रोह के बाद बड़ी संख्या में रिहा किए गए कई उग्रवादी बंगलादेश में फिर से संगठित हो गए हैं

संभावित खतरे के मद्देनजर सरकार ने एक अभूतपूर्व कदम उठाते हुए बंगलादेश में तैनात भारतीय राजनयिकों के परिवारों को ऐहतियात के तौर पर स्वदेश बुलाने का निर्णय लिया है।

भारत की रणनीतिक व्यवस्था को बंगलादेश में उग्रवादी ताकतों के पुनरुत्थान और इस्लामवादी आतंकवादी संगठनों द्वारा भारत के खिलाफ बढ़ती कटु भाषा और शत्रुतापूर्ण रुख को लेकर बढ़ती चिंता है। अधिकारियों का मानना है कि यह सुरक्षा परिदृश्य पिछले दशक में दोनों देशों के बीच निरंतर आतंकवाद-रोधी सहयोग से हासिल की गई स्थिरता की तुलना में काफी बिगड़ गया है। इस महीने की शुरुआत में दिए एक साक्षात्कार में मॉरीशस सरकार के पूर्व राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार और भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) के सेवानिवृत्त अधिकारी शांतनु मुखर्जी ने कहा था कि देश की पूर्वी सीमा के पार हाल के घटनाक्रम से यह संकेत मिलते हैं कि उग्रवादियों को रिहा किए जाने से आतंकवाद के खिलाफ मिली सफलता पर विपरीत असर पड़ सकता है। उन्होंने बताया कि कट्टरपंथी आतंकवादी कैदियों को जेल से रिहा कर फिर से संगठित होने दिया जा रहा है, जिससे बंगलादेश फिर से 'जिहादी' नेटवर्कों के लिए आधार बन सकता है, जैसा कि 1990 और 2000 के दशक की शुरुआत में हुआ करता था। मुखर्जी ने चेतावनी दी कि इन उग्रवादियों का पिछले साल रिहा होने के बाद फिर से संगठित होना बेहद चिंताजनक है। इससे न केवल बंगलादेश के अंदर हिंसा का खतरा बढ़ा है, बल्कि भारत के लिए भी सीमा पार से खतरे की आशंका बढ़ गई है। भारतीय अधिकारी इस बात को लेकर विशेष रूप से चिंतित हैं कि बंगलादेशी आतंकवादी समूह पाकिस्तान और पश्चिम एशिया के कट्टरपंथी संगठनों के साथ फिर से संबंध स्थापित कर रहे हैं, जिससे पुराने क्षेत्रीय आतंकवादी नेटवर्क फिर से सक्रिय हो सकते हैं, जिन्हें पिछले वर्षों में काफी हद तक खत्म किया जा चुका था।

अमेरिकी दबदबे वाली व्यवस्था का अंत हुआ: मार्क कार्नी

कनाडाई पीएम बोले: पुराना सिस्टम अब वापस नहीं आएगा, टैरिफ को हथियार बनाने का लगाया आरोप

दावोस। कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने कहा है कि अमेरिका के दबदबे वाली वैश्विक व्यवस्था अब खत्म हो चुकी है। उन्होंने स्विट्जरलैंड के दावोस में हो रहे वर्ल्ड इकोनामिक फोरम (डब्ल्यूईएफ) में यह बात कही। उन्होंने कहा कि दुनिया किसी बदलाव की तरफ नहीं, बल्कि टूटने की तरफ आगे बढ़ रही है। अब पुराना सिस्टम लौटने वाला नहीं है। कार्नी ने कहा कि नियमों और अंतर्राष्ट्रीय कानूनों के हिंसाब से चलने वाली दुनिया की जो बात की जाती है, वह असल में कभी भी पूरी तरह सच नहीं रही। दुनिया हमेशा से ताकत और अपने-अपने हितों के हिसाब से चली है।

कार्नी ने माना कि पुराने वैश्विक सिस्टम से कनाडा को फायदा हुआ। लेकिन उनके मुताबिक अब यह व्यवस्था टिकाऊ नहीं रह गई है। कार्नी ने कहा कि नई हकीकत यह है कि ताकतवर देश अपने हित साधने के लिए आर्थिक रिश्तों का इस्तेमाल दबाव बनाने में कर रहे हैं। उनके मुताबिक, टैरिफ को हथियार बनाकर दबाव बनाया जा रहा है, वित्तीय सिस्टम के जरिए देशों को मजबूर किया जा रहा है और सप्लाई चेन की कमजोरियों का इस्तेमाल किया जा रहा है। कार्नी ने कहा कि हाल के वर्षों में आए आर्थिक और राजनीतिक संकटों ने यह दिखा दिया है कि जरूरत से ज्यादा वैश्विक निर्भरता किसी भी देश के लिए खतरनाक हो सकती है। कार्नी ने चेतावनी दी कि अब यह मान लेना गलत है कि सिर्फ पुराने गठबंधन ही सुरक्षा और समृद्धि की गारंटी हैं। उन्होंने कहा कि जब आपसी जुड़ाव ही आपको दूसरे के दबाव में ले आए, तो आप आपसी फायदे के झूठ में नहीं रह सकते। कार्नी ने कहा कि कनाडा को उस नीति पर चलना होगा, जो सिद्धांतों पर भी टिकी हो और जमीन पर काम भी करे। इसके तहत घरेलू क्षमताएं मजबूत करने और किसी एक देश पर निर्भरता घटाने के लिए व्यापारिक साझेदारों में विविधता लाने पर जोर दिया। कार्नी ने कहा कि विश्व व्यापार संगठन और संयुक्त राष्ट्र जैसी बहुपक्षीय संस्थाएं कमजोर पड़ी हैं। ऐसे में देशों को अब खुद अपनी सुरक्षा, ऊर्जा और खाद्य जरूरतों के लिए तैयार रहना होगा। उन्होंने कहा कि जो देश खुद को खिला नहीं सकता, ऊर्जा नहीं दे सकता और अपनी रक्षा नहीं कर सकता, उसके पास बहुत कम विकल्प होते हैं।

■ कार्नी ने माना कि पुराने वैश्विक सिस्टम से कनाडा को फायदा हुआ
■ नई हकीकत यह है कि ताकतवर देश अपने हित साधने के लिए आर्थिक रिश्तों का इस्तेमाल दबाव बनाने में कर रहे हैं
■ कनाडा को उस नीति पर चलना होगा, जो सिद्धांतों पर भी टिकी हो और जमीन पर काम भी करे: कार्नी

कार्नी ने कहा कि अब यह उम्मीद करना गलत है कि नियमों का पालन करने से सुरक्षा मिल जाएगी। इससे पहले फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने भी मंगलवार को वर्ल्ड इकोनामिक फोरम की बैठक की संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि दुनिया ऐसे दौर की ओर बढ़ रही है, जहां अंतर्राष्ट्रीय कानून कुचले जा रहे हैं और ताकतवर की ही चल रही है। मैक्रों ने कहा कि ऐसी दुनिया खतरनाक है, जहां अंतर्राष्ट्रीय कानून की कोई अहमियत नहीं रह जाती। जहां ताकतवर देश जो चाहें करते हैं और कमजोर देशों को मजबूरी में सब सहना पड़ता है। उन्होंने अमेरिका पर आरोप लगाया कि उसकी व्यापार नीतियां यूरोप को कमजोर करने और क्षेत्रीय संप्रभुता के खिलाफ काम करी हैं। मैक्रों ने कहा कि आज दुनिया अस्थिर होती जा रही है। सुरक्षा के मामले में भी और अर्थव्यवस्था के मामले में भी। उन्होंने कहा कि 2024 में दुनिया के कई हिस्सों में युद्ध चल रहे हैं और कई देशों में लोकतंत्र कमजोर होकर तानाशाही की तरफ बढ़ रहा है।

डेनमार्क के सांसद बोले: ट्रम्प भाड़ में जाओ

दावोस। ग्रीनलैंड को लेकर अमेरिका की दिलचस्पी बढ़ने पर डेनमार्क के एक सांसद ने बहुत कड़ा बयान दिया है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, यूरोपीय संसद में डेनमार्क के सांसद एंडर्स विस्तिसेन ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प से कहा कि ग्रीनलैंड कोई बिकाऊ चीज नहीं है।

उन्होंने कहा कि ग्रीनलैंड पिछले 800 सालों से डेनमार्क का हिस्सा है। यह बेचने के लिए नहीं है। इसके बाद उन्होंने कहा कि इसे ऐसे शब्दों में कहूं जो आप समझें, तो मिस्टर प्रेसिडेंट, भाड़ में जाइए। इस पर यूरोपीय संसद के उपाध्यक्ष निकोलाए स्टेफानुता ने उन्हें टोकते हुए कहा कि इस तरह की भाषा सदन के नियमों के खिलाफ है। इस बयान अब तक पर ट्रम्प की ओर से कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है। दरअसल, ट्रम्प ने पहले फ्रांस की वाइन और शैम्पेन पर 200 प्रतिशत टैरिफ लगाने की धमकी दी थी। यह धमकी उन्होंने इसलिए दी क्योंकि फ्रांस ने अमेरिका के प्रस्तावित गाजा पीस बोर्ड में शामिल होने से मना कर दिया था। पिछले कुछ हफ्तों में ट्रम्प कई बार कह चुके हैं कि ग्रीनलैंड पर अमेरिका का कंट्रोल होना चाहिए। उनका कहना है कि आर्कटिक इलाके में रूस और चीन के बढ़ते प्रभाव को रोकने के लिए वहां अमेरिकी सेना की मौजूदगी जरूरी है। ग्रीनलैंड को लेकर ट्रम्प ने यूरोप के उन देशों पर भी दबाव बनाया है जो डेनमार्क का समर्थन कर रहे हैं।

■ ग्रीनलैंड बिकाऊ नहीं, ये 800 साल से हमारा हिस्सा

ट्रम्प बोले: 8 जंग रुकवाई हर एक के लिए नोबेल मिले

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प ने एक बार फिर नोबेल शांति पुरस्कार को लेकर नाराजगी जताई है। ट्रम्प ने कहा कि उन्होंने अब तक 8 जंग रुकवाए हैं, उन्हें हर जंग रुकवाने के लिए अलग-अलग नोबेल मिलना चाहिए। ट्रम्प ने कहा कि वे बात खुद नहीं कहना चाहते, लेकिन सच यही है। अगर कोई कहता है कि मुझे नोबेल नहीं देने में नार्वे का कोई रोल नहीं है तो यह गलत है। नोबेल वही से दिया जाता है। इसका फैसला भी वही करते हैं। इससे पहले नार्वे के प्रधानमंत्री जोनस स्टोर ने सोमवार को कहा था कि नोबेल शांति पुरस्कार देने का फैसला नार्वे सरकार नहीं, बल्कि एक स्वतंत्र नोबेल कमेटी करती है। उन्होंने कहा कि यह बात ट्रम्प को भी पहले समझाई जा चुकी है। ट्रम्प ने वेनेजुएला की विपक्षी नेता मारिया मचाडो की भी तारीफ की। उन्हें इस बार शांति का नोबेल दिया गया है। ट्रम्प ने कहा कि मचाडो ने मुझे यह प्राइज पेश किया और कहा कि ट्रम्प इसके ज्यादा हकदार हैं। ट्रम्प ने यह भी कहा कि उन्होंने 10 महीनों में भारत और पाकिस्तान समेत आठ युद्ध खत्म करवाए हैं। उन्होंने कहा कि भारत और पाकिस्तान के हालात बेहद गंभीर मोड़ पर थे और हालात परमाणु युद्ध तक जा सकते थे, लेकिन दुनिया एक बड़े यहां तक कि न्यूक्लियर वार से बच गई। अंतर्राष्ट्रीय संघर्षों को रुकवाने का दावा करते हुए ट्रम्प ने कहा कि उन्हें हर युद्ध रुकवाने के लिए उन्हें नोबेल शांति पुरस्कार मिलना चाहिए था। अपने दूसरे कार्यकाल के एक साल पूरे होने पर ट्रम्प ने कहा कि उनके फैसलों से अमेरिका की राष्ट्रीय सुरक्षा मजबूत हुई और दुनिया बड़े युद्धों से बची। ट्रम्प के दूसरे कार्यकाल का एक साल पूरा होने पर अमेरिका के कई शहरों में उनके खिलाफ प्रदर्शन हुए। एक्टिविस्ट और आम लोग उनकी अलग-अलग नीतियों से नाराज दिखे। प्रदर्शनकारियों का कहना था कि ट्रम्प की नीतियों ने दुनिया भर में अमेरिका की सालों से बनी अच्छी छवि और भरोसे को नुकसान पहुंचाया है।

■ इस बार जिसे पुरस्कार मिला, उसे भी पता कि मैं असली हकदार

पाक रक्षा मंत्री ने फर्जी पिज्जा हट का किया उद्घाटन

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ एक अजीब विवाद में फंस गए हैं। उन्होंने सियालकोट कैंटोनमेंट में पिज्जा हट ब्रांड वाले एक आउटलेट का उद्घाटन किया। लेकिन कुछ ही घंटों बाद पिज्जा हट कंपनी ने इस आउटलेट को फर्जी बता दिया।

सोशल मीडिया पर उद्घाटन की तस्वीरें और वीडियो वायरल होने के बाद पिज्जा हट पाकिस्तान ने बयान जारी कर साफ किया कि इस आउटलेट से उसका कोई लेना-देना नहीं है। वायरल तस्वीरों और वीडियो में ख्वाजा आसिफ सियालकोट कैंटोनमेंट में बने आउटलेट का फीता काटते नजर आ रहे हैं। उन्होंने हाथ में कैंची लेकर कैमरे के सामने पोज भी दिया। तस्वीर पाकिस्तान के फर्जी पिज्जा हट आउटलेट की है। इसे गुब्बारों के साथ सजाया गया था। यह मामला सामने आते ही सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर लोगों ने इसे लेकर मजाक उड़ाना शुरू कर दिया। एक यूजर ने लिखा कि रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने सियालकोट में एक फर्जी पिज्जा हट फ्रेंचाइजी का उद्घाटन किया। ये बेवकूफ बूढ़े लोग हम पर थोपे गए हैं। एक अन्य यूजर ने मजाक करते हुए लिखा कि जब पिज्जा हट खुद कह दे, यह हमारी स्लाइस नहीं है। पिज्जा हट पाकिस्तान ने बयान जारी कर कहा कि सियालकोट कैंटोनमेंट में खुला यह रेस्टोरेंटपिज्जा हट के नाम और ब्रांड का गलत इस्तेमाल कर रहा है।

■ कंपनी बोली: हमारा कोई लेना देना नहीं, सोशल मीडिया पर मजाक बना

सुनीता विलियम्स 27 साल बाद हुई रिटायर

दिल्ली में बोलीं: भारत आना घर वापसी जैसा, चांद पर जाना चाहती हूं, लेकिन पति इजाजत नहीं देंगे

नई दिल्ली। भारतीय मूल की अमेरिकी एस्ट्रोनाट सुनीता विलियम्स ने मंगलवार को कहा, इस समय दुनिया में अंतरिक्ष को लेकर एक तरह की होड़ (स्पेस रेस) चल रही है। कई देश चांद और अंतरिक्ष में आगे बढ़ने की कोशिश कर रहे हैं। लक्ष्य सिर्फ पहले पहुंचना नहीं है, बल्कि यह है कि इंसान सुरक्षित, टिकाऊ और लंबे समय तक रहने लायक तरीके से चांद पर जाए।

सुनीता ने यह बात दिल्ली के अमेरिकन सेंटर में आंखें सितारों पर, पैर जमीं पर सेमिनार में कहीं। उन्होंने यह भी कहा कि यह काम सबके फायदे, सहयोग और पारदर्शिता के साथ, लोकतांत्रिक तरीके से किया जाना चाहिए, ताकि किसी एक देश का दबदबा न हो और पूरी मानवता को इसका लाभ मिले। सभी देश सहयोग के साथ आगे बढ़ें, बिल्कुल अंटार्कटिका माडल की तर्ज पर। सुनीता ने 27 साल के बाद रिटायरमेंट ले लिया है। इसकी घोषणा नासा ने 20 जनवरी को की। उनकी रिटायरमेंट 27 दिसम्बर 2025 से लागू होगी।

■ इसकी घोषणा नासा ने 20 जनवरी को की, उनकी रिटायरमेंट 27 दिसम्बर 2025 से लागू होगी

सुनीता बोलीं: स्पेस से धरती देखने पर महसूस होता है कि हम सब एक हैं। 60 साल की विलियम्स का आखिरी स्पेस मिशन सिर्फ 10 दिन का था, लेकिन वह साढ़े नौ महीने तक इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन (आईएसएस) पर रहीं। सुनीता 27 साल पहले 1998 में नासा से जुड़ी थीं। उन्होंने नासा के 3 मिशन में हिस्सा लिया। इस दौरान उन्होंने अंतरिक्ष में 608 दिन बिताए। पहली बार वह 9 दिसम्बर 2006 को अंतरिक्ष में गई थीं। सुनीता ने अंतरिक्ष में 9 स्पेसवाक की। इस दौरान उन्होंने 62 घंटे 6 मिनट तक अंतरिक्ष में चहलकदमी की। यह किसी भी महिला अंतरिक्ष यात्री में सबसे ज्यादा है। वह अंतरिक्ष में पहली बार मैराथन दौड़ने वाली यात्री भी बनीं। भारत आना उन्हें घर वापसी जैसा लगता है, क्योंकि उनके पिता गुजरात के मेहसाणा जिले के झूलासन गांव से थे। वहीं, चांद पर जाने के एनडीटीवी के सवाल पर मजाकिया लहजे में कहा, श्मैं चंद्रमा पर जाना चाहती हूं, लेकिन मेरे पति मुझे इजाजत नहीं देंगे। घर वापसी और जिम्मेदारी सौंपने का समय आ गया है। अंतरिक्ष खोज में अगली पीढ़ी को अपना स्थान बनाना होगा। क्या स्पेस ट्रैवल ने उनकी जिंदगी के नजरिए को बदला है, तो उन्होंने कहा-हां, बिल्कुल। जब आप धरती को स्पेस से देखते हैं, तो महसूस होता है कि हम सब एक हैं और हमें ज्यादा करीब से मिलकर काम करना चाहिए। अंतरिक्ष में फैले कचरे पररू पिछले एक दशक में यह एक बड़ी चुनौती बन गई है और इसे मैनेज करने के लिए नई टेक्नोलाजी की जरूरत है।

शिंजो आबे को गोली मारने वाले अपराधी को आजीवन कारावास

टोक्या। जापान की अदालत ने बुधवार को पूर्व प्रधानमंत्री शिंजो आबे की गोली मारकर हत्या करने वाले शख्स को उम्रकैद की सजा सुनाई है। शिंजो आबे की हत्या करने की बात इस शख्स ने कबूल की थी। इस मामले ने जापान की सत्तारूढ़ पार्टी और एक विवादास्पद दक्षिण कोरियाई चर्च के बीच दशकों पुराने घनिष्ठ संबंधों को उजागर किया है। जापान के सबसे प्रभावशाली राजनेताओं में शामिल शिंजो आबे प्रधानमंत्री पद छोड़ने के बाद एक नियमित सांसद के रूप में कार्यरत थे। इसी दौरान 2022 में पश्चिमी शहर नारा में चुनाव प्रचार के दौरान उनकी हत्या कर दी गई। इस घटना ने सख्त बंदूक नियंत्रण वाले देश को स्तब्ध कर दिया। 45 वर्षीय तेत्सुया यामागामी ने अक्टूबर में शुरू हुए मुकदमे में हत्या का अपराध स्वीकार कर लिया था। अदालत ने बुधवार को फैसला सुनाते हुए आजीवन कारावास की सजा का एलान किया। शूटर ने कहा कि वह एक विवादास्पद चर्च के प्रति नफरत से प्रेरित था।

दक्षिण कोरिया के पूर्व पीएम को 23 साल की सजा

अदालत ने मार्शल लॉ लगाने को करार दिया विद्रोह

सियोल। दक्षिण कोरिया की एक अदालत ने पूर्व राष्ट्रपति यून सुक-योल की ओर से देश में मार्शल ला लगाने को संविधान के खिलाफ विद्रोह करार दिया। इसी के साथ अदालत ने पूर्व राष्ट्रपति के करीबी सहयोगी और पूर्व प्रधानमंत्री हान डक-सू को 23 साल की सजा सुनाई।

यह फैसला यून प्रशासन से जुड़े विद्रोह के मामलों में पहला बड़ा दोषसिद्धि फैसला माना जा रहा है। सियोल सेंट्रल डिस्ट्रिक्ट कोर्ट ने बुधवार को दिए गए फैसले में कहा कि यून सुक-योल का मार्शल ला आदेश एक तरह का 'खुद का तख्तापलट' था, जिसका मकसद संवैधानिक व्यवस्था को कमजोर करना था। अदालत ने संसद और चुनाव कार्यालयों में सेना व पुलिस की तैनाती को गंभीर अस्थिरता फैलाने वाला कदम बताया। अदालत के अनुसार, तत्कालीन प्रधानमंत्री हान डक-सू ने मंत्री परिषद की बैठक के जरिए मार्शल ला आदेश को प्रक्रियात्मक वैधता देने की कोशिश की और इस तरह विद्रोह में अहम भूमिका निभाई। उन्हें मार्शल ला घोषणा में हेरफेर, दस्तावेज नष्ट करने और शपथ के तहत झूठ बोलने का भी दोषी ठहराया गया। अदालत के फैसले में कहा गया कि हान ने संविधान की रक्षा करने के अपने कर्तव्य की अनदेखी की और यह मानते हुए विद्रोह का हिस्सा बने कि यह सफल हो सकता है। अदालत ने चेतावनी दी कि ऐसे कृत्यों से देश एक बार फिर उस दौर में लौट सकता था, जहां नागरिक अधिकारों और लोकतांत्रिक व्यवस्था को कुचला जाता है। सजा सुनाए जाने के बाद हान डक-सू को तुरंत जेल भेज दिया गया। इससे पहले वे हिरासत में नहीं थे। गौरतलब है कि स्वतंत्र अभियोजक ने उनके लिए 15 साल की सजा मांगी थी, ऐसे में 23 साल की सजा को अप्रत्याशित माना जा रहा है। हान इस फैसले के खिलाफ अपील कर सकते हैं। यह फैसला राष्ट्रपति यून सुक-योल के खिलाफ चल रहे मामलों के लिए भी अहम माना जा रहा है। यून पर विद्रोह का मास्टरमाइंड होने का आरोप है और उनके खिलाफ स्वतंत्र अभियोजक मृत्युदंड तक की मांग कर चुके हैं। उनके विद्रोह मामले पर 19 फरवरी को फैसला आने की संभावना है।

■ उनके विद्रोह मामले पर 19 फरवरी को फैसला आने की संभावना है

नेपाल में सुशीला कार्की की सरकार से चार मंत्रियों का इस्तीफा

काठमांडा। नेपाल में आगामी आम चुनाव से पहले राजनीतिक गतिविधियां तेज हो गई हैं। कार्यवाहक प्रधानमंत्री सुशीला कार्की की अगुवाई वाली सरकार के चार मंत्रियों ने चुनाव लड़ने के लिए अपने पदों से इस्तीफा दे दिया है। नेपाल में 5 मार्च को होने वाले आम चुनाव लड़ने के लिए इन सभी ने अपना नामांकन दाखिल किया है। विज्ञान और शिक्षा मंत्री महाबीर पुन ने मंगलवार को अपने पद से इस्तीफा देने के बाद म्याग्दी जिले से स्वतंत्र उम्मीदवार के तौर पर नामांकन दाखिल किया। इससे पहले सोमवार को संचार मंत्री जगदीश खरेल और खेल मंत्री बबलू गुप्ता ने भी मंत्री पद छोड़कर प्रतिनिधि सभा का चुनाव लड़ने का फैसला किया था।